हमारा समाज और पर्यावरण–6

विषय–सूची

इकाई-1 (इतिहास)

1.	प्राचीन काल की जानकारी	3
2.	प्राचीन मानव	5
3.	सिंधु घाटी सभ्यता (नगरीय व्यवस्था का आरंभ)	8
4.	वैदिक काल में जीवन	10
5.	जनपद और महाजनपद	12
6.	मौर्य साम्राज्य	15
7.	दक्षिण भारत की राजधानियाँ (200 ई0पू0 से 300 ईसवी)	16
8.	दूरस्थ राज्यों के विजेता	18
9.	गुप्त साम्राज्य	20
10.	छोटे राज्यों का उदय	23
11.	प्राचीन भारत के दूरस्थ राज्यों से संबंध	25

इकाई-2 (भूगोल)

1.	हमारी पृथ्वी और सौरमंडल	28
2.	पृथ्वी का प्रतिरूप - ग्लोब	29
3.	मानचित्र का अध्ययन	31
4.	पृथ्वी की गति	32
5.	पृथ्वी के परिमंडल	34
6.	पृथ्वी की प्रमुख भू-आकृतियाँ	36
7.	भारत - स्थिति, राजनैतिक विभाजन तथा आकृति	38
8.	भारत - जलवायु, वन्य जीवन तथा प्राकृतिक वनस्पति	40

इकाई-3 (सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन)

1.	अनुकता में एकता	43
2.	विविधता और भिन्नता	46
3.	हमारी सरकार तथा इसके कार्य	48
4.	पंचायती राज और ग्रामीण प्रशासन	49
5.	शहरी प्रशासन	51
6.	ग्रामीण जीविका	52
7.	शहरी जीविका	54

इकाई–1 (इतिहास)

1 प्राचीन काल की जानकारी

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए :–

प्र.1 इतिहास किसे कहते हैं?

उ. इतिहास प्राचीन घटनाओं का अध्ययन है।

प्र.2 इतिहास में हम किस प्रकार की घटनाओं का अध्ययन करते हैं?

उ. इतिहास में हम प्राचीन मानव के जीवन सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिस्थितियों के साथ–साथ राजनैतिक तथा अर्थशास्त्र संबधित घटनाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं।

प्र.3 इतिहास को कितने भागों में विभाजित किया गया है और किस आधार पर विभाजन किया गया है?

उ. इतिहास को प्राचीन, मध्यकाल तथा आधुनिक काल में विभाजित किया गया है।

प्र.4 प्राचीन इतिहास को जानने के दो मुख्य स्त्रोत कौन–से हैं?

उ. प्राचीन इतिहास को जानने के दो मुख्य स्त्रोत हैं :–

क. साहित्यिक प्रमाण तथा ख. पुरातन प्रमाण

प्र.5 हस्तलिपि किसे कहते हैं? प्राचीन समय में हस्तलिपियाँ कैसे लिखी जाती थी?

उ. हस्तलिखित प्रमाण जिनसे हमें प्राचीन काल के विषय में जानकारी मिलती है हस्तलिपि कहलाता है। ये हस्तलिपियाँ उस काल के कुछ विद्वानों द्वारा भिन्न–भिन्न भाषाओं में लिखी गई थी।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक दीजिए :–

प्र.1 इतिहास को पढने के महत्व को विस्तार से बताइए?

उ. इतिहास के अध्ययन का महत्व :–

क. इतिहास मानव के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक और आर्थिक तत्वों के प्राचीन समय से आज तक के विकास को बताता है।

ख. इतिहास हमें दो समुदायों के बीच संघर्ष या विरोध के कारणों के विषय में जानकारी देता है।

ग. इतिहास हमें हमारे पूर्वजों की उपलब्धियों तथा असफलताओं के विषय में बताता है।

घ. इसमें हमें देश की बहूमूल्य विरासत की जानकारी मिलती है।

ड. समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक कुरीतियों तथा इन कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज सुधारकों द्वारा किए गए प्रयासों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

च. इतिहास द्वारा हम विभिन्न राजनीतिक पद्धति उनके लाभ तथा हानि के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं।

प्र.2 प्राचीन इतिहास को जानने के स्त्रोतों को बताइए?

उ. प्राचीन इतिहास के स्त्रोत हैं :– हस्तलिपियाँ (साहित्यिक स्त्रोत) और पुरातन प्रमाण।

क. **हस्तलिपि (साहित्यिक स्त्रोत) :–** हस्त लिखित प्रमाण जिनसे हमें प्राचीन काल के विषय में जानकारी मिलती हैं हस्तलिपि कहलाते हैं। ये हस्तलिपियाँ उस काल के कुछ विद्वानों द्वारा भिन्न–भिन्न भाषाओं में लिखी गई थीं। साहित्यिक स्त्रोंतों को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है :–

अ. **धार्मिक साहित्य :–** हिंदुओं की धार्मिक पुस्तकें (जैसे – वेद, पुराण और उपनिषद इत्यादि), बौद्ध धर्म की धार्मिक पुस्तकें (जैसे – त्रिपिटिक, जातक इत्यादि) और जैन धर्म की धार्मिक पुस्तके (जैसे – गंगा) प्राचीन मानव की धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक और भौतिक जीवन पर प्रकाश डालती है।

ब. **लैकिक साहित्य :–** प्राचीन काल के कुछ शासक अपने राज्य की मुख्य घटनाओं को लिखकर रखते थे। कौटिल्य द्वारा रचित 'अर्थशास्त्र' में हमें मौर्य साम्राज्य का वर्णन मिलता है। विशाखदन्ता

द्वारा रचित 'मुद्रा राक्षस' में मौर्य द्वारा नंद पर शासन का वर्णन है। कुछ राजा अपनी आत्मकथा लिखना पसंद करते थे। विभिन्न राजाओं की आत्मकथाएँ जैसे - बाण भट्ट द्वारा रचित 'हर्ष चरित्र' हमें हर्षवर्धन के बारे में बहुमूल्य सूचना देते हैं।

स. **यात्रियों का वृत्तांत :-** कुछ विदेशी यात्री; जैसे - फाह्यान, मैगस्थनीज और ह्वेनसांग भारत में भ्रमण करने आए और उन्होंने राजाओं तथा समाज के विषय में लिखा। ये वृत्तांत उस समय का सही और जीवंत वर्णन करते हैं।

ख. **पुरातन प्रमाण :-** शिलालेख, सिक्के, ताम्रपत्र इत्यादि द्वारा हमें प्राचीन शासकों की मुख्य घटनाओं का वर्णन मिलता है :-

अ. **शिलालेख :-** पत्थरों, ताम्रपत्रों इत्यादि पर लिखे गए वर्णन द्वारा हमें प्राचीन शासकों के शासन की मुख्य घटनाओं का पता चलता है। चट्टानों पर की गई खुदाई द्वारा अशोक द्वारा प्रारंभ किए गए धम्म (धर्म) और साम्राज्य विस्तार का पता चलता है। साँची के स्तूप चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के राज्य पर प्रकाश डालते हैं। उसी प्रकार इलाहाबाद स्तंभ - शिलालेख हमें समुद्रगुप्त की विजय के विषय में बताते हैं।

ब. **सिक्के :-** पुरातत्व वेत्ताओं को प्राचीन समय के बहुत-से सिक्के प्राप्त हुए हैं। ये सिक्के सोने, चाँदी, ताँबे और अन्य धातुओं के बने हुए हैं। इनसे हमें विभिन्न राजवंशों की तिथियों का ज्ञान होता है। वहाँ की आर्थिक स्थिति सिक्कों द्वारा आँकी जा सकती है। इन सिक्कों के द्वारा हम उन राजाओं का व्यवहार तथा पसंद को जान सकते हैं। समुद्रगुप्त द्वारा जारी किए गए सिक्कों द्वारा पता चलता है कि वह विष्णु भगवान का भक्त था। इनमें से एक सिक्के पर बनी वीणा द्वारा उसके संगीतप्रिय होने का पता चलता है।

स. **स्मारक :-** पुरानी इमारतों के अवशेष; जैसे मंदिर, महल, किले, स्तूप इत्यादि हमें प्राचीन विरासत के बारे में मुख्य जानकारी देते हैं। पुरातत्व वेत्ताओं द्वारा खोजी गई 5000 वर्ष प्राचीन सिंधु घाटी पर स्थित हड़प्पा सभ्यता के अवशेषों द्वारा हड़प्पा की सभ्यता का ज्ञान होता है। तक्षशिला में की गई खुदाई द्वारा कुषाण वंश की बहुमूल्य जानकारी प्राप्त होती है तथा पाटलिपुत्र में की गई खुदाई से मौर्य साम्राज्य की जानकारी मिलती है। पुरानी इमारतों के अवशेष जैसे मंदिर, स्तूप तथा महलों द्वारा उस समय की शिल्पकला का ज्ञान होता है तथा ये वहाँ के लोगों के धार्मिक तथा सामाजिक जीवन के विषय में भी बताते हैं।

ग. **कला :-** कला के नमूने जैसे -स्तंभ तथा चित्रों की सहायता से प्राचीन लोगों के सांस्कृतिक जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। भगवान शिव, विष्णु, बुद्ध और महावीर के चित्र तथा मूर्तियाँ हमें उस समय के मूर्तिकला तथा चित्रकला के विभिन्न तरीकों के विषय में बताती हैं। अजंता, एलोरा तथा अन्य स्थानों से प्राप्त चित्रों द्वारा वहाँ के लोगों के धार्मिक तथा सामाजिक रीति रिवाजों के साथ-साथ पहनावें, भोजन संबंधी आदतों और मनोरंजन के साधनों के बारे में पता चलता है।

प्र.ग निम्नलिखित में अंतर बताइए :-

प्र.1 शिलालेख और स्मारक।

उ. शिलालेख :- पत्थरों, ताम्रपत्रों इत्यादि पर लिखे गए वर्णन द्वारा हमें प्राचीन शासकों के शासन की मुख्य घटनाओं का पता चलता है। चट्टानों पर की गई खुदाई द्वारा अशोक द्वारा प्रारंभ किए गए धम्म (धर्म) और साम्राज्य विस्तार का पता चलता है। साँची के स्तूप चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के राज्य पर प्रकाश डालते हैं। इसी प्रकार इलाहाबाद, स्तंभ शिलालेख हमें समुद्रगुप्त की विजय के विषय में बताते हैं।

स्मारक :- पुरानी इमारतों के अवशेष; जैसे मंदिर, महल, किले, स्तूप इत्यादि हमें हमारी प्राचीन विरासत के बारे में मुख्य जानकारी देते हैं। पुरातत्त्वेत्ताओं द्वारा खोजी गई 5000 वर्ष प्राचीन विषणु घाटी पर स्थित हड़प्पा सभ्यता के अवशेषो द्वारा हड़प्पा की सभ्यता का ज्ञान होता है। तक्षशिला में की गई खुदाई द्वारा कुषाण वंश की बहुमूल्य जानकारी प्राप्त होती है तथा पाटलिपुत्र में की गई खुदाई से मौर्य साम्राज्य की जानकारी मिलती

है। पुरानी इमारतों के अवशेषय; जैसे - मंदिर, स्तूप तथा महलों द्वारा उस समय की शिल्पकला का ज्ञान होता है तथा ये वहाँ के लोगों के धार्मिक तथा सामाजिक जीवन के विषय में भी बताते हैं।

प्र.2 धार्मिक हस्तलिपि तथा लौकिक हस्तलिपि।

उ. धार्मिक हस्तलिपि :- हिंदुओं की धार्मिक पुस्तकें (जैसे - वेद, पुराण और उपनिषद् इत्यादि), बौद्ध धर्म की धार्मिक पुस्तकें (जैसे - त्रिपिटिक, जातक इत्यादि) और जैन धर्म की धार्मिक पुस्तकें (गंगा) प्राचीन मानव की धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक और भौतिक जीवन पर प्रकाश डालती हैं।

लौकिक हस्तलिपि :- प्राचीन काल के कुछ शासक अपने राज्य की मुख्य घटनाओं को लिख कर रखते थे। कौटिल्य द्वारा रचित 'अर्थशास्त्र' में हमें मौर्य साम्राज्य का वर्णन मिलता है। विशाखदन्ता द्वारा रचित 'मुद्रा राक्षस' में मौर्य द्वारा नंद पर शासन का वर्णन है। कुछ राजा अपनी आत्मकथा लिखना पसंद करते थे। विभिन्न राजाओं की आत्मकथाएँ, जैसे -बाण भट्ट द्वारा रचित 'हर्ष चरित्र' हमें हर्षवर्धन के बारे में (जिसने 1400 वर्ष पूर्व शासन किया था) बहुमूल्य सूचना देते हैं।

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. इतिहास शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम ग्रीस *हेरोडोटस* इतिहासकार ने किया था।
2. *चट्टानों की खुदाई* की सहायता से हम अशोक के धम्म तथा राज्य के विस्तार को जान सकते हैं।
3. समुद्रगुप्त *विष्णु भगवान* का पुजारी था।
4. 5000 वर्ष पूर्व *सिंधु घाटी नामक* एक महान् सभ्यता का प्रारंभ हुआ था।
5. जातक *बौद्ध* धर्म की धार्मिक पुस्तकों का एक उदाहरण है।

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. अर्थशास्त्र लिखा गया है :-

अ.	चंद्रगुप्त द्वारा	( )	ब. कौटिल्य द्वारा	(✓)
स.	अशोक द्वारा	( )	द. बाण भट्ट द्वारा	( )

2. हिंदुओं की धार्मिक पुस्तकें हैं :-

अ.	वेद	( )	ब. पुराण	( )
स.	उपनिषद्	( )	द. उपर्युक्त सभी	(✓)

3. इतिहास में मध्यकाल का प्रारंभ हुआ था :-

अ.	प्राचीन मानव से	( )	ब. 8वीं शताब्दी (ईसवी)	(✓)
स.	18वीं शताब्दी से	( )	द. 8वीं शताब्दी (ईसा पूर्व)	( )

प्र.च सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. इतिहास शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ब्रिटिश इतिहासकारों ने किया था। (✗)
2. प्राचीन मानव ने अपने जीवन की घटनाओं को लिखकर सुरक्षित करना सीख लिया था। (✗)
3. पाटलीपुत्र में की गई खुदाई द्वारा मौर्य साम्राज्य का पता चलता है। (✓)
4. पुरानी इमारतों के अवशेष हमें प्राचीन सभ्यता के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करते हैं। (✓)
5. कौटिल्य का अर्थशास्त्र धार्मिक साहित्य का उदाहरण है। (✓)

2 प्राचीन मानव

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 सर्वप्रथम मानव की उत्पत्ति कब तथा कहाँ हुई?

उ. मानव की उत्पत्ति लगभग 2 लाख वर्ष पूर्व अफ्रीका में हुई।

प्र.2 पाषाण काल को कितने भागों में बाँटा गया है?

उ. पाषाण काल को तीन भागों में विभाजित किया है - पुरा पाषाण काल, मध्य पाषाण काल तथा नव पाषाण काल।

प्र.3 आदिमानव ने आग की खोज कैसे की?

उ. प्राचीन मानव ने अचानक ही आग की खोज की। औजार और हथियार बनाते समय पत्थरों में आपस में टकराने के कारण चिंगारियाँ निकलीं और सूखी पत्तियों पर जा गिरी और आग लग गई इससे उन्हें आग जलाने का विचार दिमाग में आया।

प्र.4 नव पाषाण काल को ताम्र युग तथा कास्य युग क्यों कहा जाता है?

उ. काँसे को ताँबे तथा टिन के मिश्रण द्वारा बनाया जाता था। काँसे का प्रयोग औजार, हथियार और बर्तन बनाने के काम आता था। अतः इस काल को काँस्य युग भी कहा जाता है। कभी-कभी इसे ताम्र युग भी कहा जाता है क्योंकि कभी-कभी ताँबे के औजारों के साथ-साथ पत्थरों के औजारों का भी प्रयोग किया जाता था।

प्र.5 पहिए की खोज आदिमानव के लिए एक महान् खोज क्यों थी?

उ. पहिए का प्रयोग बुनाई, कताई तथा बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता था। अतः पहिए का आविष्कार प्राचीन मानव के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तापूर्वक लिखिए :-

प्र.1 आदिमानव ने व्यवस्थित जीवन का प्रारंभ कब किया तथा उनके लिए यह कैसे संभव हुआ?

उ. लगभग ईसा से 10,000 वर्ष पूर्व उसने अपना भोजन स्वयं उगाना शुरू कर दिया था और एक स्थिर जीवन बिताना भी प्रारंभ कर दिया। उसने उन जानवरों को पालना भी प्रारंभ कर दिया था जो उसे अधिक उपयोगी लगते थे। इस नए युग के प्रारंभ को नव पाषाण काल के नाम से जाना जाता है।

कृषि तथा पशुओं को झुंड में रखने का प्रारंभ इस समय हुआ। इसी समय संसार की जलवायु में परिवर्तन आने लगा तथा इसी के साथ-साथ पेड़-पौधे तथा जानवरों, जिनको मानव खाता था में भी परिवर्तन आया। उन्होंने शायद कुछ बातों पर ध्यान दिया। वह स्थान जहाँ पर भोजन योग्य पेड़-पौधे उगते है, बीज डंठल से बाहर कैसे आता है और जमीन पर गिरता है तब उसमें से नया पौधा कैसे उत्पन्न होता है। शायद उन्होंनें पौधों की देखभाल शुरू की उन्हें पक्षियों और जानवरों से बचाया जिससे वे बीज प्राप्त कर नए पौधे उगा सकें। इस प्रकार मानव किसान बन गया।

प्र.2 आदिमानव के लिए आग की क्या उपयोगिता थी?

उ. औजार और हथियार बनाते समय पत्थरों के आपस में टकराने के कारण चिंगारियाँ निकली और सूखी पत्तियों पर जा गिरी और आग लग गई। इससे उन्हें आग जलाने का विचार दिमाग में आया। आग की खोज ने प्राचीन मानव का जीवन ही बदल दिया। ठंडे मौसम में अपने आप को गर्म रखने के लिए आग का प्रयोग किया जा सकता था। अपनी अंधेरी गुफाओं में रोशनी और रात में जंगली जानवरों को भगाने के लिए आग का प्रयोग होने लगा। आग की खोज से पहले मानव कच्चा मांस खाता था। परंतु आग के आविष्कार के पश्चात् उसने भोजन को भूनकर खाना प्रारंभ कर दिया। भुना हुआ भोजन कच्चे भोजन से अधिक स्वादिष्ट था। प्राचीन मानव के लिए आग न केवल आश्चर्यजनक उपलब्धि थी बल्कि पूजा करने योग्य थी।

प्र.3 भारत में नव पाषाण काल के स्थान कहाँ पाए गए हैं? पुरातत्ववेत्ताओं को इन स्थानों से क्या प्राप्ति हुई है?

उ. नव पाषाण काल से संबधी खुदाई के महत्वपूर्ण केंद्र हैं - मेहरगढ़ (पाकिस्तान में), कोलधिवा (उत्तर प्रदेश में), महागढ़ (उत्तर प्रदेश में), गुफकराल (कश्मीर में), बुरजाहोनु (कश्मीर में), चिरांद (बिहार में), होलर (आंध्र प्रदेश में), पेयमपल्ली (आंध्र प्रदेश में) इन केंद्रों में पुरातत्ववेत्ताओं को लोगों के गेहूँ, चावल, बाजरा, दालें, हरे चने, काली मूंग इत्यादि बोने के प्रमाण मिले हैं। वे लोग बकरी, भेड़, घास खाने वाले जानवर, भैंस, बैल, सुअर और कुत्तों को पालते थे।

प्र.4 व्यवसाय तथा निवास के आधार पर पुरा पाषाण काल तथा नव पाषाण काल में क्या अंतर है।

उ. पुरा पाषाण काल का मानव शिकारी तथा भोजन संगृहक था। वे लोग भोजन तथा रहने के स्थान की खोज में स्थान-स्थान पर घूमते थे। वे लोग जनवरों का शिकार करने, फाड़ने, लकड़ी काटने, जड़ों को खोदने के लिए

पत्थरों का प्रयोग करते थे। बहुत से औजार फ्रांस, इंग्लैंड, चीन, भारत और पाकिस्तान में प्राप्त हुए है, गंगा तथा पंजाब के मैदानी भागों को छोड़कर संपूर्ण भारत में इस प्रकार के औजार प्राप्त हुए हैं।

नव पाषाण काल में मानव ने शिकार तथा भोजन एकत्रित करने के साथ-साथ भोजन को उगाना भी सीख लिया था। बहुत लंबी समयावधि तक, लगभग ईसा से 10,000 वर्ष पूर्व मानव ने आदिमानव का जीवन बिताया। वह जंगली जानवरों का शिकार करने और जंगल द्वारा प्राप्त पदार्थो के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमता था। जिसका वह भोजन के रूप में प्रयोग कर सकें। परंतु लगभग ईसा से 10,000 वर्ष पूर्व उसने अपना भोजन स्वयं उगाना शुरू कर दिया था और एक स्थिर जीवन बिताना भी प्रारंभ कर दिया था। उसने उन जानवरों को पालना भी प्रारंभ कर दिया था जो उसे अधिक उपयोगी लगते थे। इस युग के प्रारंभ को नव पाषाण काल के नाम से जाना जाता है।

प्र.5 आदिमानव ने फसल उगाना तथा जानवरों को पालना कैसे प्रारंभ कर दिया था। आदिमानव द्वारा उगाई गई कुछ फसलों तथा जानवरों के नाम लिखिए।

उ. वह स्थान जहाँ पर भोजन योग्य पेड़-पौधे उगते हैं, बीज डंठल से बाहर कैसे आता है और जमीन पर गिरता है तथा उसमें से नया पौधा कैसे उत्पन्न होता है। शायद उन्होंने पौधों की देखभाल शुरू की, उन्हें पक्षियों और जानवरों से बचाया जिससे वे बीज प्राप्त कर नए पौधें उगा सकें। इस प्रकार मानव किसान बन गया।

सबसे पहले उन्होंने जगंली कुत्तों को पालना प्रारंभ किया। बाद में उन्होंने शांत प्रकृति के जानवरों को अपने पास रखकर पालना शुरूकिया। ये जानवर जैसे - भेड़, बकरी, घास खाने वाले जानवर तथा समूह में रहने वाले सुअर थे। इसके साथ-साथ अधिकतर जानवर वे थे जो अनाज खाते थे। अकसर लोग जानवरों की अन्य जंगली जानवरों से रक्षा भी करते थे। इस प्रकार वे लोग चरवाहे बन गए।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. *कुत्ता* शायद पहला जानवर था जिसे आदिमानव ने पालतू बनाया।
2. आदिमानव द्वारा खोजी तथा उपयोग की गई सर्वप्रथम धातु *तांबा* थी।
3. हम ताँबे तथा टिन को मिलाकर *काँसा* बनाते हैं।
4. मेहरगढ़ की एक घटना में मृतक के साथ *बकरियों* को दफना दिया गया।
5. आदिमानव *आग* की पूजा करता था।

प्र.घ सही जोड़ बनाइए :-

उ.

1.	मेहरगढ़	:	पाकिस्तान
2.	बुरजा होनू	:	कश्मीर
3.	पेयमपल्ली	:	आंध्र प्रदेश
4.	चिरांद	:	बिहार
5.	कोलधिवा	:	उत्तर प्रदेश

प्र.ड सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. मध्य पाषाण काल के औजार पुरा पाषाण काल के औजारों से बेहतर तथा सुंदर थे। (✓)
2. नव पाषाण काल में लोगों का मुख्य व्यवसाय शिकार करना तथा भोजन एकत्रित करना था। (✗)
3. मेहरगढ़ में पाए गए घरों में चार या चार से अधिक कमरे थे। (✗)
4. नव पाषाण काल का मानव सूत कात सकता था और कपड़ा बुन सकता था। (✓)
5. भारत के उत्तरी भाग में नव पाषाण काल के स्थान पाए गए हैं। (✓)

प्र.च सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. **1. ऐसा माना जाता है कि मानव की उत्पत्ति सर्वप्रथम हुई :-**

अ. यूरोप में ( ) ब. एशिया में ( )

स. अफ्रीका में (✓) द. आँस्ट्रेलिया में ( )

2. आदिमानव द्वारा बनाए गए अधिकतर चित्र के थे :-

अ. फूल ( ) ब. औजार ( )
स. बर्तन ( ) द. जानवर (✓)

3. मानव किसान तथा चरवाहा बन गया :-

अ. पुरा पाषाण काल में ( ) ब. मध्य पाषाण काल में ( )
स. नव पाषाण काल में (✓) द. उपर्युक्त में से कोई नहीं। ( )

4. मेहरगढ़ उपजाऊ मैदान के निकट स्थित है :-

अ. खैबर दर्रा ( ) ब. नाथुला दर्रा ( )
स. बोलन दर्रा (✓) द. उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

5. मानव ने व्यवस्थित जीवन व्यतीत करना प्रारंभ कर दिया था :-

अ. 5,000 ईसा पूर्व ( ) ब. 10,000 ईसा पूर्व (✓)
स. 2,000 ईसा पूर्व ( ) द. 200 ईसवीं ( )

3 सिंधु घाटी सभ्यता (नगरीय व्यवस्था का आरंभ)

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 हड़प्पा सभ्यता के दो मुख्य स्थान बताइए। वे कहाँ पर स्थित हैं?

उ. हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ों इस सभ्यता के दो मुख्य केंद्र हैं पाकिस्तान में तथा उत्तर भारत के उत्तर पश्चिमी भाग हड़प्पा सभ्यता के केंद्र थे।

प्र.2 इस सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता तथा सिंधु घाटी सभ्यता क्यों कहा जाता है?

उ. इस सम्यता का प्रथम स्थान पुरातत्ववेत्ताओं द्वारा हड़प्पा नामक स्थान (अब पाकिस्तान में) लगभग 80 वर्ष पूर्व खोजा गया। अतः इसे हड़प्पा सभ्यता कहा जाता है। इसे सिंधु घाटी सभ्यता भी कहते हैं क्योंकि इस सभ्यता के अधिकांश स्थान सिंधु नदी तथा सहायक नदियों की घाटी पर मिलते हैं।

प्र.3 हड़प्पा के लोग कौन-सी दो मुख्य फसलें उगाते थे?

उ. हड़प्पा के लोग गेहूँ, बाजरा, मटर, चावल, तिल, जौं, सरसों की फसलें उगाते थे।

प्र.4 हड़प्पा के लोगों के लिए मोहरों की क्या उपयोगिता थी।

उ. मोहरों का प्रयोग सामान से भरे थैलों या पैकट पर किया जाता था। जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जाता था।

प्र.5 हड़प्पा के किस स्थान को नगर-दुर्ग कहा जाता था? हड़प्पा और मोहनजोदड़ों के नगर-दुर्ग में कौन-सी इमारतें मिली हैं?

उ. उच्च भाग को नगर-दुर्ग कहा जाता था। ऊँचा भाग जो ऊँचा तथा छोटा था। हड़प्पा और मोहनजोदड़ों के नगर-दुर्ग में कुछ महत्वपूर्ण इमारतों में मोहन जोदड़ों के विशाल स्नानागार, सभा-भवन तथा अन्न-कोठार प्रसिद्ध थे।

प्र.6 हड़प्पा के लोग कौन-कौन सी धातु का प्रयोग करते थे?

उ. ताँबा, काँसा, चाँदी तथा सोना।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 पुरातत्ववेत्ताओं द्वारा खोजे गए हड़प्पा सभ्यता के मुख्य नगरों के विषय में विस्तारपूर्वक बताइए?

उ. आजकल पाकिस्तान में तथा भारत के उत्तर पश्चिमी भाग हड़प्पा सभ्यता के केंद्र थे। विद्वानों का मानना है कि हड़प्पा, घाघर और मोहनजोदड़ों नामक स्थान हड़प्पा सभ्यता के केंद्र थे। हड़प्पा सभ्यता की पूर्वी सीमा पर बारगाँव, मनपुर और आलमपुर (उत्तर प्रदेश) बसे हैं, उत्तर सीमा पर जम्मू में नंद तथा पंजाब के रूपड़ तथा राखनीगड़ी द्वारा प्रदर्शित होती है। कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थान हैं- राजस्थान में कालीबंगन, गुजरात में लोथल,

हरियाणा में बनवाली और मैथल तथा पाकिस्तान में सुतका-जन-दिर।

प्र.2 मोहनजोदड़ों में पाए गए विशाल स्नानागार के विषय में बताइए?

उ. मोहनजोदड़ों में एक बड़ा स्नानागर बना था। इसमें किनारे सीमेंट में ढकी ईंटों तथा तारकोल द्वारा बनाए गए थे। जिससे इसमें पानी रूक सके। नीचे उतरने के लिए इसमें दो तरफ से सीढ़ियाँ थीं और इसमें चारो ओर कमरे बनाये गए थे। पानी शायद कुएँ से लिया जाता था तथा प्रयोग करने के पश्चात नालियों द्वारा बाहर निकाल दिया जाता था।

प्र.3 हड़प्पा के लोगों के नगरों की सामान्य रचना तथा जल-निकास व्यवस्था पर प्रकाश डालिए?

उ. शहर दो या दो से अधिक भागों में विभाजित थे। पश्चिम दिशा का भाग अक्सर छोटा तथा ऊँचा होता था। पुरातत्ववेताओं ने इसे 'नगर-दुर्ग' कहा है। जहाँ पर शासक रहते थे। पूर्वी भाग अधिकतर बड़ें परंतु नीचे बने थे। इसे 'नीचा शहर' भी कहा जाता था। घर एक मंजिल या दो मंजिल के होते थे। बरामदे के चारों ओर कमरे बने होते थे। अधिकतर घरों में अलग स्नानगृह थे तथा कुछ में पानी की व्यवस्था के लिए कुएँ थे। अधिकतर शहरों में ढकी हुई नालियाँ थी। ये सीधी पंक्ति में बनाई गई थी। प्रत्येक नाली का ढलान उपयुक्त था जिनसे पानी स्वयं बाहर निकल जाए।

प्र.4 आप कैसे बता सकते हैं कि हड़प्पा के लोग कुशल कारीगर थे? अपने उत्तर को उदाहरण द्वारा समझाइए?

उ. हड़प्पा के लोग कुशल कारीगर थे। वे विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ अपने घरों तथा विशेष कारखानों में बनाते थे। कारीगरों के ताँबे, काँसे, चाँदी तथा सोने के आभूषण बनाए थे जिसे बहुमूल्य पत्थरों से सजाया गया था। हड़प्पा सभ्यता की सबसे प्रसिद्ध कलाकृति काँसे की नृत्यांगना है जो मोहनजोदड़ो से मिली है, उसने बहुत अधिक संख्या में चूड़ियाँ पहनी है। औजारों, हथियारों, आभूषणों तथा बर्तनों को बनाने के लिए काँसे तथा ताँबे का प्रयोग किया था। सोने तथा चाँदी का प्रयोग आभूषण तथा बर्तन बनाने के लिए होता था।

प्र.5 हड़प्पा सभ्यता के पतन के क्या कारण थे?

उ. हड़प्पा सभ्यता का पतन आर्यों के भारत में पर्दापण के साथ लगभग 1500 ई0 पू0 में हुआ। इसके पतन के कई कारण बताए है, नदी सूख गई थी तथा कुछ का विश्वास है कि पेड़-पौधों के समाप्त होने के कारण ईधन भी समाप्त हो गया। ईधन के समाप्त होने के कारण इन लोगों की ईंटों को पकाने में कठिनाई हो गई। इसके साथ ही पशुओं, भेड़-बकरी द्वारा सभी पौधे चर लिए गए। इससे कुछ इलाकों में बाढ़ का प्रकोप भी हुआ तथा शासक अपना नियंत्रण खो बैठे।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. हड़प्पा सभ्यता पुरातत्ववेताओं द्वारा लगभग *80* वर्ष पूर्व खोजी गई थी।
2. लोथल *साबरमती* और *गुजरात* की सहायक नदियों पर बसा था।
3. सिंधु घाटी के लोग *शिव* और *माता* देवियों की पूजा करते थे।
4. सिंधु घाटी तथा *सुमेर* को मध्य व्यापार सड़क मार्ग (बलूचिस्तान तथा पर्सिया) से होता था।
5. सिंधु घाटी सभ्यता का पतन लगभग *1500* ईसा पूर्व हुआ।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. हड़प्पा सभ्यता विकासशील नगरीय सभ्यता थी। (✓)
2. हड़प्पा के लोग पुनर्जन्म में विश्वास करते थे। (✓)
3. हड़प्पा की मोहरों पर लिखाई को विद्वानों द्वारा पढ़ लिया गया है। (✗)
4. पुरातत्ववेत्ताओं ने हड़प्पा में एक विशाल स्नानागार खोजा है। (✓)
5. हड़प्पा शहर का निचला भाग ऊँचे स्थान से छोटा था।(✗)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. इंजीनियर को हड़प्पा के अवशेष खुदाई में मिले :-

अ. उत्तर प्रदेश में ( ) ब. पंजाब में (✓)

स. कश्मीर में ( ) द. विहार में ( )

2. हड़प्पा किस नहीं के तट पर स्थित है :-

अ. यमुना ( ) ब. झेलम ( )

स. रावी (✓) द. गंगा ( )

3. हड़प्पा के लोग शायद ताँबा प्राप्त करते थे :-

अ. राजस्थान से (✓) ब. बिहार से ( )

स. पाकिस्तान से ( ) द. अफगानिस्तान से ( )

4. सिंधु घाटी की सभ्यता का पतन लगभग हुआ था :-

अ. 500 ईसा पूर्व ( ) ब. 1500 ईसा पूर्व (✓)

स. 2500 ईसा पूर्व ( ) द. 500 ईसवीं ( )

4 वैदिक काल में जीवन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 वैदिक युग किस युग को कहा जाता था? प्राचीन वैदिक काल तथा उत्तर वैदिक काल के मध्य अंतर को स्पष्ट कीजिए।

उ. 1500 ई0 पुर्व0 से लगभग 600 ई0 पू0 तक का समय वैदिक काल कहलाता है। वैदिक काल को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है। –प्राचीन वैदिक काल तथा उत्तर वैदिक काल। वैदिक संस्कृति के जन्मदाता आर्य थे। प्राचीन वैदिक समाज 'जाति समाज' था। आर्य लोग गांव में रहते थे जिन्हे कई परिवारों को मिलाकर बनाया जाता था।

उत्तर वैदिक काल :- यह काल लगभग 1,000 ईस पूर्व से 600 ईसा पूर्व तक था। इस काल तक कुछ आर्य सप्त सिंधु से लेकर गंगा की घाटियाँ तथा अन्य समीपवर्ती स्थानों तक पलायन कर चुके थे। इस काल में समाजिक आर्थिक, धार्मिक तथा राजनैतिक जीवन में बहुत से परिवर्तन आये।

प्र.2 आर्य भारत के विभिन्न भागों में कहाँ से आकर बसे थे तथा भारत में सर्वप्रथम वे किस स्थान पर आए थे?

उ. आर्य पश्चिमी एशिया से भारत के विभिन्न भागों में आकर बस गए। भारत में सर्वप्रथम वे सिंधु नदी पर आए थे।

प्र.3 प्राचीन वैदिक काल में कौन-से देवी-देवताओं की पूजा की जाती थी तथा प्रत्येक देवता किसके प्रतीक थे?

उ. प्राचीन वैदिक काल में अग्नि देवता, इंद्र देवता तथा सोम देवता की पूजा की जाती थी। अग्नि आग के देवता, इंद्र युद्ध के देवता तथा सोम एक पौधा था जिससे एक विशिष्ट पेय पदार्थ तैयार किया जाता था।

प्र.4 उत्तर वैदिक काल के साहित्यिक स्त्रोतों के नाम लिखिए?

उ. उत्तर वैदिक काल की जानकारी हमें सामवेद, यजुर्वद और अर्थववेद से प्राप्त होती है। इस काल की अन्य सूचनाएँ हमें उनके अनगिनत साहित्यों जैसे - ब्राह्मणों, उपनिषदों, पुराणों, महाभारत तथा रामायण द्वारा प्राप्त होती हैं।

प्र.5 उत्तर वैदिक काल में जीवन को किन चार आश्रमों में विभाजित किया गया था?

उ. उत्तर वैदिक काल में जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया गया था। पहला ब्रहमचर्य आश्रम, दूसरा गृहस्थाश्रम, तीसरा वानप्रस्थ तथा चौथा संन्यास या जन सेवा।

प्र.6 उत्तर वैदिक काल में राजा को अपनी प्रभुत्ता दर्शाने के लिए क्या करना पड़ता था?

उ. अपने को सर्वोत्तम घोषित करने के लिए राजा यज्ञ करता था। कुछ यज्ञ जैसे - राजसूर्य यज्ञ, अश्वमेघ यज्ञ और वाजोपय को बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाता था।

प्र.7 प्राचीन वैदिक काल में किन कारणों से युद्ध हुआ करते थे?

उ. प्राचीन वैदिक काल में पशुधन, भूमि, पानी को प्राप्त करने के कारणों से युद्ध हुआ करते थे।

प्र.8 वैदिक काल में दास तथा दासियों की दशा कैसी थी?

उ. दास लोग वे स्त्री पुरूष होते थे जिन्हें युद्ध में बंदी बनाया गया था। वे लोग अपने मालिक की संपत्ति माने जाते थे। वे लोग इनसे इच्छानुसार कार्य करवा सकते थे।

प्र.9 उत्तर वैदिक काल में लोगों के धार्मिक मंत्रों में क्या परिवर्तन हुए?

उ. उत्तर वैदिक काल में उन्होंने प्रजापति, रूद्र तथा विष्णु की पूजा करना प्रारंभ कर दिया था। प्राकृतिक देवता प्रतिष्ठा खोने लगे थे।

प्र.10 आप कैसे कह सकते हैं कि प्राचीन वैदिक काल के राजा भिन्न थे?

उ. इन राजाओं की न तो राजधानी होती थी और न ही महल, न तो सेना निश्चित होती थी तथा न ही वे कर वसूली करते थे।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 प्राचीन वैदिक काल के लोगों के सामाजिक जीवन को विस्तापूर्वक बताइए?

उ. प्राचीन वैदिक समाज जाति समाज था। आर्य लोग गाँव में रहते थे जिसे कई परिवारों को मिलाकर बनाया जाता था। परिवार का मुखिया गृहपति कहलाता था। उसका अपने परिवार के सदस्यों पर पूरा नियंत्रण रहता था। वह घर का सबसे बड़ा सदस्य होता था। संयुक्त परिवार की प्रथा थी। विवाह के उपरांत बेटे तथा पोते एक ही परिवार में रहते थे। स्त्रियों का स्थान सम्मानजनक था। उन्हें उच्च शिक्षा दी जाती थी। पर्दा प्रथा नहीं थी तथा बाल-विवाह को कोई नहीं जानता था। विधवाओं को पुनर्विवाह करने का अधिकार था। आर्य जाति को चार वर्णो या भागों में बाँटा गया था - ब्राह्मण, क्षत्रिय,, वैश्य और शूद्र। यह वर्गीकरण जन्म के अनुसार न होकर व्यवसाय के आधार पर किया जाता था।

इसके पश्चात् ये व्यवसाय पैत्रक व्यवसायों से जुड़े व्यक्तियों को 'जाति' के अनुसार पहचाना जाने लगा। लोगों के समूह तथा समाज को बताने के लिए दो शब्दों का प्रयोग किया जाता था 'जन' तथा 'विश'।

प्र.2 ऋग्वेद का निर्माण किस प्रकार तथा कब हुआ?

उ. ऋग्वेद प्रथम वेद था जिसकी रचना की गई थी। अतः ऋग्वेद के काल को प्राचीन वैदिक काल भी कहते हैं। ऋग्वेद में एक हजार से भी अधिक श्लोक हैं जिन्हें 'सूक्ति' या अमृतवाणी भी कहते हैं। ये श्लोक विभिन्न देवी-देवताओं की प्रशंसा में गाए गए हैं। ऋग्वेद प्राचीन या वैदिक संस्कृत में लिखा गया है। यह आजकल विद्यालयों की संस्कृत से थोड़ी भिन्न थी। ऋग्वेद को पढ़ने के बजाए गाकर सुनाया जाता था। इसे कई शताब्दियों के पश्चात् लिखा गया। इसे 200 वर्षो पूर्व लिखा गया।

प्र.3 प्राचीन आर्यो के राजनीतिक जीवन के विषय में बताइए?

उ. आर्य छोटी जातियों में विभाजित थे जो अक्सर आपस में लड़ा करते थे। प्रत्येक जाति का अपना शासक होता था जिसे 'राजा' कहा जाता था। वह अपने बल तथा बुद्धिमत्ता के कारण चुना जाता था। परंतु बाद में राजा अनुवांशिक होने लगे। परंतु फिर भी वहाँ चर्चित सभाएँ जैसे - 'सभा' तथा समिति होते थे जो शासक को मार्ग निर्देशन करते थे। आम सभा को समिति' कहा जाता था, जबकि यह सभा बड़े लोगों की बैठक होती थी। राजा की सहायता के लिए बहुत से मंत्री होते थे, जिनमें 'पुरोहित' तथा 'सेनानी' प्रमुख थे। पुरोहित धार्मिक मामलों में सलाहकार तथा 'सेनानी' राजा की सेना का सेनापति होता था।

प्र.4 उत्तर वैदिक काल में लोगों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में क्या परिवर्तन आए?

उ. वैदिक काल का जाति समाज विभिन्न राज्यों में परिवर्तित हो चुका था जिसे जनपद कहते थे। बाद में इनमें से कुछ जनपद अधिक महत्वपूर्ण बन गए और उन्होने अपना राज्य बढ़ाकर 'महाजनपद' बना लिया। इस काल में राजा अधिक शक्तिशाली हो गया था। पुजारियों या ब्राह्मणों की स्थिति बहुत महत्वपूर्ण थी। उत्तर वैदिक काल में गृहपति को सामाजिक सम्मान प्राप्त था। स्त्रियों को पुरूषों के अधीन या छोटे पद का समझा जाता था। उन्हें

किसी बड़ें कार्य के लिए निर्णय लेने का अधिकार नहीं था। इस काल में स्त्रियों की दशा में गिरावट आ गई। एक से अधिक पत्नियों को रखने की प्रथा उच्च वर्ग के लोगों में थी। कृषि लोगों का मुख्य व्यवसाय था। लोहे के ज्ञान के कारण धातु का तकनीकी विकास संभव हो सका।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. प्राचीन आर्य *पश्चिमी एशिया* के भागों में आकर बस गए।
2. प्राचीन वैदिक समाज *ऋग्वेद* समाज था।
3. परिवार *संयुक्त* परिवार थे तथा परिवार का मुखिया गृहपति कहलाता था।
4. साधारणतः प्रत्येक जाति का अपना शासक होता था, जिसे *राजा* कहते थे।
5. राजा के द्वारा किया गया सबसे बड़ा बलिदान *अश्वमेघ* था जिसके द्वारा वह अपनी प्रभुत्ता को दर्शाता था तथा अपनी इच्छानुसार स्थान पर शासन कर सकता था।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. प्राचीन वैदिककाल में राजा के पास एक निश्चित सेना थी। (✗)
2. काल के प्रारंभ में वर्ण जन्म के आधार पर विभाजित न होकर व्यवसाय के आधार पर बँटे थे। (✓)
3. उत्तर वैदिक काल में राजा अधिक शक्तिशाली हो गए थे। (✓)
4. प्राचीन वैदिक काल के बजाय उत्तर वैदिक काल में स्त्रियों की समाज में सम्मानजनक स्थिति थी। (✗)
5. प्राचीन वैदिक काल की सभ्यता ग्रामीण सभ्यता थी। (✗)
6. ऋग्वेद की रचना उसी संस्कृत में हुई है जिसको हम आजकल विद्यालयों में पड़ते हैं। (✓)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशाल लगाइए :-

उ. **1. सबसे प्राचीन वेद है :-**

अ. ऋग्वेद (✓) ब. सामवेद ( )
स. यजुर्वेद ( ) द. अथर्ववेद ( )

2. आर्य भारत के विभिन्न भागों में कहाँ से आए :-

अ. अफ्रीका ( ) ब. पूवी एशिया ( )
स. पश्चिमी एशिया (✓) द. मंगोलिया ( )

3. ऋग्वेद में बहुत सारी प्रार्थनाएँ हैं :-

अ. पशुओं के लिए ( ) ब. बेटों के लिए ( )
स. घोड़ों के लिए ( ) द. उपर्युक्त सभी के लिए (✓)

5 जनपद और महाजनपद

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप्त में लिखिए :-

प्र.1 महाजनपद तथा जनपदों के विषय में सूचना प्राप्त करने के लिए कौन-कौन से साहित्यिक स्त्रोत हैं?

उ. वैदिक तथा बौध प्रकरणों से उन्होंने बड़ें राज्य पर शासन करना प्रारंभ कर दिया। इससे हमें जनपद तथा महाजनपद के विषय मे सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं। ब्राह्मण तथा उपनिषद् भी अन्य स्त्रोत हैं।

प्र.2 कौन-सा महत्वपूर्ण महाजनपद राज्य तथा कौन-सा गणतंत्र (गण और संघ) था?

उ. मगध एक शक्तिशाली राज्य बन गया था। वज्जि तथा इसकी राजधानी वैशाली (बिहार) में अलग प्रकार की सरकार थी जिसे 'गण' या 'संघ' कहते थे।

प्र.3 नए राजा तथा महाराजा एक स्थायी सेना क्यों रखते थे?

उ. नए राजा तथा महाराजा एक स्थायी सेना आक्रमण से भयभीत होने के कारण रखते थे।

प्र.4 इन महाजनपदों के राजाओं की आय के मुख्य स्त्रोत क्या थे?

उ. इन महाजनपदों के राजा ने लोगों द्वारा दिए गए आकस्मिक उपहारों के स्थान पर किसानों, कारीगरों, व्यापारियों, शिकारियों तथा संग्रहकर्त्ताओं से कर संग्रह करना प्रारंभ कर दिया।

प्र.5 इस काल में कृषि में कौन-से दो मुख्य परिवर्तन हुए?

उ. इस काल में कृषि में दो मुख्य परिवर्तन हुए :-

क. लकड़ी के हल के स्थान पर लोहे के हल का प्रयोग।

ख. धान उगाना।

प्र.6 'गण' राज्यों से किस तरह भिन्न थे?

उ. राज्य में एक राजा होता है जिसके द्वारा शासन किया जाता है।

प्र.7 जैन धर्म के त्रिरत्न कौन-से हैं?

उ. जैन धर्म के त्रिरत्न हैं :-

क. सम्यक् आस्था, ख. सम्यक् ज्ञान, ग. सम्यक् आचरण।

प्र.8 बुद्ध धर्म के अष्टांग पथ कौन-से हैं?

उ. क. सम्यक् ज्ञान, ख. सम्यक् उद्देश्य, ग. सम्यक् भाषण, घ. सम्यक् कार्य, ड. सम्यक् जीवन, च. सम्यक् चेष्टा, छ. सम्यक् विचार, ज. सम्यक् समाधि।

प्र.9 बौद्ध धर्म के दो पथों महायान तथा हीनयान के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए?

उ. बौद्ध धर्म भी दो भागों में विभाजित हो गया। महायान (विशालयान पहिया) और हीनयान (लघुयान पहिया)। हीन्यान बौद्ध शिक्षा का अनुसरण कट्टरता से करते थे। महायान पंथ के अनुयायी गौतम बुद्ध की ईश्वर के रूप में उपासना करते थे।

प्र.10 भारत के अतिरिक्त और किन देशों में बौद्ध धर्म का विस्तार हुआ?

उ. यह दक्षिण पूर्वी, मध्य और पूर्वी एशिया, श्रीलंका, थाईलैण्ड, कंबोडिया, कोरिया, चीन और जापान में फैल गया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 महाजनपद के राजाओं के कर वसूली के मुख्य साधनों के विषय में विस्तारपूर्वक बताइए। उन्हें कर की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

उ. महाजनपद के राजाओं द्वारा बड़े-बड़ें किले बनवाने तथा स्थायी सेना रखने के लिए अधिक धन की आवश्यकता होती थी तथा उन्हें कर संग्रह करने के लिए भी कार्यकर्त्ताओं की आवश्यकता थी। अतः लोगों द्वारा दिए गए आक्समिक उपहारों के स्थान पर उन्होंने किसानों, कारीगरों, व्यापारियों, शिकारियों तथा संग्राहकर्त्ताओं से कर संग्रह करना प्रारंभ कर दिया। किसानों को अपने उत्पादन का 1/6 भाग कर के रूप में देना पड़ता था।

प्र.2 राजा अपने केंद्र राज्य के चारों ओर दुर्ग क्यों बनवाते थे?

उ. राजा अपने केंद्र राज्य के चारों ओर दुर्ग इसलिए बनाते थे क्योंकि लोग अपनी सुरक्षा चाहते थे तथा अन्य राजाओं के आक्रमण से भयभीत थे। शहर के चारों ओर भव्य और विशाल दीवारों को बनाने का कारण यह भी था कि कुछ राजा इससे अपनी समृद्धि तथा शक्ति को दर्शाना चाहते थे। ऐसा इसलिए भी था कि दुर्ग के अंतर्गत रहने वाले लोगों पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था।

प्र.3 मगध सबसे महत्वपूर्ण महाजनपद क्यों बन गया था?

उ. लगभग 200 वर्ष पूर्व मगध एक बहुत महत्वपूर्ण महाजनपद बन गया था। इसकी कई भौगोलिक विशेषताएँ थी :-

क. गंगा तथा सोन जैसी कई नदियाँ मगध से होकर बहती थीं। ये यातायात के लिए बहुत महत्वपूर्ण थीं तथा पानी की पूर्ति और सिंचाई भी यहीं से होती थी।

ख. मगध के कई भाग जंगल से घिरे थे। जंगलों से हाथियों को बंदी बनाकर लाया जाता था तथा सेना के लिए प्रशिक्षण दिया जाता था। जंगलों से घर बनानें, गाड़ी बनाने तथा रथ बनाने के लिए लकड़ी भी प्राप्त

होती थी।

ग. इसके अतिरिक्त वहीं पर लोहे की खान भी थी। जहाँ से लोहे को प्राप्त कर औजार तथा हथियार बनाए जाते थे।

प्र.4 वज्जि संघ के राजनीतिक प्रबंध का वर्णन कीजिए।

उ. वज्जि संघ में एक नहीं कई शासक थे। कभी-कभी हजारों लोग एक साथ शासन करते थे। प्रत्यके को 'राजा' कहा जाता था। ये राजा एक साथ धार्मिक कार्य किया करते थे। वे सभाएँ किया करते थे। जिसमें वे वाद-विवाद के द्वारा विचार किया करते थे कि कोई कार्य किस प्रकार तथा कब करना है। उदाहरण के लिए, यदि उन पर कोई आक्रमण करता था तो सभा करके समस्या का निदान सोचा करते थे।

प्र.5 जैन धर्म की मुख्य शिक्षा क्या थी?

उ. जैन धर्म को मानने वाले या अनुयायियों को कठोर अहिंसा का पालन करना चाहिए। जिसका अर्थ है किसी की हत्या न करना, किसी को चोट न पहुँचाना। महावीर ने बताया मनुष्य का मुख्य उद्देश्य जन्म और मृत्यु चक्र से मोक्ष या स्वतंत्र होना था। साधारण लोग उनके उपदेशों को समझ नहीं सकें क्योंकि वे प्राकृतिक भाषा का प्रयोग करते थे।

प्र.6 बौद्ध धर्म की मुख्य शिक्षा (उपदेशो) का वर्णन कीजिए।

उ. भगवान बुद्ध ने बताया कि हमारा जीवन कष्टो तथा दुःखों से भरा हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारी इच्छाएँ तथा तृष्णाएँ बलवान है जो अकसर पूरी नहीं हो पाती और यदि पूरी हो भी जाएँ तो भी संतुष्टि नहीं मिलती और हम अधिक की इच्छा करते हैं। भगवान बुद्ध ने इसे 'व्यास' या 'इच्छा' कहकर पुकारा।

उन्होंने लोगों को दयालु तथा दूसरे लोगों तथा जानवरों के जीवन का सम्मान करने को कहा। वे मानतें थे कि हमारे कार्य या कर्म चाहे अच्छे हों या बुरे हमारे इस जीवन तथा अगले जीवन को प्रभावित करते हैं।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. वज्जि की राजधानी *वैशाली* थी।
2. मगध की प्रथम राजधानी *राजगीर* थी।
3. सिद्धार्थ गौतम का जन्म *लुम्बीनी* में *कपिलावास्तु* के निकट हुआ था।
4. बौद्ध संघ के लिए बनाए गए नियम *विनयपिटक*में लिखे हैं।
5. वर्धमान महावीर *प्रसिद्ध* तीर्थकर थे।
6. वर्धमान महावीर *लिच्छविवश* के क्षत्रिय राजकुमार थे।
7. *किसान* को जैन धर्म का पालन करने में परेशानी होती थी क्योंकि अपनी फसल सुरक्षा के लिए उन्हें कीड़ों को मारना पड़ता था।
8. जैन धर्म को मुख्यतः *व्यापारी* के द्वारा सहायता प्राप्त होती थी।
9. भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश *सारनाथ* में दिया।

प्र.घ सही जोड़ बनाइए :-

उ.

1.	कोशल	:	उत्तर प्रदेश में ऊद्ध
2.	मगध	:	बिहार
3.	असमाक	:	महाराष्ट्र
4.	अवन्ति	:	मध्य प्रदेश
5.	गंधार	:	अफगानिस्तान
6.	कुरू	:	दिल्ली तथा मेरठ के आसपास

प्र.ड सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. सम्यक् ज्ञान की प्राप्ति के लिए महात्मा बुद्ध ने कठोर जीवनयापन किया। (✓)

2. सभी पुरूष और स्त्रियाँ बौद्ध संघ में शामिल हो सकती थीं। (✓)
3. बौद्ध तथा जैन भिक्षुओं द्वारा संस्कृत भाषा का प्रयोग किया गया। (✗)
4. भगवान बुद्ध का देहांत सारनाथ में हुआ। (✗)
5. गंगा तथा यमुना नदियाँ मगध में से होकर बहती हैं। (✗)
6. आदिनाथ (ऋषभ) जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर थे। (✓)

6 मौर्य साम्राज्य

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 चंद्रगुप्त ने भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे पहले और बड़े साम्राज्य को कैसे स्थापित किया?

उ. चाणक्य नाम के ब्राह्मण मंत्री ने चंद्रगुप्त को प्रशिक्षित किया जिसने नंद साम्राज्य का पतन किया और मौर्य साम्राज्य स्थापित किया। इससे मगध से नंद को और ग्रीक सैट्रेप्स को उत्तर पश्चिम से हटा दिया।

प्र.2 किन्हीं दो पुस्तकों और उनके लेखकों के नाम बताइए जिनसे हमें मौर्य साम्राज्य के बारे में जानकारी मिलती है?

उ. मेगस्थनीज मौर्य के दरबार में करीब छः साल रुका और अपने प्रभाव को उसने अपनी पुस्तक 'इडिका' में लिखा। कौटिल्य का अर्थशास्त्र भी हमें चंद्रगुप्त मौर्य के बारे में विस्तृत विवरण देता है।

प्र.3 अशोक को मौर्य साम्राज्य का सबसे प्रसिद्ध शासक क्यों कहा जाता है?

उ. अशोक मौर्य साम्राज्य का सबसे प्रसिद्ध शासक हुआ। उसका साम्राज्य बंगाल से हिंदूकुश तक सारे प्रदेश और पूरे अफगानिस्तान तक फैला। यह उत्तर में हिमालय से दक्षिण में पेनियार नदी तक फैला। लेकिन अशोक द्वारा कलिंग को जीतना उसके शासन की सबसे महत्वपूर्ण घटना थी।

प्र.4 सेल्युकस निकेटर ने मगध को क्यों मुक्त कराया? इसके क्या परिणाम हुआ?

उ. अलैक्जेंडर की मृत्यु के बाद, सेल्युकस निकेटर ने बेबीलोन का सिंहासन छीन लिया। उसने अलैक्जेंडर द्वारा जीते गए भारतीय प्रदेशों को फिर से प्राप्त करने की योजना बनाई, इसलिए उसने भारत पर आक्रमण किया। चंद्रगुप्त मौर्य ने उसको हरा दिया। सेल्युकस ने केवल समर्पण ही नहीं किया, बल्कि अपनी बेटी हेलन का विवाह चंद्रगुप्त से कर दिया।

प्र.5 मेगस्थनीज कौन था? वह किसके दरबार में रूका?

उ. सेल्युकस ने मेगस्थनीज नामक राजदूत को मौर्य के दरबार में भेजा। मेगस्थनीज वहाँ करीब छः साल तक रुका।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 वे कौन सी समस्याएँ थी जो अशोक धम्म के द्वारा समझाना चाहता था?

उ. अशोक का धम्म भगवान की पूजा करने और यज्ञ करने से संबद्ध नहीं था। उसने महसूस किया कि जिस तरह एक पिता को अपने बच्चों को ज्ञान देन की कोशिश करनी चाहिए, अपनी प्रजा को बताना उसका कर्तव्य है।

बहुत सारी समस्याओं ने उसे दुःखी किया। साम्राज्य को जनता विभिन्न धर्मों को मानती थी और इसमें कई बार विरोध भी हुआ। जानवरों की बलि दी गई। गुलामों और नौकरों से बुरा व्यवहार किया गया। परिवारों में और पड़ोसियों में झगड़े हुए। अशोक ने महसूस किया कि इन समस्याओं का सुलझाना उसका कर्तव्य है। इसलिए उसने कुछ अधिकारी नियुक्त किए जिनकों धम्म महात्मा कहा गया।

प्र.2 'धम्म' के संदेश को फैलाने के लिए अशोक ने किन साधनों को अपनाया?

उ. अशोक ने जिन अधिकारियों को 'धम्म महात्मा' के लिए नियुक्त किया वे जनता को 'धम्म' के बारे में बताने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर गए। इसके अतिरिक्त अशोक ने पत्थरों पर और स्तंभों पर संदेश लिखवाए। अशोक ने धम्म के विचारों को फैलाने के लिए दूतों को अन्य स्थानों; जैसे - सीरिया, ग्रीस और श्रीलंका में भेजा। उसने सड़के बनवाई, कुएँ खुदवाए और आरामघर बनवाए। इसके अतिरिक्त उसने मनुष्यों और जानवरों दोनों के लिए चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करवाई।

प्र.3 अशोक के 'धम्म' के सिद्धांतों के बारे में बताइए?

उ. 'धम्म' का मुख्य सिद्धांत था अहिंसा। अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया और बौद्ध धर्म को राज्य धर्म घोषित किया। उसने अहिंसा नीति पर जोर दिया। उसने स्तूप और विहार बनवाए। उसने बौद्ध धर्म को भारत के विभिन्न भागों तक पहुँचाया।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. *चंद्रगुप्त* मौर्य साम्राज्य का संस्थापक था।
2. मैगस्थनीज एक *बेबीलोन राज्य का* राजदूत था।
3. *चाणक्य* की सहायता और सलाह से चंद्रगुप्त मगध का सम्राट बना।
4. मौर्य वंश से पहले मगध पर *नंद* वंश का शासन था।
5. अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र और पुत्री को *श्रीलंका* भेजा।
6. अशोक ने जनता को अपने धम्म का ज्ञान देने के लिए *धम्म महात्मा* की नियुक्ति की।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. कलिंग युद्ध में अशोक की हार हुई (✗)
2. अशोक ने जैन धर्म अपनाया। (✗)
3. मौर्य साम्राज्य के पतन के कारणों में से एक अशाक की अहिंसा की नीति थी। (✓)
4. अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद कोई युद्ध नहीं लड़ा। (✓)
5. मगध की राजधानी उज्जैन थी। (✗)

7 दक्षिण भारत की राजधानियाँ (200 ई0पू0 से 300 ईसवीं)

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद महत्वपूर्ण राजवंशों के नाम बताइए जिन्होंने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपना शासन स्थापित किया।

उ. मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद इंडो ग्रीक, शाक, कुशान, शुंग, कनवा, सतवाहन, चोल, चेर और पांड्य आदि वंशों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपना शासन स्थापित किया।

प्र.2 सतवाहन ने किस क्षेत्र में अपना राज्य स्थापित किया। सतवाहन राज्य का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था?

उ. शक, जो पश्चिमी भारत के सारे हिस्सों पर शासन करते थे। भारत के हिस्सों पर शासन करता था। सतवाहन ने अपनी राजधानी प्रितिशथाना के साथ ढक्कन में अपना प्रभुत्व स्थापित किया। इस कुल में सबसे महान् शासक गौतमी पुत्र सतकरनि हुआ।

प्र.3 दक्षिण के तीन राज्यों के नाम बताइए जो उस समय उत्पन्न हुए?

उ. दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल क्षेत्र में तीन राज्य थे, चोल, पाड्या और चेर।

प्र.4 चोलो का सबसे महत्वपूर्ण केन्द्र कौन-सा था और क्यों?

उ. पुहार और कावेरी पट्टनम् चोल के प्रोताश्रय थे जो व्यापारिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण थे।

प्र.5 चेर ने किन क्षेत्रों पर शासन किया? ये दूसरे किस नाम से जाने जाते थे?

उ. चेर भी केरला पुत्र के नाम से जाने जाते थे। जिन्होंने तमिलनाडु और केरल के क्षेत्रों पर कब्जा कर रखा था।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद जो राज्य उत्पन्न हुए उनके बारे में संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उ. मौर्य साम्राज्य 2200 वर्ष पहले शक्तिहीन हो गया। इस समय इसके स्थान पर बहुतसे नए राज्य बने। उत्तर पश्चिम में और उत्तर भारत के हिस्सों में एक सौ वर्ष तक राजाओं ने शासन किया जो इंडो ग्रीक के नाम

से जाने जाते थे। वे मध्य एशिया के लोगों को अनुकरण करते थे जो शाक के नाम से जाने जाते थे। उन्होंने उत्तर पश्चिम, उत्तर और पश्चिमी भारत में अपना प्रभुत्व बनाया। इनमें से कुछ करीब 500 वर्ष में समाप्त हो गए। जब गुप्त राजाओं ने शाक को हरा दिया था तो फिर शाक कुशान का अनुकरण करने लगे।

उत्तर और मध्य भारत के हिस्सों में मौर्यों के सेनापति, जिसका नाम पुष्यमित्र शुंग था, ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया। 1700 वर्ष पूर्व गुप्त साम्राज्य के स्थापित होने तक शुंग दूसरे राजा जैसे कनवा और दूसरे परिवारों के शासको द्वारा नियंत्रित होते थे।

प्र.2 सतवाहन के बारे में आप क्या जानते हो?

उ. पुराण परंपरा के अनुसार सिमुख सतवाहन ने सतवाहन राजवंश की स्थापना की। इस कुल में सबसे महान् शासक गौतमी पुत्र सतकरनि हुआ। उसका साम्राज्य आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों और राजस्थान में था। सतवाहन राज्य उत्तर भारत और दक्षिण भारत के बीच एक संधि का काम करता था। सतवाहन शासक दक्षिण पथ (दक्षिण की ओर जाने वाला पथ) के भगवान कहलाए।

प्र.3 टिप्पणी लिखिए :- अ. चोल, ब. पांड्या, स. चेर।

उ. **अ. चोल :-** पेन्नर और वेल्लरु नदियों के बीच का क्षेत्र चोल का राज्य था। यह चोलामंडूलम् के नाम से प्रसिद्ध हुआ। चोल शासकों ने सिंचाई में सुधार किया और बहुत सी बेकार जमीन को खेती के उपयोग में लाए। यूरेयूर एक प्रसिद्ध सूती व्यापारिक शहर था। राजाराज और राजेन्द्र भी प्रसिद्ध चोल शासक थे। चोलों ने एक बहुत बड़े साम्राज्य श्रीलंका, जावा और सुमात्रा तक शासन किया।

ब. पांड्या :- सबसे पहले पांड्या मेगस्थनीज द्वारा ही संबोधित किया गया था। मेगस्थनीज के अनुसार पांड्य राज्य मोतियों के लिये प्रसिद्ध था। अशोक के लेखों से भी हमें पांड्या के बारे में जानकारी मिलती है।

स. चेर :- चेर भी केरला-पुत्र के नाम से जाने जाते थे जिन्होंने तमिलनाडु और केरल के क्षेत्रों पर कब्जा कर रखा था। राज्य की राजधानी वज्जि थी।

प्र.4 दक्षिण के राज्यों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उ. प्रधान नियमित कर इकट्ठा नहीं करते थे। इसके अतिरिक्त वे जनता से उपहारों की माँग करते थे और प्राप्त करते थे। वे एकान्त स्थान पर यात्रा करते थे और पड़ोसी क्षेत्रों से शुल्क लेते थे। वे धन का कुछ हिस्सा अपने पास रखते थे और बाकी बचा अपने मद्दगारों को देते थे। व्यापार और वाणिज्य महत्वपूर्ण कार्य कलाप थे। बौद्ध धर्म और जैन धर्म के अलावा भी दक्षिण के लोग वैदिक देवी और देवताओं की पूजा करते थे। अधिकतर लोग गाँवों में रहते थे और वे किसान थे।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. भारतीय यूनानी मध्य एशिया की जनता द्वारा नियंत्रित होते थे जिन्हें *शुक* के नाम से जाना जाता था।
2. *पुष्यमित्र शुंग* मौर्यों का सेनापति था। उसने उत्तर और मध्य भारत के हिस्सों में अपना राज्य स्थापित किया।
3. मदुराई *पांड्या* की राजधानी थी।
4. पुहार *चोल* राज्य का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र था।
5. मेगस्थनीज के अनुसार, पांड्या राज्य *मोतियो* के लिए प्रसिद्ध था।
6. गौतमी पुत्र *सतकरनि* सबसे प्रसिद्ध सतवाहन शासक था।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. दक्षिण राज्य के प्रमुख नियमित कर वसूलते थे। (✗)
2. शक ने सतवाहन से बहुत सारी लड़ाइयाँ लड़ी। (✗)
3. कारीकाला प्रसिद्ध पांड्या शासक था। (✗)
4. चेर की राजधानी मदुराई थी। (✗)
5. दक्षिण राज्यों के रोम और चीन से व्यापारिक संबंध थे। (✓)
6. दक्षिण राज्यों की जनता केवल बौद्ध धर्म और जैन धर्म का अनुसारण करती थी। (✗)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. सतवाहन राज्य स्थापित हुआ लगभग :-

अ.	1700 वर्ष पूर्व	( )	ब.	2100 वर्ष पूर्व	(✓)
स.	2500 वर्ष पूर्व	( )	द.	1500 वर्ष पूर्व	( )

2. सिंचाई नीति में विशेषकर सुधार किया :-

अ.	चेर ने	( )	ब.	चोल ने	(✓)
स.	पांड्या ने	( )	द.	सतवाहन ने	( )

3. चोलों ने एक बहुत बड़े साम्राज्य पर शासन किया जिसमें :-

अ.	श्री लंका	( )	ब.	जावा	( )
स.	सुमात्रा	( )	द.	उपर्युक्त सभी	(✓)

8 दूरस्थ राज्यों के विजेता

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य राजा से उसकी शक्ति कैसे छीनी?

उ. 187 ई0पू0 में सेना के प्रमुख पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ को मार दिया और स्वयं राजा बन गया।

प्र.2 भारतीय यूनान का सबसे शक्तिशाली राजा कौन था? उसने कहाँ शासन किया?

उ. भारतीय यूनान का सबसे शक्तिशाली राजा मेनंदर था। उसने अफगनिस्तान से मथुरा तक एक बहुत बड़े साम्राज्य पर शासन किया।

प्र.3 ज्योतिषी के क्षेत्र में भारतीय यूनानों का क्या योगदान था?

उ. भारतीय ज्योतिष यूनानी ज्योतिषियों के ज्ञान से तुलना करके अपने ज्योतिषी ज्ञान को बढ़ाते थे। भारतीय ज्योतिष भविष्य बता सकते थे और ग्रहों के अपने बढ़े हुए ज्ञान से जन्मपत्री बनाते थे।

प्र.4 शक कौन थे? भारत में उन्होंने कौन सा महत्वपूर्ण राज्य स्थापित किया?

उ. शक मध्य एशिया की एक भ्रमणकारी जाति थी जिसने दूसरी जाति यू-ची से अपना राज्य वापस लिया। शक बैक्ट्रीया पर यूनानी साम्राज्य को खत्म करने में सफल हुए थे। शक अपने आप को सैट्रेप्स कहलाते थे। उन्होंने बहुत से राज्य स्थापित किये। जिनमें से प्रमुख तक्षशिला, मथुरा, नासिक और उज्जैन थे।

प्र.5 कुशान कौन थे? उन्होंने भारत में राज्य कैसे स्थापित किया?

उ. कुशान एक भ्रमणकारी जाति थी जो महान यू-ची जाति की एक शाखा थी। उन्होंने चीन में अपना वास्तविक घर छोड़ दिया और अफगानिस्तान के यूनानी शासकों को हराया। उन्होंने शक को भी हराया और भारत के पूरे उत्तर-पश्चिमी हिस्से पर कब्जा कर लिया। उन्होंने अपना प्रभुत्व निचले इंदु क्षेत्र पर और गंगा क्षेत्र के बड़े हिस्सों पर स्थापित कर लिया। मथुरा उनके राज्य के दक्षिणी हिस्से में एक महत्त्वपूर्ण केंद्र था।

प्र.6 कुशान वंश का सबसे महान् शासक कौन था? अशोक और उसमें क्या समानता थी?

उ. कनिष्क सारे कुशान राजाओं में से महान् था। अशोक की तरह कनिष्क ने भी बौद्ध धर्म को अपनाया उसने भी अशोक की तरह तिब्बत, जापान और कोरिया जैसे दूसरे राज्यों में बौद्ध धर्म फैलाने के लिये कई उपाय किये। उसने बौद्धिक साधुओं के लिए मठ बनवाए।

प्र.7 अश्वघोष के कौन-से दो प्रसिद्ध साहित्यिक कार्य थे।

उ. अश्वघोष ने बुद्धचरित लिखा जिसमें भगवान बुद्ध की जीवनी है। पतंजलि का महाभाष्य संस्कृत पर एक महान् कार्य है।

प्र.8 सिल्क रूट किन जगहों से होकर गुजरता है? सिल्क रूट पर कुशानों के नियंत्रण से उन्हें क्या लाभ था?

उ. सिल्क रूट चीन से शुरू होता है और मध्य एशिया और अफगानिस्तान और पश्चिमी एशिया से होकर गुजरता है।

यह भाग कमाई का एक अच्छा साधन था क्योंकि जो व्यापारी इस रास्ते से गुजरते थे उन्हें कर देना पड़ता था।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिये :-

प्र.1 भारतीय समाज के विभिन्न पहलूओं पर भारतीय यूनानियों के प्रभावों का विवरण दीजिये।

उ. भारतीय यूनानी शासन ने कई प्रकार से भारतीय सभ्यता और समाज को प्रभावित किया :-

क. सिक्के :- भारतीयों ने उनसे सीखा कि राजाओं की उपाधि और नाम के साथ सिक्के कैसे बनाए जाते हैं। भारत में सोने के सिक्के जारी करने वाले वे सबसे पहले राजा थे।

ख. कला और मूर्ति बनाना :- गंधार कला नाम की कला का एक नया विद्यालय भारतीय कला पर यूनानी प्रभाव का ही परिणाम था।

ग. दवाइयाँ :- दवाइयों की यूनानी विधि उनके द्वारा ही आरंभ की गई। दवाई की यह विधि आज भी भारत में प्रयोग की जाती है।

घ. ज्योतिष विद्या :- भारतीय ज्योतिष यूनानी ज्योतिषियों के ज्ञान से तुलना करके अपने ज्योतिष ज्ञान को बढ़ाते थे।

प्र.2 भारत में शक के शासन के बारे में बताइये।

उ. शक मध्य एशिया की एक भ्रमणकारी जाति थी जिसने दूसरी जाति यू-ची से अपना राज्य वापस लिया। शक, बैक्ट्रीया पर यूनानी साम्राज्य को खत्म करने में सफल रहे थे। यह पश्चिमी भारत आए और सिंध और सौराष्ट्र पर आक्रमण किया। अंत में यह काठियावाड़ और मालवा में रहने लगे। शक अपने आप को सैट्रेप्स कहलाते थे। उन्होने बहुत से राज्य स्थापित किये जिनमें से प्रमुख तक्षशिला, मथुरा, नासिक और उज्जैन थे। भारत का अधिकारी कलैंडर जिसे शक कलैंडर के नाम से भी जाना जाता था, उज्जैन के शक ने ही शुरू किया था। यह ईसाइयों के काल से 78 वर्ष पीछे है।

प्र.3 कनिष्क को कुशान राजाओ का सबसे महान् शासक क्यों कहाँ जाता है। उसकी विशेष उपलब्धियाँ बताइए।

उ. कनिष्क सारे कुशान राजाओं में से महान् था। उसने कश्मीर को जीता, पंजाब और मथुरा को शक से छीन लिया और मगध के मध्य भाग पर कब्जा कर लिया। कनिष्क का साम्राज्य उत्तर में बोकारा से दक्षिण के उज्जैन तक और पश्चिम में अफगानिस्तान से पूरब में नारस तक फैला। यह एक महान् शासक था। उसने अपने साम्राज्य को कई सूबों में बाँटा, जिसके शासक उसके वफादार सेनापति थे जो सैट्रेप्स कहलाते थे। कनिष्क भी साहित्य का महान् संरक्षक था।

प्र.4 बौद्ध धर्म के महायान की दो समान विशेषताएँ क्या थी?

उ. बौद्ध धर्म का एक नया रूप सामने आया जिसे महायान बौद्ध धर्म कहा गया। इसके दो समान रूप थे। शुरू में बौद्ध की उपस्थिति निश्चित चिह्नों का प्रयोग करके मूर्तियों में दिखाई गई थी। दूसरा परिवर्तन बोधिसत्व में विश्वास करना था। यह उन लोगों के लिये था। जिन्होंने ज्ञान प्राप्त कर लिया था। जब ज्ञान प्राप्त कर लेते थे तब वे पूरी तरह से अलग होते थे और शांति में ध्यान लगाते थे।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	पुष्यमित्र	:	शुंग वंश
2.	मेनंदर	:	भातीय यूनानी शासक
3.	रूद्रदमन	:	शक शासक
4.	अश्वघोष	:	बुद्ध चरित
5.	चरक	:	एक महान् चिकित्सक
6.	पंतजति	:	महाभाष्य

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूति कीजिए :-

उ. 1. *बृहद्रथ* अंतिम मौर्य राजा था।

2. *गंधार* कला भारतीय कला पर यूनानी प्रभाव का परिणाम थी।
3. शाक शासक स्वयं को *सैट्रेप्स* कहलाते थे।
4. कनिष्क की राजधानी *पुरूषपुर या पेशावर* थी।
5. बौद्ध धर्म के *महायान* बोधिसत्व में विश्वास करते थे।
6. *कनिष्क* ने बौद्ध सभा गठित की जहाँ पर विद्वान् मिलते थे और विचार-विमर्श करते थे।

प्र.ड सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. प्राचीन मौर्य काल में संस्कृत साहित्य संरक्षित था (✗)
2. शुश्रुत एक जाना-माना ज्योतिषी था। (✗)
3. सिल्क रूट जापान से शुरू होता है। (✗)
4. बोधिसत्व उन लोगों के लिए था जिन्होंने ज्ञान प्राप्त कर लिया हो। (✓)
5. कनिष्क ने बड़े पैमाने पर सोने के सिक्के जारी किए।(✗)

प्र.च सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ.

1. यूनानी, जिन्होंने सबसे पहले भारत पर कब्जा किया, कहलाए :-

अ. भारतीय यूनानी (✓) ब. यूवान ( )
स. बैक्टीरियन यूनानी ( ) द. उपर्युक्त सभी ( )

2. शक एक भ्रमणकारी जाति थी :-

अ. पश्चिम एशिया की ( ) ब. पूर्वी एशिया की ( )
स. मध्य एशिया की (✓) द. अफ्रीका की ( )

3. सिल्क रूट नियंत्रित होता था :-

अ. शक ( ) ब. कुशान (✓)
स. अफगान ( ) द. यूनान ( )

9 गुप्त साम्राज्य

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 गुप्तवंश का पहला शासक कौन था जिसे महाराजाधिराज की उपाधि मिली? उसे यह उपाधि क्यों मिली?

उ. चंद्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश का पहला शासक था जिसे महाराजाधिराज की उपाधि मिली। जब तक वह सिंहासन पर बैठा तबउसका प्रभाव मगध तक सीमित था लेकिन उसने अपने राज्य की सीमाओं को फैलाया। इसी कारण उसे यह उपाधि मिली।

प्र.2 समुद्रगुप्त की उपलब्धियों के बारे में जानकारी मिलने के कौन-से मुख्य स्त्रोत थे?

उ. हमें समुद्रगुप्त के बारे में एक लंबे लेख से पता चलता है जो वास्तव में संस्कृत में एक कविता है जिसकी रचना कवि हरिषेण ने की थी।

प्र.3 कौन से राज्य समुद्रगुप्त के साम्राज्य के हिस्से बने?

उ. पड़ोसी राज्य; जैसे - आसाम, तटीय बंगाल, नेपाल और उत्तर पश्चिम में असंख्य गण संघ के शासकों ने उसके नियमों का पालन किया और उसके दरबार में शामिल हुए।

प्र.4 आप कैसे कह सकते हैं कि समुद्रगुप्त संगीत का प्रेमी था?

उ. समुद्र गुप्त संगीत का प्रेमी व महान् संगीतज्ञ था। उसके सिक्कों में से एक में वह वीणा बजाते हुए दर्शाया गया है।

प्र.5 समुद्रगुप्त का साम्राज्य कहाँ तक फैला था?

उ. समुगुप्त का साम्राज्य पूरब में हुगली के पश्चिम में चंबल तक तथा उत्तर में हिमालय से दक्षिण में नर्मदा तक फैला हुआ था।

प्र.6 कालिदास के तीन प्रमुख साहित्यिक कार्यों के नाम बताइए।

उ. अभिज्ञानशकुंतलम्, मेघदूत, रघुवंश और कुमार संभव कालिदास के प्रमुख कार्य हैं।

प्र.7 चंद्रगुप्त द्वितीय की मुख्य उपलब्धियाँ क्या थी?

उ. चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमात्यि के नाम से भी जाना जाता था। उसने शक राजा रुद्रसेन तृतीय को हराया और उसके राज्य पर कब्जा कर लिया जिससे पश्चिमी भारत से शक शासन का अन्त हुआ और गुप्त साम्राज्य में गुजरात कठियावाड़ और पश्चिम मालवा के क्षेत्र सम्मिलित हो गये।

प्र.8 फाह्यान कौन था? वह भारत क्यों आया? किसके शासन में वह भारत घूमा?

उ. फाह्यान एक चीनी यात्री था। वह चंद्रगुप्त द्वितीय के शासन के दौरान भातर घूमने आया।

प्र.9 गुप्त साम्राज्य के पतन के दो मुख्य कारण बताइए?

उ. क. स्कंदगुप्त के बाद गुप्त साम्राज्य के उत्तराधिकारी कमजोर शासक साबित हुये।

ख. हूणों के लगातार आक्रमण ने गुप्त साम्राज्य को कमजोर बना दिया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 प्राचीन भारतीय इतिहास में गुप्तकाल को गोल्डन एज क्यों कहाँ जाता है?

उ. मौर्य काल में ढक्कन में और उत्तरी भारत में दो बड़े राज्यों का विलय हुआ। वे उत्तर में कुशान और दक्कन में सतवाहन थे। 400 ईवसी शुरू होने से पहले उनके राज्यों की शक्तियों का ह्रास हो गया। इस स्थिति में गुप्त शासकों ने एक साम्राज्य को बनाना शुरू किया। गुप्त वंश को प्राचीन भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना माना गया है। गुप्त राजाओं के समय में भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति की जिसको गोल्डन एज कहा गया।

प्र.2 गुप्तकाल की शासन प्रणाली का विवरण दीजिए।

उ. साम्राज्य कई सूबों में बँट गया जो गर्वनर के आधीन थे और वे सभी प्रदेशों में से चुने गये सदस्यों से सलाह और निर्देश लेते थे। राजा ने युद्ध और शान्ति के दौरान राज्य की पद्धतियों को निश्चित किया। उसने युद्ध में अपनी सेना भेजी। वह शासन प्रणाली में केन्द्रीय व्यक्ति था। महान् न्यायिक शक्तियाँ राजा की तरह थी, वह महादंडनायक से निर्देश होता था। सूबों में उपारिका काम करते थे और प्रदेशों में विष्यपति काम करते थे। गाँवों का प्रधान ग्रामपति कहलाता था और गाँवो के बुजुर्ग छोटे मामलों का निपटारा करते थे।

प्र.3 गुप्त काल के बारे में फाह्यान के विवरण में से किसी एक के बारे में बताइए।

उ. फाह्यान के अनुसार, जनता धनी और सभ्य थी। वे अस्पताल और आरामघरों के लिये उदारतापूर्ण दान करते थे। वे ईमानदार थे और न्याय को मानते थे। चांडाल के अतिरिक्त सभी जातियों में एकता थी। चांडाल कस्बों के बाहर रहते थे और उनसे अछूत की तरह व्यवहार होता था।

महिलाओं का समाज में अच्छा स्तर था। वे पढ़ती थी। कुछ महिलाएँ गर्वनर के पद पर काम करती थीं और गाँव पंचायत की प्रधान थी। लड़कियों को स्वयंवर का अधिकार था। अनेक पत्नियों से विवाह करना और सती प्रथा चलन में थी।

प्र.4 गुप्त काल के व्यापार और वाणिज्य का वर्णन कीजिए?

उ. गुप्त काल के दौरान भीतरी व्यापार और वाणिज्य बहुत फला-फूला। अंतर्देशीय व्यापार, भूमि के रास्ते और पानी के रास्ते होता था। उज्जैन पाटलिपुत्र, बनारस, मथुरा, तमरालीपति आदि व्यापार के प्रमुख केन्द्र थे और बाजार सड़कों से जुड़े हुए थे। भारत का विदेशी व्यापार भी खूब चमका। व्यापारियों के कारवाँ भी मध्य एशिया और चीन से ही जाते थे। गुप्त शासकों ने प्रमाणित सोने, चाँदी के सिक्के चलाए जिससे व्यापार में सहायता मिली।

प्र.5 गुप्तकाल में शिल्पकाल और कला के क्षेत्र में क्या उन्नति हुई?

उ. गुप्तकाल में कला और शिल्पकला ने बहुत उन्नति की। सारनाथ और दूसरी जगह की असंख्य मूर्तियाँ और

प्रतिमाओं की खोज दर्शाती है कि बुद्ध के जीवन के नए विषयों से लिए गए वर्णित चित्रों के अतिरिक्त पौराणिक कथाओं से भी लिए गए थे। इस काल के दौरान शिकारा चिह्न से असंख्य मंदिर बनवाए गए।

देवगढ़ (ललितपुर प्रदेश) का पत्थर मंदिर और भीतरीगाँव (कानपुर प्रदेश) का ईंटों का मंदिर दो अच्छे नमूने हैं। अजंता गुफाओं की चित्रकारी गुप्त काल की चित्रकारी का कला वर्णन कहती है। ये गुफाएँ कठोर पत्थरों को काटकर बनाई गई हैं और शिल्पकला के क्षेत्र में गुप्त की उन्नति का वर्णन करती हैं अजंता गुफाओं की दीवारें सुंदर फ्रेस्को चित्रकारी से ढकी हुई हैं, जो प्राकृतिक और अद्‌भुत जीवन के बारे में दर्शाती हैं। भगवान, मानव और जानवरों को धरती के रंगों से चित्रित किया है जिसका दर्शकों पर अलग ही प्रभाव पड़ता है।

प्र.6 गुप्त काल में साहित्य के क्षेत्र में क्या उन्नति हुई?

उ. यह काल साहित्य में उन्नति के लिये प्रसिद्ध है। एक बार फिर संस्कृत प्रसिद्ध हो गई। गुप्त ने इसे अपनी दरबारी भाषा बनाया। कुछ प्रसिद्ध विद्वानों के आश्चर्यजनक साहित्य में काम किए। कालिदास के सबसे महत्वपूर्ण कार्य; जैसे - अभिज्ञानशकुंतलम्, मेघदूत, रघुवंश और कुमार संभव को इस काल में रचना की गई। पंचतंत्र कहानियों का एक अनूठा संग्रह है जो इस काल के दौरान लिखा गया है।

प्र.7 गुप्तकाल में खगोल गणित और विज्ञान के क्षेत्र में क्या उन्नति हुई?

उ. इस काल में खगोल विद्या, गणित और ज्योतिष के क्षेत्रों में महान् उन्नति की। आर्य भट्ट इस काल के मान् खगोल शास्त्री और गणितज्ञ थे। जिसने यह खोज की कि पृथ्वी अपनी धुरी पर और सूर्य के चारों ओर घूमती है। उन्होंने सूर्य ग्रहण और चन्द्रग्रहण के बारे में विस्तृत में लिखा। गुप्तवंश काल में भारतीयों ने शून्य की भी खोज की। गणित का भारतीय तरीका और स्थानीय मान प्रणाली को अरबों द्वारा अपनाया गया और उन्होंने इसे संसार के दूसरे भागों में भी फैलाया।

प्र.8 समुंद्रगुप्त की विशेषताओं और उपलब्धियों का विवरण दीजिये।

उ. समुंद्रगुप्त ने आर्यवृत्त के नौ शासकों को जड़ से उखाड़ दिया और उनके राज्यों को अपने साम्राज्य का हिस्सा बनाया। पड़ोसी राज्य; जैसे - आसाम, तटीय बंगाल, नेपाल और उत्तर पश्चिम में असंख्य गण संघ के शासक उपहार लाये, उसके नियमों का पालन कियाऔर उसके दरबार में शामिल हुए। समुद्रगुप्त का साम्राज्य पूरब में हुगली से पश्चिम में चंबल तक और उत्तर में हिमालय से दक्षिण में नर्मदा तक फैला हुआ था। वह भारतीय नेपोलियन के नाम से जाना जाता है। एक महान् योद्धा और एक विजेता होने के साथ-साथ समुद्रगुप्त कला और साहित्य का भी उतना ही प्रेमी था। वह महान् विद्वान् और कवि था।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. समुद्रगुप्त की प्रशस्ति *इलाहाबाद* के अशोक स्तंभ पर खुदी हुई थी। इसकी रचना उसके दरबारी कवि *हरिषेण* ने की।
2. *दक्षिण पंथ* के *बारह* शासकों ने समुद्रगुप्त के सामने आत्मसमर्पण किया लेकिन उसने उन्हें दोबारा शासन करने की अनुमति दी।
3. *चंद्रगुप्त* को विमादित्य भी कहा जाता है।
4. कुमारगुप्त के शासन में *हूण* ने भारत पर आमण किया।
5. चंद्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में एक चीनी यात्री *फाह्यान* भारत घूमने आया।
6. मुद्राराक्षस के लेखक *विशाखादत्त* थे।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. चंद्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश का संस्थापक था। (✓)
2. गुप्त राजाओं के शासन में जनता दुःखी थी। (✗)
3. चंद्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश का पहला शासक था जिसे महाराजाधिराज की उपाधि मिली। (✓)
4. गुप्तकाल में संस्कृत अधिकारी भाषा बनी। (✓)
5. गुप्तकाल में भूमि कर निश्चित था जैसे कुल उत्पादन का 1/6 हिस्सा। (✗)

10 छोटे राज्यों का उदय

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिये :-

प्र.1 अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के बाद हर्षवर्धन ने पहला कार्य क्या किया और क्यों?

उ. हर्ष वर्धन ने पहला कार्य जो पूरा किया वह था कन्नौज की तरफ जाना। जहाँ सबसे पहले उसने अपनी बहन राजश्री को बचाया और इसके बाद कन्नौज और थानेसार के राज्यों को एक किया।

प्र.2 हर्ष के साम्राज्य का विस्तार कहाँ तक था?

उ. हर्ष का साम्राज्य उत्तर में हिमालय से दक्षिण में विंध्या तक और पश्चिम में पंजाव से बंगाल तक और पूरब में आसाम तक फैला था।

प्र.3 हर्ष वर्धन के शासन के बारे में जानने के मुख्य स्त्रोत क्या हैं?

उ. पश्चिमी संसार के लेख जो हर्ष और उसके समय की जानकारी से संबंधित महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं।

प्र.4 हर्ष वर्धन नर्मदा नदी तक अपने साम्राज्य का विस्तार क्यों नहीं कर सका?

उ. हर्ष अपने साम्राज्य को नर्मदा तक नहीं फैला सका क्योकि दक्कन की तरफ बढ़ते हुए उसे पुलकेशिन द्वितीय ने रोक दिया जो शक्तिशाली चौलक्य राजा था।

प्र.5 चालुक्य शासन कहाँ था?

उ. दक्कन के भागों पर चालुक्यों ने शासन किया।

प्र.6 पल्लव का शासन कहाँ था?

उ. पल्लव का राज्य उनकी राजधानी कांचीपुरम के चारों ओर के क्षेत्र से कावेरी डेल्टा तक फैला हुआ था।

प्र.7 पारसी भारत में कौन-सा धर्म लाए? उनकी प्रसिद्ध धार्मिक पुस्तक कौन-सी थी?

उ. पारसी भारत में एक नया धर्म जोरेस्टरियन लाए। उनकी पवित्र पुस्तक जेंदावेस्ता कहलाती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 हर्ष वर्धन एक विशाल साम्राज्य स्थापित करने में कैसे सफल हुआ? वह दक्षिण की ओर अपने साम्राज्य का विस्तार क्यों नहीं कर सका?

उ. अपनी स्थिति को ताकतवर करने के बाद हर्ष ने सबसे पहले बंगाल के शासक शाशांक को हराया और उससे अपने भाई और जीजा की मौत का बदला लिया। हर्ष ने अपने शासन के छह वर्ष पड़ौसी राज्यों को जीतने में लगा दिए। वह उत्तरी भारत के बहुत बड़े भाग पर अपने राज्य को स्थापित करने में सफल हुआ। उसने पंजाब, कन्नौज, बंगाल, बिहार और उड़िसा में सफल लड़ाइयाँ लड़ीं। साम्राज्य उत्तर में हिमालय से दक्षिण में विंध्या तक और पश्चिम में पंजाब से बंगाल तक और पूरब में आसाम तक फैला। वह अपने साम्राज्य को नर्मदा तक नहीं फैला सका क्योंकि दक्कन की तरफ बढ़ते हुए उसे पुलकेशिन द्वितीय ने रोक दिया जो शक्तिशाली चौलक्य राजा था।

प्र.2 हर्ष की शासन प्रणाली का वर्णन कीजिए।

उ. हर्ष की शासन प्रणाली में राजा को बहुत महत्वपूर्ण जगह मिली हुई थी। वह अपने साम्राज्य को राजकुमारों, मंत्रियों और अधिकारियों की सलाह और निर्देश से चलाता था। उसका साम्राज्य सूबों में बँटा हुआ था जिन्हें देश कहते थे। प्रत्येक देश एक अधिकारी के अधीन होता था जिसे कुमारमत्य कहते थे। सूबे आगे जिलों में बँटें हुए थे जिन्हें प्रदेश कहते थे और प्रत्येक प्रदेश एक अधिकारी के अधीन होता था जिन्हें आयुक्त कहते थे।

हर्ष वेश बदलकर अपने साम्राज्य के विभिन्न भागों में लगातार घूमता था। वह हमेशा अपनी प्रजा की भलाई के बारे में चिंतित रहता था। हर्ष का दंड विधान गुप्त की अपेक्षा अधिक कठोर था। कुछ अपराधों के लिये कठोर दंड; जैसे - अंग, नाक या कान काटने के निर्देश देता था। कुछ अपराधों के लिये मृत्युदंड़ भी दिया जाता था। आय का मुख्य स्त्रोत भूमि कर या आय का एक चौथाई भाग सरकार पर एवं चौथाई भाग जन-कल्याण पर, एक चौथाई भाग विद्वानों को इनामों पर और एक चौथाई भाग पवित्र लोगों की सहायता पर खर्च होता था।

प्र.3 हर्ष की धार्मिक नीति के बारे में बताइए।

उ. अशोक और कनिष्क की तरह हर्ष भी बौद्ध धर्म का अनुयायी था। शुरू में वो भगवान 'शिव' और 'सूर्य' देवता का उपासक था लेकिन बाद में वह बौद्ध धर्म की ओर मुड़ गया।

हर्ष पहले दिन बुद्ध की, दूसरे दिन सूर्य की और तीसरे दिन भगवान शिव की पूजा करता था।

प्र.4 नालंदा विश्वविद्धालय पर एक टिप्पणी लिखिए।

उ. बिहार में नालंदा विश्वविद्धालय हर्ष के समय में एक प्रसिद्ध और जाना माना विश्वविद्धालय था। संसार के विभिन्न भागों से छात्र यहाँ शिक्षा प्राप्त करते थे और करीब 1500 शिक्षक शिक्षा प्रदान करते थें। प्रवेश के नियम बहुत कठोर थे। छात्रों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता था। भोजन और रहने के स्थान का कोई शुल्क नहीं देना होता था। ब्राह्मण और बौद्ध साहित्य के अतिरिक्त विश्वविद्धालय में व्याकरण, तर्कशास्त्र, दर्शनशास्त्र, औषधिशास्त्र, खगोलशास्त्र और अध्यात्म पढ़ाया जाता था। शिक्षा का माध्यम संस्कृत था।

प्र.5 तुम कैसे कह सकते हो कि चालुक्य और पल्लव महान् निर्माणर्त्ता थे?

उ. चालुक्य ने भगवान शिव और विष्णु के सम्मान में बहुत से मंदिर बनवाएँ। भारत के विभिन्न भागों में एक ही गुफा को काट कर बनाए बहुत सारे गुफा मंदिर पाये जाते हैं। विष्णु का गुफा मंदिर वत्तपी और बादामी में पाया जाता है। अजंता गुफाओं में एक चित्रकारी पुलकेशिन द्वितीय को ईरान के दूत का स्वागत हुये दर्शाती है।

पल्लव का प्रसिद्ध शासक महेन्द्र वर्मन एक महान् निर्माणकर्ता था। उसने भगवान शिव, विष्णु और ब्रहम् के सम्मान में विभिन्न जगाहों पर पहाड़ी काटकर असंख्य मंदिर बनवाए। सिंचाई के लिये उसने असंख्य टैंक और जलाशय बनवाए। नरसिम्हा वर्मन भी अपने पिता की तरह एक महान् निर्माणकर्ता था। उसने महाबलिपुरम् के कस्बे की स्थापना की। उसने राठा मंदिर बनवाया। ये सारे मंदिर अकेले पहाड़ में से काट कर बनाए गये हैं। महाबलिपुरम का शोर मंदिर एक मिसाल है। पल्लवों ने काँचीपुरम् का कैलाशनाथ मंदिर भी बनवाया।

प्र.6 चालुक्य के शासन काल के बारे में बताइए?

उ. अठाहरवीं शताब्दी के मध्य तक दक्कन के भागों पर चालुक्यों ने शासन किया। उन्होंने वत्तपी और आधुनिक बादामी को अपनी राजधानी बनाया। यह आधुनिक कर्नाटक की बीजापुर जिले में है। चालुक्य का राज्य कृष्ण और तुंगभद्रा के बीच में रायचूर दोआब के चारों ओर केंद्रित था। चालुक्य को भी कई दुश्मनों का सामना करना पड़ा। पुलकेशिन द्वितीय ने पल्लव राजा महेन्द्र वर्मन को भी हराया।

प्र.7 चालुक्य का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था और क्यों?

उ. पुलकेशिन द्वितीय चालुक्य का सबसे प्रसिद्ध शासक था। यह राजा हर्ष के समकालिक था। पुलकेशिन द्वितीय ने पल्लव राजा महेन्द्र वर्मन को भी हराया। रविकीर्ति के अनुसार उसने पश्चिमी और पूर्वी दोनों तटों तक साहसिक यात्रा की।

प्र.8 पल्लव का महान् शासक कौन था? उसकी मुख्य उपलब्धियाँ बताइए।

उ. महेंद्र वर्मन पल्लव का एक प्रसिद्ध शासक था जिसने 600-625 ईसवी तक शासन किया। एक विजेता होने के अतिरिक्त वह कला और साहित्य का प्रेमी था। महेन्द्र वर्मन एक कलाकार, संगीतज्ञ और एक कवि था। वह एक महान् निर्माणकर्ता भी था।

प्र.9 दक्षिणी रज्यों की सभाओं के बारे में लिखिए।

उ. पल्लवों के लेखों में असंख्य सभाओं का जिक्र मिलता है। इनमें सभाए भी हैं। जो ब्राह्मण भूमि मालिकों की एक सभा थी। वह सभा उप समिति के द्वारा कार्य करती थी जो सिंचाई, खेती सम्बन्धित कार्य, सड़क निर्माण और मंदिरों आदि की देखभाल करती थी। उर नामक गाँव की सभा उन हिस्सों में पाई जाती थीं जहाँ की भूमि के मालिक ब्राह्मण नहीं थे और नगरम् व्यापारियों का एक संगठन था। यह उसी तरह था जैसे कि ये सभाएँ अमीर, शक्तिशाली भूमि मालिकों और व्यापारियों के अधीन होती थीं।

प्र.ग रिक्त स्थनों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. *बाणभट्ट* ने हर्ष चरित लिखी।

2. हर्षवर्धन ने अपनी राजधानी थानेसार से बदलकर *कन्नौज* कर दी।

3. एक चीनी यात्री *ह्वेनसांग* हर्षवर्धन के दरबार में आया।
4. *हर्षवर्धन* ने रत्नावली और प्रियदर्शिका लिखी।
5. चालुक्य आधुनिक *बादामी* और *वत्तपी* को अपनी राजधानी बनाया।
6. *पुलकेशित द्वितीय* ने हर्षवर्धन को हराया।
7. *नरसिम्हा वर्मन* ने चालुक्य को बहुत बुरी तरह हराया और पुलकेशिन द्वितीय को मार डाला।
8. चालुक्य वंश का अंतिम राजा *कीर्तिवर्मन* था।
9. हम पुलकेशि द्वितीय के बारे में उसके दरबारी कवि *रविकीर्ति* द्वारा रचित प्रशासित से जानते हैं।
10. पल्लवों की राजधानी *काँचीपुरम* थी।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) और गलत वाक्य पर (✗) का निशाल लगाइए :-

उ.
1. नरसिम्हा वर्मन चालुक्य का सबसे प्रसिद्ध राजा था। (✗)
2. हर्षवर्धन के शासनकाल में थानेसार ही उसकी राजधान रही। (✗)
3. नालंदा विश्वविद्यालय में करीब दस हजार छात्र पढ़ते हैं। (✓)
4. नालंदा विश्वविद्यालय मेंपढ़ने वाले छात्रों को काफी शुल्क देना होता था। (✗)
5. चालुक्य की राजधानी, वत्तपी वर्तमान में आंध्र प्रदेश राज्य में है। (✗)
6. पुलकेशिन प्रथम को पृथ्वी वल्लभ की उपाधि मिली। (✓)
7. रविकीर्ति महेंद्र वर्मन का दरबारी कवि था। (✗)
8. अजंता की एक चित्रकारी पुलकेशिन द्वितीय को ईरान के दूत का स्वागत करते हुए दर्शाती है। (✓)

प्र.ड सही विकल्प पर (च) का निशान लगाइए :-

उ.

1. हर्षवर्धन गद्दी पर बैठा :-

अ. 706 ईसवीं में ( ) ब. 606 ईसवीं में (✓)
स. 612 ईसवीं में ( ) द. इनमें से कोई नहीं ( )

2. ह्वेनसांग स्वयं विश्वविद्यालय में रहा और पढ़ाया :-

अ. तक्षशिला ( ) ब. उज्जैन ( )
स. नालंदा (✓) द. गया ( )

3. महाबलिपुरम् का कस्बा स्थापित किया गया :-

अ. नरसिम्हा वर्मन द्वारा (✓) ब. महेंद्र वर्मन द्वारा ( )
स. पुलकेशिन द्वारा ( ) द. इनमें से कोई नहीं ( )

11 प्राचीन भारत के दूरस्थ राज्यों से संबंध

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 आप कैसे कह सकते हैं कि हिन्दु धर्म बाली द्वीप तक फैला?

उ. बाली द्वीप समूह में मंदिरों में हिन्दु धार्मिक पुस्तकों के बहुत से लेख मिलते हैं। जावा में रामायण अभी तक सबसे प्रसिद्ध महाकाव्य है।

प्र.2 जावा में किसकी मूर्तियाँ पाई जाती हैं? जावा के सबसे प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर का नाम बताइए।

उ. शिव, विष्णु और ब्रह्मा की मूर्तिया जावा में पाई जाती हैं। जावा में स्थित बोरोबदूर बौद्ध मंदिर एक प्रसिद्ध स्मारक है।

प्र.3 अंकोरवाट मंदिर कहाँ है। यह किस भगवान को समर्पित है।

उ. कंबोडिया (कंबौज) में अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है।

प्र.4 हिन्दु राज्य कब तथ किस देश में स्थापित हुआ?

उ. चंपा में, जो अब वियतनाम के नाम से जानाजाता है, दूसरी शताब्दी में हिन्दु राज्य स्थापित हुआ था।

प्र.5 ऐसी दो प्रमुख विशेषताएँ जो प्राचीन भारत और अफगानिस्तान के बीच सम्बन्ध को दर्शाती है?

उ. भारत और मध्य एशिया के बीच उत्पत्ति और व्यापारिक संबंध थे। अफगानिस्तान भी भारतकी तरह बौद्ध धर्म का और गंधार कला का केन्द्र बना।

प्र.6 प्राचीन समय में भारतीयों ने चीनी लोगों से कौन-सी दो प्रमुख कलाएँ सीखी।

उ. प्राचीन समय में भारतीयों ने कागज और रेशम बनाने की कला चीनी लोगों से सीखी।

प्र.7 हड़प्पा और मेसोपोटामिया व्यापारियों के बीच कौन सी वस्तुओं का आदान-प्रदान होता था?

उ. हड़प्पा व्यापारी बर्तन, दाल, मसालें, पत्थर के मोती और सफेद मोती आदि ले जाते थे और धातु की वस्तुएँ वापसी में ले जाते थे। बाद में भारतीय वस्तुएँ जैसे आभूषण, मसाले, इत्र घुमावदार लकड़ी और हाथी दाँत आदि को यूनान और रोम ले जाते थे।

प्र.8 रोमन सम्राट भारत के जंगली जानवर क्यों खरीदते थे?

उ. रोमन सम्राट शेर, चीते, हाथी और भैंस जैसे जंगली पशु ले जाते थे जो यह दर्शाता है कि यह उनके मनोंरजन का एक साधन था।

प्र.9 भारतीय सभ्यता पर अरब व्यापारियों का क्या प्रभाव पड़?

उ. सातवीं और आठवीं शताब्दी में अरब ने अपना इस्लाम साम्राज्य बनाया। जैसे कि समुद्री और भूमि के रास्ते उनके अपने आधीन थे इसलिये वे यूरोप और भारत के बीच एक कड़ी हुए। व्यापारिक संबंधों के अतिरिक्त अरब ने दूसरे देशों में भारतीय विज्ञान, खगोल शास्त्र, औषधि निर्माण और गणित की विधि को सीखा और फैलाया। इसके साथ भारत के दर्शन और साहित्यिक कार्यों का अरबी और फारसी में अनुवाद किया गया। इस्लाम के प्रचार के साथ, अरब और भारत के बीच सम्बन्ध बढ़े।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भारत के दक्षिणी-पूर्वी एशिया से क्या-क्या संपर्क थे?

उ. दक्षिण-पूर्वी एशिया के बहुत से देश भारतीय सभ्यता से प्रभावित हुए जिस कारण ये देश ग्रेटर इंडिया कहलाया। कई वर्षों तक इन देशों में संस्कृत और पालि मुख्य भाषा बनी रही। चंपा में, जो अब वियतनाम के नाम से जाना जाता है, दूसरी शताब्दी में हिन्दू राज्य स्थापित हुआ था। ब्रह्म देश में जो अब म्यांमार के नाम से जाना जाता है आंध्र प्रदेश से सबसे पहला बसने वाला था।

प्र.2 भारत के मध्य और सुदूर पूर्वी एशिया देशों से संपर्क के बारे में लिखिए।

उ. भारत और मध्य एशिया के बीच उत्पत्ति और व्यापारिक सम्बन्ध थे। इस क्षेत्र में बौद्ध धर्म बहुत प्रसिद्ध हुआ और चीन व दूसरे पूर्वी एशिया देशों में भी फैला। भारतीय व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं ने अपना रास्ता तिब्बत में और उससे आगे कोरिया और जापान में पाया। चीन और पश्चिम एशिया के बीच व्यापारिक रास्ता मध्य एशिया से होकर गुजरता था।

प्र.3 भारत के पश्चिम से संपर्क का वर्णन कीजिये।

उ. प्राचीन समय से ही भारत के संबंध पश्चिम से विशेषकर मेसोपोटामिया, रोम और अरब के देशों से व्यापारिक और सभ्यता के रहे हैं। यहाँ तक कि हड़प्पा सभ्यता के काल में खगोलविदों को अवशेष मिले हैं जिससे पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता और मेसोपोटामिया के बीच सीधे व्यापारिक संबंध थे। भारतीयों ने यूनान और रोमन से सोने के सिक्के की ढलाई की कला सीखी।

प्र.ग सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	बनियान (बुद्ध प्रतिमा)	:	अफगानिस्तान
2.	अंकोरवाट मंदिर	:	कंबोडिया
3.	बोरोबोदूर मंदिर	:	जावा

4. आनंद मंदिर : म्यांमार

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. संगम साहित्य में रोमानवासियों को *यवन* कहा गया है।
2. अफगानिस्तान *गंधार* कला का केंद्र बना।
3. *रामायण* जावा का आज भी सबसे प्रसिद्ध महाकाव्य है।
4. म्यांमार में सबसे पहले बसने वाले *आंध्र प्रदेश* से थे।
5. *अरिकामेडू* (तमिलनाडु) एक रोमन व्यवस्था थी।
6. भरतीयों ने *साने के सिक्के* गढ़ने की कला यूनानी और रोमन से सीखी।
7. अंकोरवाट मंदिर भगवान *विष्णु* को समर्पित है।
8. वियतनाम का पुराना नाम *चंपा* था।

प्र.ड सही वाक्य पर (✓) और गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. जावा का पुराना नाम ब्रह्मदेश था। (✗)
2. ग्रेटर इंडिया में अधिकतर दक्षिणी-पूर्वी एशिया के देश आते हैं। (✓)
3. कंबोडिया का पुराना नाम कंबोज था। (✓)
4. म्यांमार के लोग बौद्ध धर्म के महायान पंथ की शिक्षा का अनुसरण करते हैं। (✗)
5. अरब व्यापारी भारत के पूर्वी तट पर बसे। (✓)
6. हड़प्पा के मेसोपोटामिया से व्यापारिक संबंध थे। (✓)
7. चीनी यात्री वेदों को पढ़ने भारत आये। (✗)
8. बाली द्वीप के मंदिरों में हिंदू धार्मिक पुस्तकों से लेख मिलते हैं। (✓)

प्र.च सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. दक्षिण-पूर्वी एशिया के बहुत-से देश ग्रेटर इंडिया में कहलाते हैं क्योंकि :-

अ. भारत उन पर शासन करता था। ( ) ब. वे भारतीय सभ्यता से प्रभावित थे। (✓)
स. वे भारत से व्यापार करते थे। ( ) द. उन्हें भारत आर्थिक सहायता देता था। ( )

2. भारतीयों ने रेशम और कागज बनाने की कला सीखी :-

अ. जापान से ( ) ब. चीन से (✓)
स. मेसोपोटामिया से ( ) द. रोम से ( )

3. जंगली जानवरों के तमाशे होते थे :-

अ. चीन में ( ) ब. रोम में (✓)
स. मेसोपोटामिया में ( ) द. इंडोनेशिया में ( )

4. भारतीय वस्तुएँ जोयूनान ले जाई जाती थीं उनमें थे :-

अ. मसाले ( ) ब. इत्र ( )
स. हाथी दाँत ( ) द. उपर्युक्त सभी (✓)

5. विशेषकर बौद्ध धर्म फैला :-

अ. पूर्वी एशिया देशों में (✓) ब. पश्चिमी एशिया देशों में ( )
स. अरब देशों में ( ) द. यूरोपियन देशों में ( )

6. दक्षिण पूर्वी एशिया के कई देशों में, लेख पाए जाते हैं वो लिखे होते हैं :-

अ. फारसी में ( ) ब. अरबी में ( )
स. संस्कृत में (✓) द. प्राकृत में ( )

इकाई–2 (भूगोल)

1 हमारी पृथ्वी और सौरमंडल

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 एक ग्रह और तारे में क्या अंतर है?

उ. तारे आकाश में प्रज्वलित वायु के विशाल समुदाय है जिसकी अपनी रोशनी और गर्मी है। ऐसा नक्षत्र जो ग्रह के चारों ओर घूमता है ग्रह कहलाता है।

प्र.2 सौरमंडल का क्या अर्थ है?

उ. सौरमंडल का अर्थ सूर्य का परिवार और आठ ग्रह जो सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं। बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरूण और वरूण ये आठ ग्रह हैं।

प्र.3 सूर्य से उनकी दूरी के अनुसार सभी ग्रहों के नाम लिखिये।

उ. नाप के अनुसार ग्रहों का आरोही क्रम है बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरूण ओर वरूण।

प्र.4 पृथ्वी को 'अनूठा ग्रह' क्यों कहा जाता है?

उ. पृथ्वी पर पानी और वायु है जो जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक है। इन्हीं कारणों से पृथ्वी सौरमंडल में सबसे अनूठा ग्रह है।

प्र.5 उपग्रह ग्रह से कैसे अलग हैं?

उ. ग्रह सूर्य के चारो ंओर घूमते हैं जबकि उपग्रह ग्रहों के चारों ओर घूमते हैं।

प्र.6 आकाश गंगा क्या है?

उ. तारों का समूह आकाश गंगा है। विश्व में दस खरब आकाश गंगा हैं। प्रत्येक आकाश गंगा में दस खरब तारे हैं।

प्र.ख निम्नलिखि प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 नक्षत्रमंडल क्या है? सप्तऋषि से आप क्या समझते हो? इसका क्या महत्व है?

उ. तारों का समूह एक विशिष्ट आकार बनाता है जिसे नक्षत्र मंडल कहते हैं। सात तारो का समूह सप्तऋषि कहलाता है। सप्तऋषि बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि प्राचीन समय में वे रात में नाविकों को राह दिखाते थे।

प्र.2 सौरमंडल के बारे में उसके नाप और सूर्य की दूरी सहित लिखिए और प्रत्यके ग्रह का सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा लगाने में समय बताइये?

उ. सौर मंडल में आठ ग्रह हैं। बुध ग्रह सूर्य के सबसे निकट होने के कारण सबसे गर्म ग्रह है। नाप के अनुसार ग्रहों का आरोही क्रम है - बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरूण, वरूण। इसका अर्थ है कि हमारे सौरमंडल में सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति है और सबसे छोटा बुध। बृहस्पति, शनि, अरूण और वरूण हमारी पृथ्वी से अधिक बड़े हैं जबकि शुक्र, मंगल और बुध पृथ्वी की अपेक्षा छोटे हैं।

सूर्य से उनकी दूरी के अनुसार ग्रहों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :-

ग्रह का नाम	सूर्य से दूरी (अरब किमी में)	सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाने का समय
बुध	58	88 दिन
शुक्र	108	224 दिन
पृथ्वी	150	365¼ दिन
मंगल	228	687 दिन
बृहस्पति	777	11.25 वर्ष
शनि	1387	29.05 वर्ष
अरूण	2808	84 वर्ष
वरूण	4497	164.25 वर्ष

प्र. 3 चन्द्रमा की विभिन्न कलाओं के बारे में लिखिए।

उ. हम चन्द्रमा का अलग-अलग आकार देखते हैं जब यह नया चाँद होता है तब हम इसे बिल्कुल नहीं देख सकते। एक नया चाँद तब होता है जब चन्द्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच होता है। इस चाँद के बाद हमें अर्धचन्द्र दिखाई देता है। इसमें हमें केवल चमकता हुआ हिस्सा दिखाई देता है। दिन प्रतिदिन यह चमकता हिस्सा बढ़ता जाता है। नए चाँद के 14 दिनों बाद हमें इसका पूरा चमकता हिस्सा दिखाई देता है। इसे पूर्ण चन्द्र कहते हैं। यह तब होता है जब पृथ्वी, सूर्य और चन्द्रमा के बीच आती है। इसके बाद यह चाँद 14 दिनों तक पूर्व की तरह घटता रहता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. नक्षत्रों के बारे में जानने से संबंधित विज्ञान को *खगोल शास्त्र* कहते हैं।
2. तारो के समूहों को *आकाश गंगा* कहते हैं।
3. हमारा सूर्य *तारापुंज* आकाश गंगा का सदस्य है।
4. प्रकाश *3,00,000* किमी एक सेकंड की गति से चलता है।
5. नाप में सबसे बड़ ग्रह *बृहस्पति* है।

प्र.घ सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ.

1. सूर्य के सबसे करीब ग्रह :-

अ.	मंगल	( )	ब.	बुध	(✓)
स.	शुक्र	( )	द.	बृहस्पति	( )

2. सभी ग्रह सूर्य के चारों ओ एक पथ पर चक्कर लगाते हैं जो :-

अ.	वृत्ताकार पथ है	(✓)	ब.	आयताकार पथ है	( )
स.	अंडाकार पथ है	( )	द.	इनमें से कोई नहीं	( )

3. मीन तारे किन दो ग्रह के पथें के बीच में पाए जाते हैं :-

अ.	शनि और बृहस्पति	( )	ब.	मंगल और बृहस्पति	( )
स.	पृथ्वी और मंगल	(✓)	द.	उपर्युक्त सभी	( )

4. सूर्य है एक :-

अ.	ग्रह	( )	ब.	पुच्छल तारा	( )
स.	तारा	(✓)	द.	उपग्रह	( )

2 पृथ्वी का प्रतिरूप – ग्लोब

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 ग्लोब क्या है? इसकी क्या उपयोगिता है?

उ. ग्लोब पृथ्वी का एक प्रतिरूप है। यह महाद्वीप और सागरों की सही स्थिति और आकार दर्शाता है।

प्र.2 अक्ष रेखाओं का वर्णन कीजिये।

उ. अक्ष रेखायें एक दूसरे के समानांतर होती हैं और उनकी गणना 0^0 से 90^0 उत्तर तक और 90^0 दक्षिण तक की जाती है। 10^0 अक्ष रेखाएँ भूमध्य रेखायें कहलाती हैं।

प्र.3 उष्ण-कटिबन्ध सबसे गर्म क्यों हैं?

उ. कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच में सभी अक्ष-रेखाओं पर कम से कम साल में एक बार मध्याह्न सूर्य ठीक ऊपर होता है। यह क्षेत्र इसलिये सबसे ज्यादा गर्मी लेता है और उष्ण कटिबंध कहलाता है।

प्र.4 देशांतर रेखाओं का वर्णन कीजिए।

उ. देशांतर रेखाएँ उत्तरी ध्रुव व दक्षिणी ध्रुव तक बनाई गइ काल्पनिक अर्द्ध वृत्ताकार रेखायें हैं इन्हें मैरीडियन्स

भी कहा जाता है। देशान्तर रेखायें ग्लोब के मध्य में उत्तर से दक्षिण तक बनी होती हैं। जिन्हें मुख्य देशांतर रेखायें कहते हैं। (0^0 देखान्तर रेखा) यह पृथ्वी को पश्चिमी और पूर्वी गोलार्द्ध में बाँटती है।

प्र.5 किसी ग्लोब या नक्शें पर अक्ष रेखायें और देशान्तर रेखाएँ बनाने का प्रमुख उपयोग क्या है?

उ. अक्ष-रेखाएँ और देशान्तर रेखाएँ किसी स्थान की स्थिति जानने के लिये ग्लोब या नक्शें पर खींची गई काल्पनिक रेखायें। ये रेखायें पृथ्वी पर विभिन्न स्थानों की सही स्थिति जानने में सहायता करती हैं।

प्र.6 भारत का प्रामाणिक मेरीडियन क्या है? भारत के प्रामाणिक समय और ग्रीनविच मेरीडियन समय में क्या अन्तर है?

उ. भारत में $88½^0$ पूरब ($82^030'$ पूरब) की देशांतर रेखायें एक प्रामाणिक या प्राइम मेरीडियन की तरह मानी जाती है। इस मरीडियन का समय पूरे देश के लिये प्रामाणिक समय की तरह लिया जाता है। इसे भारतीय प्रामाणिक समय (IST) कहते हैं।

भारतीय प्रमाणिक समय ग्रीनविच समय से 5½ घंटे आगे है क्योंकि भारतीय प्रामाणिक समय की $82½^0$ पूरब देशांतर रेखाओं के स्थानीय समय से गणना की जाती है। इसलिये भारत में 7:30 माध्याह्न होगा जब लंदन में 2:00 माध्याह्न होगा।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 अक्ष रेखाओं और देशांतर रेखाओं के बीच प्रमुख दो अंतरों को लिखिए।

उ. **अक्ष रेखायें :-** अक्ष रेखाएँ पश्चिम से पूर्व तक ग्लोब या नक्शे पर खींची गई काल्पनिक रेखाये या वृत्त है। पश्चिम से पूरब तक ग्लोब या नक्शें के मध्य में खींची गई ये रेखायें या वृत्त को भूमध्य रेखा कहते हैं (0^0 अक्षरेखा)। भूमध्य रेखा ग्लोब को उत्तरी गोलार्द्ध और दक्षिण गोलार्द्ध में बाँटती है।

देखांतर रेखाएँ :- देशांतर रेखाएँ उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक बनाई गई काल्पनिक अर्द्ध-वृत्ताकार रेखायें हैं। देशांन्तर रेखाओं को मैरीडियन्स भी कहा जाता है। देशांतर रेखायें ग्लोब के मध्य में उत्तर से दक्षिण तक बनी होती हैं जिन्हें देशान्तर रेखाएँ कहते हैं (0^0 देशांतर रेखा)। यह पृथ्वी को पश्चिमी और पूर्वी गोलार्द्ध में बाँटती हैं।

प्र.2 पृथ्वी को उष्ण कटिबंध बताइए। अपने उत्तर को चित्र द्वारा बताइए।

उ. कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच में सभी अक्ष-रेखाओं पर कम-से-कम साल में एक बार मध्याह्न सूर्य ठीक ऊपर होता है। यह क्षेत्र इसलिए सबसे ज्यादा गर्मी लेता है और उष्ण कटिबंध कहलाता है। कर्क रेखा और मकर रेखा के अतिरिक्त कोई भी अक्ष रेखा पर मध्याह्न सूर्य के ठीक ऊपर कभी नही चमकता। सूर्य की किरणें ध्रुवो की ओर अवरोही क्रम में जाती है। इसलिए ये भाग उत्तरी गोलार्द्ध में कर्क रेखा और उत्तरी वृत्त के बीच में पड़ने वाली और दक्षिणी गोलार्द्ध में मकर रेखा और दक्षिणी वृत्त के बीच में पड़ने वाली भागों में मध्य तापमान होता है।

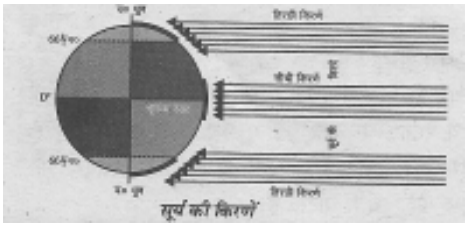

प्र.3 स्थानिय समय और प्रामाणिक समय में क्या अन्तर है? किसी देश के लिये या किसी देश के हिस्से के लिये हमें इसकी क्यों आवश्यकता है?

उ. स्थानों का स्थानीय समय विभिन्न मेरीडियन पर है अलग-अलग होने के लिए बाध्य है। इसलिये देश की प्रामाणिक समय की तरह देश के कुछ मध्य मेरीडियन का स्थानीय समय लेना होगा। भारत में $88½^0$ पूरब ($82^030'$ पूरब) की देशान्तर रेखाए एक प्रामाणिक या प्राइड मेरीडियन की तरह मानी जायेगी। इस मेरीडियन का स्थानीय समय पूरे देश के लिये प्रामाणिक समय की तरह लिया जाता है। इसे भारतीय प्रामाणिक समय (IST) कहते हैं।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. *भूमध्य रेखा* ग्लोब की उत्तरी गोलार्द्ध और दक्षिणी गोलार्द्ध में बाँटता है।

2. उत्तरी वृत्त *उत्तरी* गोलार्द्ध में है।
3. दो अक्ष रेखाओं के बीच की दूरी लगभग *111* किमी है।
4. एशिया में *11* समय परिधि हैं।
5. दो देशांतर रेखाओं के बीच की दूरी *ध्रुव* की ओर कम होती जाती है।

प्र.घ सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	कर्क रेखा	:	$23\frac{1}{2}^0$ अक्ष रेखाए
2.	उत्तरी वृत्त	:	$66\frac{1}{2}^0$ उत्तर अक्ष रेखाएँ
3.	मकर रेखा	:	$23\frac{1}{2}^0$ उत्तर अक्ष रेखाएँ
4.	दक्षिण वृत्त	:	$66\frac{1}{2}^0$ अक्ष रेखाएँ
5.	उत्तरी ध्रुव	:	90^0 उत्तर अक्ष रेखाएँ
6.	दक्षिणी ध्रुव	:	90^0 दक्षिणी अक्ष रेखाएँ
7.	प्राइम मेरीडियन	:	0^0 आक्ष रेखाएँ
8.	भूमध्य रेखा	:	0^0 देशांतर रेखाएँ

प्र.ड निम्नलिखित देशांतर रेखाओं के स्थानीय समय की गणना कीजिए, जबकि लंदन में दोपहर के 12 बजे हैं :-

उ.
1. 90^0 पूरब
2. 135^0 पूरब
3. 75^0 पश्चिम
4. 105^0 पश्चिम

3 मानचित्र का अध्ययन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मानचित्र क्या है?

उ. मानचित्र पृथ्वी के धरातल का प्रतिरूप है या इसका एक भाग है जो परिमाण के अनुसार समतल धरातल पर बनाया जाता है।

प्र.2 मानचित्र परिमाण क्या है?

उ. जमीन की वास्तविक दूरी और मानचित्र पर दर्शाई दूरी के बीच का माप है।

प्र.3 चार मध्यस्थ दिशाएँ कौन-कौन सी हैं?

उ. चार मध्यस्थ दिशाएँ हैं - उत्तर-पूरब, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर पश्चिम और दक्षिण-पूरब।

प्र.4 मानचित्र के तीन अंग कौन-कौन से हैं?

उ. मानचित्र के तीन अंग होते हैं - दूरी, दिशा और चिन्ह।

प्र.5 मानचित्र पर संकेतों का क्या प्रयोग है?

उ. मानचित्र पर विभिन्न चीजों को दर्शाने के लिये चिन्ह या संकेत बनाये जाते हैं।

प्र.6 प्रकरण सम्बन्धी मानचित्र क्या होता हैं?

उ. कुछ मानचित्र महत्वपूर्ण जानकारी दर्शाते हैं जैसे सड़कों के मानचित्र, बारिश के मानचित्र, जंगलों का बँटवारा दर्शाते मानचित्र, कारखाने आदि को दर्शाने वाले मानचित्र आदि प्रकारण सम्बन्धी मानचित्र कहलाते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित में अन्तर बताइए :-

प्र.1 प्राकृतिक मानचित्र और राजनैतिक मानचित्र।

उ. **प्राकृतिक मानचित्र :-** ये मानचित्र पृथ्वी के प्राकृतिक स्वरूप को दर्शाते हैं; जैसे - पर्वत, मैदान, पठार, नदी,

सागर आदि।

राजनैतिक मानचित्र :- वे मानचित्र जो विभिन्न देशों, संसार के राज्यों, कस्बों और गाँवों को दर्शाते हैं, उन्हें राजनैतिक मानचित्र कहते हैं। ये विभिन्न देशों, राज्यों और जिलों आदि की सीमाएँ दर्शाते हैं।

प्र.2 बड़ा पैमाना मानचित्र और छोटा पैमाना मानचित्र।

उ. बड़ा पैमाना मानचित्र :- एक ऐसा मानचित्र जो छोटे हिस्से, जैसे खेत, गाँव आदि दर्शाते हैं।

छोटा पैमाना मानचित्र :- एक ऐसा मानचित्र जो बड़े हिस्से जैसे संसार, महाद्वीप आदि को दर्शाते हैं।

प्र.3 खाका और नक्शा।

उ. खाका :- यह याद्दाश्त या जगह की जानकारी के आधार पर बनाए जाते हैं। खाका पेमाने के आधार पर नहीं बनाया जाता है। कई बार एक स्थान की जानकारी लेने के लिए उस स्थान का अपूर्ण खाका बनाया जाता है।

नक्शा :- एक बड़े परिमाण पर एक छोटे भाग को बनाना नक्शा कहलाता है। एक बड़ा परिमाण मानचित्र बहुत सारी जानकारी देता है। लेकिन कुछ वस्तु ऐसी होती है जिन्हें हम जानना चाहते हैं। उदाहरणः एक कमरे की लम्बाई और चौड़ाई जिसे मानचित्र पर नहीं दर्शाया जा सकता है इसलिये परिमाण के आधार पर नक्शा बनाया जाता है।

प्र.ग निम्नलिखित के लौकिक संकेत बनाइए :-

उ.

1. चौड़ी रेलवे लाइन :
2. पक्की सड़कें :
3. अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ :
4. पुल :
5. मंदिर :
6. घास के मैदान :
7. बसने के स्थान, :
8. कब्रिस्तान :

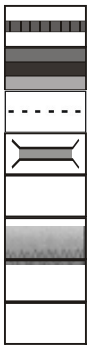

प्र.घ सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. मानचित्र जो जंगलों का विभाजन दर्शाते हैं :-

अ. प्राकृतिक मानचित्र ( ) ब. राजनैतिक मानचित्र ( )

स. प्रकरण संबंधी मानचित्र (✓) द. Cadastral मानचित्र ( )

2. मानचित्र में पानी को दर्शाने के लिए :-

अ. भूरा रंग ( ) ब. हरा रंग ( )

स. नीला रंग (✓) द. सफेद रंग ( )

3. बड़ा परिमाण मानचित्र ..... बनाने के लिए प्रयोग होगा :-

अ. देश ( ) ब. महाद्वीप ( )

स. पूरी पृथ्वी ( ) द. कस्बा (✓)

4. हम परिमाण का प्रयोग नहीं करते हैं जब बनाते हैं :-

अ. मानचित्र ( ) ब. नक्शा ( )

स. खाका (✓) द. सभी ( )

4 पृथ्वी की गति

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 घूर्णन किसे कहते हैं?

उ. पृथ्वी के अपने अक्ष (धुरी) 24 घंटें में एक चक्कर को घूर्णन कहते हैं।

प्र.2 परिभ्रमण किसे कहते हैं?

उ. पृथ्वी की सूर्य के चारों ओर गति करने को परिभ्रमण कहते हैं।

प्र.3 अधिवर्ष किसे कहते हैं?

उ. वह वर्ष जिसमें 366 दिन होते हैं अधि वर्ष कहलाता है।

प्र.4 विषुव संक्राति किसे कहते हैं?

उ. वो दो दिन (अर्थात् 21 मार्च और 23 सितम्बर) जब समूचे विश्व में दिन-रात का समय बराबर रहता है विषुव संक्रांति कहलाते हैं।

प्र.5 21 जून को उत्तरी गोलाद्ध में दिन लम्बे और राते छोटी क्यों होती हैं?

उ. 21 जून को सूर्य की किरणें कर्क रेखा के ऊपर सीधी और खड़ी पड़ती हैं। उत्तरी ध्रुव सूर्य की ओर झुका होता है जिसके कारण उत्तरी गोलार्द्ध का अधिक भाग सूर्य की किरणें प्राप्त करता है इसी लिये यहाँ 21जून सबसे बड़ा दिन और रात सबसे छोटी होती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिये :-

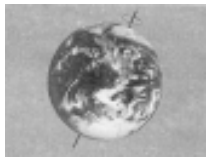

प्र.1 दिन और रात कैसे होते हैं? सचित्र वर्णन कीजिए।

उ. पृथ्वी अपने अक्ष पर 24 घंटे में एक पूरा चक्कर लगाती है। पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने होता है वहाँ दिन होता हे और जो भाग पीछे होता है वहाँ रात होती है।

प्र.2 विभिन्न ऋतुएँ कैसे आती हैं। आरेख सहित स्पष्ट कीजिये।

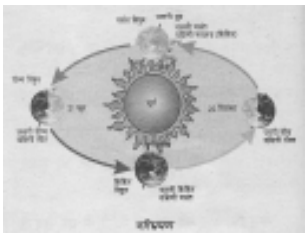

उ. पृथ्वी का सूर्य की परिक्रमा करना तथा पृथ्वी की कीली का अपनी कक्षा के समतल की ओर $66\frac{1}{2}^0$ कोण में झुका रहना ऋतुओं के परिवर्तन करता है। एक वर्ष प्रायः ग्रीष्म, शीत, बसन्त तथा पतझड़ में विभाजित होता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये :-

उ.
1. पृथ्वी सूर्य के चारों ओर *365¼* दिनों मे एक चक्कर पूरा करती है।
2. *शीत* ऋतु में दिन छोटे होते हैं।
3. दिन और रात *21 मार्च* तथा *23 सितम्बर* को बराबर होते हैं।
4. पृथ्वी की कीली अपने कक्षा के समतल पर *$66\frac{1}{2}^0$* का कोण बनाती है।
5. अधिवर्ष में, फरवरी माह में *29* दिन होते हैं।

प्र.घ सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	21 जून	:	उत्तरी गोलार्द्ध में ग्रीष्म ऋतु
2.	23 सितम्बर	:	दक्षिणी गोलार्द्ध में बसंत ऋतु
3.	21 मार्च	:	उत्तरी गोलार्द्ध में बसंत ऋतु
4.	22 सितम्बर	:	दक्षिणी गोलार्द्ध में ग्रीष्म ऋतु

प्र.ड सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. जब भारत में ग्रीष्म ऋु होती है तो आँस्ट्रेलिया में शीत ऋतु होती है। (✓)
2. ध्रूवों पर दिन और रात हमेशा एक समान होते हैं। (✗)
3. 21 जून को सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर सीधी और खड़ी पड़ती हैं। (✓)
4. पृथ्वी अपनी कीली पर पूरब से पश्चिम दिशा की ओर घुमती है। (✓)
5. यदि हमारी पृथ्वी घूर्णन न करें तो यहाँ जीवन संभव नहीं है। (✓)

प्र.च सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. पृथ्वी अपनी कीली पर चक्कर लगाती है :-

अ. 12 घंटों में ( ) ब. 365¼ दिनों में ( )

स. 24 घंटों में (✓) द. एक माह में ( )

2. सूर्य कभी भी ठीक सिर के ऊपर नहीं चमकता :-

अ. कर्क रेखा पर ( ) ब. ध्रुव पर ( )

स. मकर रेखा पर (✓) द. दक्षिण ध्रुव पर ( )

3. इनमें से कौन-सा वर्ष अधिवर्ष नहीं है :-

अ. 1996 ( ) ब. 2004 ( )

स. 1984 ( ) द. 1978 (✓)

4. पृथ्वी के सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने को कहते हैं :-

अ. घूर्णन (✓) ब. कक्षा ( )

स. परिभ्रमण ( ) द. झुकाव ( )

5. सूर्य की किरणें हमेशा सीधी पड़ती हैं :-

अ. कर्क रेखा (✓) ब. उत्तरी ध्रुव ( )

स. मकर रेखा ( ) द. भूमध्य रेखा ( )

5 पृथ्वी के परिमंडल

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 पृथ्वी के तीन परिमंडल कौन-कौन से हैं?

उ. पृथ्वी के तीन परिमंडल है :- स्थल मंडल, जल मंडल और वायु मंडल।

प्र.2 पृथ्वी के महाद्वीपों के नाम लिखिये।

उ. पृथ्वी के महाद्वीप हैं :- एशिया, यूरोप, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका।

प्र.3 पृथ्वी के सभी सागरों के नाम लिखो।

उ. पृथ्वी के चार प्रमुख महासागर हैं :- प्रशांत महासागर, अटलांटिका महासागर, आर्कटिका महासागर, हिन्द महासागर।

प्र.4 पानी की तीन अवस्थाएँ कौन-कौन सी हैं?

उ. जल की तीन अवस्थाएँ हैं - द्रव, ठोस तथा गैस।

प्र.5 वायु मंडल की विभिन्न पर्ते कौन-और सी हैं? नाम बताइये।

उ. वायुमंडल की 5 विभिन्न पर्ते हैं - क्षेममंडल, समताप, मध्यमंडल, तापमंडल और बाह्य मंडल।

प्र.6 वायु मंडल की तीन मुख्य गैसे कौन-कौन सी हैं?

उ. वायुमंडल की तीन मुख्य गैस हैं - नाइट्रोजन, आक्सीजन और कार्बन-डाई-आक्साइड।

प्र.7 पृथ्वी को नीला ग्रह क्यों कहते हैं?

उ. पृथ्वी को नीला ग्रह कहा जाता है क्योंकि इसका 71 प्रतिशत से भी अधिक भाग जल से घिरा है तथा 29 प्रतिशत भाग ही भू-भाग है।

प्र.8 पर्वतीय क्षेत्रों में पर्वतारोहियों को साँस लेने में कठिनाई क्यों होती है?

उ. हवा की सघनता ऊँचाई के साथ-साथ घटती जाती है इसलिये पर्वतारोहियों को ऊँचे क्षेत्रों पर जाने में श्वसन सम्बन्धी कठिनाईयाँ होती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 पृथ्वी के सभी परिमंडलों के विषय में बताइए?

उ. पृथ्वी पर तीन बड़े परिमंडल हैं :-

क. स्थल मंडल :- पृथ्वी का ठोस भाग स्थल मंडल कहलाता हैं इसमें पृथ्वी की ऊपरी चट्टानें, मिट्टी की

पतली परत (जिसमें खनिज लवण पाये जाते हैं) है। स्थल मंडल पृथ्वी की पर्पटी और ऊपरी आवरण की बनी हुई ठोस पर्त है। भूमि के बड़ी भू-भाग महाद्वीप तथा छोटे भाग द्वीप हैं।

ख. जल मंडल :- हमारी पृथ्वी को नीला ग्रह कहा जाता है क्योंकि इसका 71 प्रतिशत भाग जल से घिरा है और शेष 29 प्रतिशत भाग ही भू-भाग है। पृथ्वी पर जल विभिन्न रूप में पाया जाता है - द्रव, ठोस और गैस।

ग. वायु मंडल :- हमारी पृथ्वी हवा के आवरण से घिरी है जिसे वायुमंडल कहा जाता है। यह गैसों का मिश्रण है। यह पृथ्वी की सतह से न्यूनतम 1600 किमी ऊँचाई तक विस्तार वाला है। पृथ्वी पर गैसों को गुरूत्वाकर्षण बल द्वारा स्थिर रखा गया है। पृथ्वी की सतह के नजदीक वायु संघन है और ऊपर की ओर चढ़ने पर विरल होती जाती है। वायुमंडल को उसकी रचना और तापमान के आधार पर पाँच विभिन्न पर्तो में बाँटा गया है। यह पर्ते ऊँचाई के आधार पर इस प्रकार है :- क्षोभमंडल, समताप, मध्यमंडल, तापमंडल और बाह्य मंडल। सभी अवस्थाओं में जीवन केवल क्षोभमंडल सबसे नीचे वाली पर्त पर ही संभव है क्योंकि जीवित रहने के लिये उचित जलवायु यहीं पर उपलब्ध है। वायुमंडल मुख्यतः दो गैसों नाइट्रोजन तथा आक्सीजन से बना है।

प्र.2 सागर हमारे लिये क्यों आवश्यक हैं?

उ. महासागर हमारे लिये बहुत उपयोगी हैं क्योंकि :-

क. महासागर का जल हमेशा वाष्पाकरण करता है तथा भूमि पर वर्षा करता है।

ख. महासागर अन्तराष्ट्रीय व्यापार के लिये सहायक हैं।

ग. महासागर भोजन के रूप में मछली तथा अन्य समुद्री जीव प्रदान करता है।

घ. महासागर का जल ग्रीष्म ऋतु के उच्च तापमान को सामान्य बनाए रखता है।

ड. महासागर में कई प्रकार के खनिज जैसे खनिज तेल का भंडार है।

प्र.3 प्रकृति का संतुलन कैसे बिगड़ रहा है? प्रकृति के असंतुलन में क्या हानिकारक प्रभाव पड़ते हैं?

उ. सड़क पर चलने वाले वाहन, कारखाने, कोयले से चलने वाले कारखानें इत्यादि से निकलने वाला धुँआ वायु को प्रदूषित करता है। वायु में कार्बन-डाई-आक्साइड की मात्रा बढ़ती जा रही है जिससे हमारा पर्यावरण असंतुलित होता जा रहा है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. भार द्वारा आंटाकंटिका में स्थापित किए गए अनसंधान केंद्र *मैत्री* और *दक्षिण गंगोत्री* है।
2. यूरोप और एशिया को मिलाकर *यूरेशिया* बनता है।
3. पृथ्वी पर प्रशांत महासागर में सबसे गहरा *खाई* है।
4. विश्व का दूसरा बड़ा महाद्वीप *अफ्रीका* है।
5. *आस्ट्रेलिया* को द्वीप-महाद्वीप भी कहा जाता है।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशाल लगाइए :-

उ.

1. बाह्यमंडल वायुमंडल की सबसे बाहरी पर्त है। (✓)
2. एशिया पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है। (✓)
3. अटलांटिक महासागर गोल आकार का है। (✗)
4. प्रशांत महासागर व्यापार की दृष्टि से सबसे व्यस्त महासागर है। (✗)
5. आस्ट्रेलिया सबसे छोटा महाद्वीप है। (✓)
6. नाइट्रोजन गैस जीव की वृद्धि में सहायक है। (✓)
7. पृथ्वी पर जल की कोई कमी नहीं है। (✗)
8. समुद्र का जल स्वच्छ जल है। (✗)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. वह पर्वत श्रृंखला जो यूरोप और एशिया को पृथक् करती है :-

अ.	एंडीज पर्वतमाला	( )	ब.	हिमालय पर्वतमाला	( )
स.	यूराल पर्वतमाला	(✓)	द.	राँकीज पर्वतमाला	( )

2. सबसे बड़ा महाद्वीप है :-

अ.	अफ्रीका	( )	ब.	एशिया	(✓)
स.	अंटार्कटिका	( )	द.	उत्तरी अमेरिका	( )

3. वायुमंडल में सर्वाधिक (प्रतिशत) पाई जाने वाली गैस है :-

अ.	आक्सीजन	( )	ब.	नाइट्रोजन	(✓)
स.	आर्गन	( )	द.	कार्बन-डाइ-आक्साइड	( )

4. सबसे गहरा महासागर है :-

अ.	अटलांटिक महासागर	( )	ब.	हिंद महासागर	( )
स.	आर्कटिक महासागर	( )	द.	प्रशांत महासागर	(✓)

5. महाद्वीप जो मानवविहीन महाद्वीप है :-

अ.	अफ्रीका	( )	ब.	अंटार्कटिका	(✓)
स.	आस्ट्रेलिया	( )	द.	कोई नहीं	( )

6. आर्कटिक वृत्त गुजरता है :-

अ.	आस्ट्रेलिया से	( )	ब.	यूरेशिया से	(✓)
स.	अफ्रीका से	( )	द.	दक्षिण अमेरिका से	( )

7. वायुमंडल की किस पर्त में सभी प्रकार के जीव पाए जाते हैं :-

अ.	क्षोभमंडल	( )	ब.	मध्यमंडल	( )
स.	समतापमंडल	(✓)	द.	तापमंडल	( )

8. भूमध्य रंखा, कर्क रेखा, मकर रेखा तथा तीनों अक्षांश होकर गुजरते हैं :-

अ.	एशिया से	( )	ब.	अफ्रीका से	(✓)
स.	यूरोप से	( )	द.	आस्ट्रेलिया से	( )

6 पृथ्वी की प्रमुख भू-आकृतियाँ

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिये :-

प्र.1 विभिन्न भू-भाग कौन-कौन से हैं?

उ. भू-भाग तीन प्रकार के हैं - पर्वत, पठार तथा मैदान।

प्र.2 पर्वत तथा पठार में क्या अन्तर है?

उ. पर्वत के क्षेत्र आस-पास के क्षेत्र से थोड़ा ऊँचे होते हैं तथा पठार के क्षेत्र से आशय ऊँचाई पर स्थित समतल भू-भाग से होता है।

प्र.3 पर्वतों के विभिन्न प्रकार बताइए?

उ. पर्वत तीन प्रकार के होते हैं - फोल्ड पर्वत, ब्लाक पर्वत, तथा ज्वालामुख पर्वत।

प्र.4 मैदान कैसे बनते हैं?

उ. मैदान निचली भूमि होते हैं तथा नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी से बनाए जाते हैं।

प्र.5 पर्वतों पर जनसंख्या कम क्यों है?

उ. पर्वतों की जलवायु कठोर होने के कारण वहाँ कम लोग रहते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 विभिन्न प्रकार के पर्वतों के विषय में विस्तारपूर्वक बताइए?

उ. पर्वत मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं - फोल्ड पर्वत, ब्लाक पर्वत, तथा ज्वालामुखी पर्वत।

अ. फोल्ड पर्वत :- हिमालय पर्वत तथा एल्पस पर्वत छोटे फोल्ड पर्वत हैं जिनकी ऊँची चोटियाँ होती हैं। फोल्ड पर्वत श्रृंखला में कई फोल्ड पर्वत होते हैं। कुछ कीपरत ऊँची तथा कुछ नीची परत के होते हैं।

ब. ब्लाक पर्वत :- ये पर्वत अधिकतर आयताकार डिब्बो के रूप में बनते हैं जब भूमि का बड़ा भाग खडे रूप में टूटता या स्थानांतरित होता है। उस उठे हुये या निकले भाग को 'Horst' तथा निचले भाग को 'Graben' कहते हैं। यूरोप में राइन वैली या घाटी तथा वोस्ग पर्वत इन के उदाहरण हैं।

स. ज्वालामुखी पर्वत :- ज्वालामुख पर्वत लावा निकलने के कारण बनते हैं। अफ्रीका में माउंट किलिमंजारों तथा जापान में माउंट फ्यूजियामा ज्वालामुखी पर्वत के उदाहरण है।

प्र.2 पर्वत, पठार तथा मैदान के विभिन्न उपयोग बताइए।

उ. अ. पर्वत :- पर्वत हमारे लिये बहुत उपयोगी है।। पर्वतों में हमें हिंमखंड बहुत सी नदियों को जन्म देते हैं। पर्वतों में बहते झरनों का जल विद्युत बनाने में प्रयोग किया जाता है। वनों से हमें ईधन, इमारती लकड़ी, चारा और अन्य सामान, जैसे गोंद, किशमिश इत्यादि प्राप्त होते हैं। कई यात्री पर्वतों की सुन्दरता को देखकर आकर्षित होते हैं।

ब. पठार :- पठार एक समतल उभरी भूमि है। इसकी चोटी या शिखर सपाट होता है। इसे 'टेंबल लैंड' भी कहते हैं। पठार के एक या अधिक किनारे ढलाऊ होते हैं। पठार की ऊँचाई सौ मीटर से लेकर कई हजार मीटर तक ऊँची हो सकती है। पठार नए और पुराने हो सकते हैं।

स. मैदान :- मैदान बहुत उपजाऊ होते हैं। अधिकतर मैदान कृषि के लिये सर्वश्रेष्ठ हैं। मैदानी क्षेत्रों में सड़के तथा रेल की पटरियाँ, बिछाना आसान है। मैदान अधिक जनसंख्या वाले होते हैं। नदियों द्वारा बनाए गये विशाल मैदान एशिया तथा उत्तरी अमेरिका में हैं।

प्र.ग सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. नए फोल्ड पर्वत का एक उदाहरण है :-

अ.	यूराल	( )	ब.	अरावली	(✓)
स.	हिमालय	( )	द.	कोई नहीं	( )

2. यांग-टी सींक्याग मैदान है :-

अ.	भारत में	( )	ब.	जापान में	( )
स.	चीन में	(✓)	द.	उत्तरी अमेरिका में	( )

3. हिमखंड बनते हैं :-

अ.	मैदानों में	( )	ब.	पठारों में	( )
स.	पर्वतों में	(✓)	द.	नदी घाटियों में	( )

4. यूरोप की महत्वपूर्ण पर्वतमाला है :-

अ.	एंडीज	( )	ब.	हिमालय	( )
स.	अल्पस	(✓)	द.	राकी	( )

5. माउंट किलिमनजारो है एक :-

अ.	ज्वालामुखी	(✓)	ब.	फोल्ड पर्वत	( )
स.	ब्लाक पर्वत	( )	द.	कोई नहीं	( )

6. गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान हैं :-

अ. चीन में ( ) ब. भारत में (✓)

स. पाकिस्तान में ( ) द. इनमें से कहीं नहीं ( )

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. फोल्ड का उभरा हुआ क्षेत्र ***Anticlines*** कहलाता है तथा दबा हुआ भाग ***Synclines*** कहलाता है।

2. यूरोप में वोस्गस *ब्लाक पर्वत* का उदाहरण है।

3. *तिब्बत* पठार, संसार का सबसे ऊँचा पठार है।

4. फ्यूजियामा ज्वालामुख *अफ्रीका* में है।

5. मिसीसिप्पी-मिसूरी मैदान *उत्तरी अमेरिका* में है।

प्र.ड पर्वतों के कोई पाँच उपयोग बताइए।

उ. 1 पर्वतों में जमे हिमखंड बहुत सी नदियों को जन्म देतेहैं।

2. पर्वतों में बहते झरनों का जल विद्युत बनाने के काम आता है।

3. नदी, घाटियाँ तथा सीढ़ीनुमा खेत फसल के लिये सर्वोत्तम है।

4. कई यात्री पर्वतों की सुन्दरता को देखकर आकर्षित होते हैं।

5. पहाड़ी वनों से हमें ईधन, इमारती लकड़ी, चारा तथा अन्य सामान मिलता है।

प्र.च सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	हिमालय	:	एशिया
2.	एंडीज	:	दक्षिणी अमेरिका
3.	अल्पस	:	यूरोप
4.	अरावली	:	भारत
5.	फ्यूजियामा	:	जापान
6.	किलिमंजारो	:	अफ्रीका

प्र.छ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. Synclines तथा Anticlines फोल्ड पर्वतों में पाई जाती है। (✓)

2. ब्लाक पर्वतों की चोटियाँ असमान होती हैं। (✗)

3. भारत का डक्कन का पठार सबसे प्राचीन पठार है। (✓)

4. पठार खनिज का भंडार होते हैं। (✓)

5. संसार के अधिकतर बड़े शहर मैदान में पाए जाते हैं। (✓)

6. लोगों को रहने के लिए मैदानी क्षेत्र अधिक उपर्युक्त होते हैं। (✓)

7. जलप्रताप मैदानों में पाए जाते हैं। (✗)

7 भारत – स्थिति, राजनैतिक विभाजन तथा आकृति

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 भारत किन अंक्षाशों और देशातंरो में स्थित है?

उ. भारत $8^0 4'$ और $37^0 6'$ उत्तरी अंक्षाशों और $68^0 7'$ तथा $97^0 25'$ पूर्वी देशांतरों के बीच में है।

प्र.2 भारत की सीमा से लगे सात पड़ोसी देशों के नाम लिखिए।

उ. भारत की सीमा से लगे सात पड़ोसी देश हैं - नेपाल, भूटान, चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और अफगानिस्तान।

प्र.3 बंगाल की खाडी में गिरने वाली छः नदियों के नाम लिखिये।

उ. महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, नर्मदा और ताप्ती।

प्र.4 दक्षिण भारत की कौन-कौन सी दो नदियाँ अरब सागर में गिरती हैं?

उ. नर्मदा और ताप्ती।

प्र.5 भारत के महत्वपूर्ण दर्रों तथा उनके राज्यों के नाम लिखिए।

उ. भारत में कई महत्वपूर्ण दर्रे हैं; जैसे - शिपकिला (हिमाचल प्रदेश) नथूला (सिक्किम) और बोन्डिया (अरूणाचंल प्रदेश)

प्र.6 भारत के कितने राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश हैं?

उ. भारत के 28 राज्य और 6 केन्द्रशासित प्रदेश हैं।

प्र.7 भारत के उत्तरी मैदान में जनसंख्या का घनत्व अधिक क्यों है?

उ. मैदान सर्वाधिक उपजाऊ क्षेत्र हैं तथा यहाँ पैदावार भी अधिक होती है जिसके कारण यहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक है।

प्र.8 उत्पत्ति के आधार पर लक्षद्वीप तथा अंडमान द्वीप समूह में क्या अन्तर है।

उ. लक्षद्वीप समूह अरब सागर में स्थित है। ये द्वीप समूह केरल के समुद्र तट की विपरीत दिशा में है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत के दक्षिण-पूर्वी दिशा में बंगाल की खाड़ी में है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भारत के उत्तरी पर्वत श्रेणियों के विषय में लिखिए।

उ. भारत के उत्तर में हिमालय की पर्वत श्रृंखला पश्चिम से पूरब तक फैली है। इसके उत्तर-पश्चिम में काराकोरम पर्वत चोटी के-2 (K-2) है। माउंट गोंडविन अस्टिन (जिसकी ऊँचाई 8,611 मीटर) काराकोरम पर्व श्रृंखला में है।

हिमालय में तीन समांतर पर्वत-श्रेणियाँ हैं। हिमायल के एक दम उत्तरी छोर की पर्वत श्रेणी हिमाद्रि पर्वत श्रेणी कहलाती है। यह हिमालय की सर्वोच्च चोटी इसी पर्वत श्रेणी में है। माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) हिमालय की सबसे ऊँची चोटी है जो नेपाल में है। हिमालय कंचनजंगा, सिक्किम में (8598 मीटर), नंग पर्वत (8126 मीटर) तथा नंदा देवी (7817 मीटर) है।

प्र.2 उत्तर भारत के विशाल मैदान किस प्रकार बने हैं? इन मैदानों की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उ. यह हिमालय के दक्षिण में है। ये क्षेत्र सपाट तथा समतल हैं। यह मैदान बहुत सी नदियों द्वारा अपने साथ बहाकर लाई गई उपजाऊ मिट्टी से बना है। जैसे सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र तथा उनकी सहायक नदियाँ। ये मैदान सर्वाधिक उपजाऊ क्षेत्र बनाते हैं तथा यहाँ पैदावार भी अच्छी होती है जिस कारण यह जनसंख्या का अधिक घनत्व है।

प्र.3 भारत के प्रायद्वीपीय पठार तथा समुद्र तटीय मैदान के बारे में वर्णन कीजिये।

उ. उत्तरी मैदान के दक्षिण में पठारी क्षेत्र है जिसे प्रायःद्वीपीय पठार भी कहते हैं। यह त्रिकोण आकार का है। दक्षिण दिशा की ओर यह संकरा होता है। इसकी सतह समतल नहीं हफ। इस क्षेत्र में बहुत सी पहाड़ियाँ तथा घाटियाँ है। अरावली की पहाड़ियाँ, जो संसार की सबसे प्राचीन पहाड़ियाँ हैं इसी उत्तरी-पश्चिमी सीमा पर है। अन्य महत्वपूर्ण श्रेणियाँ हैं :- विंध्याचल तथा सतपुरा की पहाड़ियाँ। नर्मदा तथा ताप्ती नदियाँ इन पहाडियों से होकर बहती हैं। ये नदियाँ पश्चिम की ओर बहती हैं तथा अंत में अरब सागर में गिरती हैं। पश्चिमी घाट विस्तृत तथा एक समान है तथा पूर्वी घाट टूटा तथा असमान है। पठारी क्षेत्र खनिज जैसे कोयला तथा इस्पात से भरपूर हैं। पूरब की ओर बहने वाली नदियाँ जो बंगाल की खाड़ी में मिलती हैं उनमें महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी प्रमुख हैं। ये नदियाँ उपजाऊ डेल्टा बनाती हैं।

पश्चिमी घाट के पश्चिम में तथा पूर्वी घाट के पूर्व में वृतीय मैदान स्थित है। पश्चिमी समुद्रीय घाट, पूर्वीय तटीय घाट की उपेक्षा संकरे हैं।

प्र.ग सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी है :-

अ.	माउंड एवरेस्ट	( )	ब.	कंचनजंगा	( )
स.	के-2	(✓)	द.	नंदा देवी	( )

2. इनमें से कौन-सी नदी बंगाल की खाड़ी में नहीं गिरती :-

अ.	गंगा	( )	ब.	कावेरी	( )
स.	ब्रह्मपुत्र	( )	द.	नर्मदा	(✓)

3. कौन-सी पहाड़ियात्र प्रायद्वीपीय पठार के दक्षिण-पश्चिम सीमा पर स्थित हैं :-

अ.	सतपुड़ा की पहाड़ियाँ	( )	ब.	विंध्य	( )
स.	अरावली पहाड़ियाँ	(✓)	द.	कोई नहीं	( )

4. सहयाद्रि का दूसरा नाम है :-

अ.	पश्चिमी घाट	(✓)	ब.	पूर्वी घाट	( )
स.	सतपुड़ा की पहाड़ियाँ	( )	द.	अरावली की पहाड़ियाँ	( )

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य *राजस्थान* है।

2. *कर्क रेखा* लगभग भारत के मध्य से होकर गुजरती है।

3. हिमालय पर सबसे निचली तथा दक्षिणी छोर की पहाड़ियाँ *शिवालिक* कहलाती हैं।

4. संसार का सबसे बड़ा डेल्टा *सुन्दरवन* है।

5. लक्षद्वीप समूह *केरला* के समुद्र-तट पर स्थित है।

8 भारत : जलवायु, वन्य जीवन तथा प्राकृतिक वनस्पति

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मौसम तथा जलवायु में क्या अंतर है?

उ. प्रतिदिन वायुमंडल से होने वाले परिवर्तन को मौसम कहते हैं। मौसम समय-समय पर बदलता रहता है। एक लंबी समयावधि के लिये मौसम की औसत स्थिति जलवायु कहलाती है।

प्र.2 भारत की चार मुख्य ऋतुओं के नाम लिखो।

उ. भारत में मुख्य रूप से चार ऋतुएँ होती हैं। ये हैं :-

अ. शीत ऋतु

ब. ग्रीष्म ऋतु

स. अग्रगामी मानसून की ऋतु (वर्षा)

द. पश्चगामी मानसून की ऋतु (पतझड)

प्र.3 किसी स्थान की जलवायु को कौन-कौन से कारक प्रभावित करते हैं?

उ. किसी भी स्थान की जलवायु को निम्नलिखित कारक प्रभावित करते हैं :-

अ. स्थिति या अवस्थान

ब. ऊँचाई

स. समुद्र से दूरी

द. हवा की दिशा।

प्र.4 प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं?

उ. सभी प्रकार के बड़े तथा छोटे पेड़-पौधें, फूल-फल, झाड़ियाँ, घास इत्यादि जो प्राकृतिक रूप से स्वयं उग जाते हैं, प्राकृतिक वनस्पति कहलाती है।

प्र.5 भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्राकृतिक वनस्पतियों के नाम लिखिये।

उ. प्राकृतिक वनस्पति को पाँच भागों में बाँटा जा सकता है।

अ. उष्ण कटिबंधीय व वर्षा वाले वन।

ब. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन।

स. कँटीले वन।

द. हिमालय क्षेत्र के वन।

य. ज्वारीय वन।

प्र.6 उष्ण कटिबंधीय वर्षावाले वनों को सदाबहार वन क्यों कहते हैं?

उ. पेड़ों की कई प्रजातियाँ इन जंगलों में हैं जो वर्ष के अलग-अलग समय में पतझड करती है। इसी कारण यह जंगल हमेशा हरा भारा दिखाई देता है तथा इसे सदाबहार वन कहते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भारत की विभिन्न ऋतुओं के बारे तें विस्तारपूर्वक लिखिए।

उ. अ. ठंडे मौसम की ऋतु (शीत ऋतु) :- यह ऋतु प्रायः नवम्बर माह के उत्तार्द्ध से आरंभ होती है तथा फरवरी में समाप्त होती है। शीत ऋतु में शीत लहर उत्तर से दक्षिण की ओर चलती है। भारत के किसी भी भाग में सूर्य की खड़ी किरणें नहीं पड़ती हैं। परिणामस्वरूप तापक्रम बहुत निम्न रहता है।

ब. गर्म मौसम की ऋतु (ग्रीष्म ऋतु) :- यह ऋतु मार्च से मई माह तक रहती हैं। इस ऋतु में सूर्य की खड़ी किरणें भारत पर पड़ती हैं। इससे पहाड़ी स्थानों को छोड़कर देश के अन्य भागों का तापक्रम अत्याधिक बढ़ जाता है। उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में लू कही जाने वाली गर्म और शुष्क हवाएँ चलने लगती है।

स. दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु :- यह ऋतु जून से सितम्बर तक होती है। इस ऋतु में दक्षिण-पश्चिम मानसून या नम हवाएँ समुद्र से धरती की ओर चलती हैं, जिसे अग्रगामी मानसून भी कहा जाता है। इन हवाओं के कारण देश के कई भागों में वर्षा होती है।

द. पश्चगामी मानसून की ऋतु :- अक्टूबर तथा नवम्बर के महीने पश्चगामी मानसून की ऋतु के माने जाते हैं। इस ऋतु में हवाएँ धरती से समुद्र की ओर लौटती हैं। यह ऋतु साधारणतः शुष्क होती है। परन्तु भारत के कुछ दक्षिण भागों में मुख्यतः तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस ऋतु में वर्षा होती है।

प्र.2 उष्ण कटिबंधीय वर्षा वाले वनों तथा उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों में क्या अन्तर है?

उ. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वाले वन :- उष्ण कटिबंधीय वर्षा वाले वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ भारी वर्षा होती है। इस प्रकार के वन पश्चिमी घाटों के वर्षा वाले किनारों पर और देश के उत्तर पूरब में तथा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में पाये जाते हैं। ये वन इतने घने होते हैं कि इनमें सूर्य का प्रकाश धरती तक नहीं पहुँच पाता। इसी कारण ये जंगल हरा-भरा दिखाई देता है।

उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन :- इस प्रकार के वन हमारे देश के कई भागों में पाए जाते हैं। इन वनों को मानसून वन भी कहते हैं। ये वृक्ष कम घने होते हैं तथा ये वृक्ष अपनी पत्तियों को वर्ष में एक निश्चित समय में गिरा देते हैं। इन जंगलों के महत्वपूर्ण वृक्ष हैं :- साल, टीक, सागवान, चंदन, शीशम, गहुआ, बाँस इत्यादि।

प्र.3 हमें वन तथा वन्य जीवों का संरक्षण क्यों करना चाहिए?

उ. वन्य जीवों का संरक्षण अत्यावश्यक है क्योंकि जंगली जानवरों तथा पक्षियों की विभिन्न प्रजातियाँ पर्यावरण को बनाए रखती हैं। पेड़ो. के कटने तथा शिकार के कारण भारत के वन्य जीवों की कुछ प्रजातियाँ लुप्त होती जा रही हैं तथा कुछ लुप्त हो चुकी हैं। इनके संरक्षण के लिये भारत के विभिन्न भागों में 'नेशनल पार्क' और

'अभयारण्य' बनाए गये हैं। हमारी सरकार ने 'प्रोजेक्ट एलिफैंट' नामक परियोजन का प्रारंभ इन जानवरों को बचाने के लिये किया है। सरकार ने वन्य पशुओं के शिकार पर कठोर प्रतिबंध लगा दिये हैं।

प्र.4 वनों से हमें क्या लाभ हैं?

उ. वन हमारे लिये बहुत लाभदायक हैं :-

अ. पेड़-पौधें श्वसन के लिए आँक्सीजन देते हैं तथा कार्बन-डाई-आक्साइड को सोख लेते हैं तथा इस प्रकार वन वायु प्रदूषण को कम करते हैं।

ब. पौधों की जड़ें मिट्टी को बाँधे रखती हैं तथा भू-स्खलन को रोकती हैं।

स. वन हमें फर्नीचर के लिये लकड़ी, इमारती लकड़ी, ईधन, पशुओं के लिये चारा, औषधियाँ, जड़ी-बूटियाँ, लाख, शहद, गोंद, इत्यादि देते हैं।

द. वन जंगली जीवों के लिये प्राकृतिक वास प्रदान करते हैं।

प्र.ग सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. संसार की सर्वाधिक वर्षा का रिकार्ड हैं :-

अ. मुंबई में ( ) ब. मौसिनराम में (✓)

स. डिबरूगढ़ में ( ) द. चेन्नई में ( )

2. भारत में सबसे ठंडे स्थानों में से एक स्थान :-

अ. बीकानेर ( ) ब. द्रास (✓)

स. मणिपुर ( ) द. दिल्ली ( )

3. ज्वारीय वन नहीं उग सकते :-

अ. नमकीन जल में ( ) ब. स्वच्छ जल में ( )

स. रेगिस्तान में (✓) द. ऊँचे पर्वतों पर ( )

4. जंगली बकरी तथा बर्फीले तेंदुए पाए जाते हैं :-

अ. गुजरात में ( ) ब. असम में (✓)

स. केरल में ( ) द. कर्नाटक में ( )

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. ग्रीष्म ऋतु में दोपहर के समय गर्म तथा शुष्क हवाएँ चलती हैं जिसे *लू* कहा जाता है।

2. आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में *अक्टूबर और नवम्बर* माह में सर्वाधिक वर्षा होती है।

3. गुजरात के *गिर* जंगलों में एशिया के *शेर* पाए जाते हैं।

4. *पर्णपाती वन उष्ण कटिबंधीय* जंगलों को मानसूनी वन भी कहते हैं।

5. पाइन, चिर तथा देवदार *हिमालय क्षेत्र के वन* पेड़ों के उदाहरण हैं।

6. ज्वारीय वन कीप्रजातियाँ *सुन्दरवन* और *अंडमान निकोबार* हैं।

प्र.ड सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. भारत की जलवायु तथा वन्य जीवन में कोई भिन्नता नहीं है। (✗)

2. पर्णपाती वन हिमालय की तलहटी में पाए जाते हैं। (✓)

3. अक्टूबर तााि नवम्बर के महीने में मानसून वापस लौटने लगता है। (✓)

4. सुंदरवन बंगाल के चीतों का घर है। (✓)

5. वन्य जीवन का संरक्षण अत्यावश्यक है। (✓)

6. हमें अधिक-से-अधिक वृक्ष काटने चाहिए। (✗)

7. भारत का वन्य जीवन समृद्ध नहीं है। (✗)

8. भारत की सरकार ने वन्य जीवन के शिकार पर कोई पाबंदी नहीं लगाई है। (×)

प्र.च सही जोड़े बनाइए :-

उ.

1.	उष्ण कटिबंधीय वर्षावाले वन	:	महोगनी
2.	उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन	:	शीशम
3.	कँटीले वन	:	कैकटस
4.	ज्वारीय वन	:	सुन्दरी
5.	हिमालय क्षेत्र के वन	:	पाइन

इकाई–3 (सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन

1 अनेकता में एकता

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 भारत में किस प्रकार की भौतिक विविधता पाई जाती है?

उ. भारत में विभिन्न प्रकार के भू-भाग; जैसे - पहाड़, पठार और मैदान हैं। प्रत्येक स्थान की जलवायु भी भिन्न-भिन्न है। जलवायु के अन्तर के कारण विभिन्न क्षेत्रों की प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्यजीव भी भिन्न-भिन्न प्रकार के हैं।

प्र.2 संयुक्त परिवार प्रणाली तथा एकाकी परिवार प्रणाली में क्या अंतर है?

उ. संयुक्त परिवार में माता-पिता, दादा-दादी, चाचा-चाची, चचेर भाई-बहन, एक साथ रहते हैं। जबकि एकाकी परिवार में माता-पिता तथा अविवाहित बच्चे एक साथ रहते हैं।

प्र.3 तीन प्रकार की आर्थिक क्रियाओं को लिखिये।

उ. कृषि, मछली पालन, वन विभाग से सबंधिक कार्य तथा शिकार इत्यादि क्रियाएँ प्राथमिक आर्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं। कच्चे माल से तैयार सामान बनाने की क्रिया द्वितीय आर्थिक क्रियाओं के अंतर्गत आती हैं। विभिन्न प्रकार की सेवाएँ, व्यापार तथा वाणिज्य इत्यादि को तृतीय श्रेणी की आर्थिक क्रियाएँ कहते हैं।

प्र.4 किस राज्य में हिन्दी मुख्य भाषा है?

उ. उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीस गढ़, झारखंड इत्यादि राज्यों में हिन्दी मुख्य भाषा है।

प्र.5 भारत में मुख्य धर्म कौन-कौन से हैं?

उ. भारत में कई प्रमुख धर्म हैं जिसमें हिन्दु धर्म के मानने वाले सर्वाधिक हैं। इसके पश्चात् इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन तथा पारसी हैं।

प्र.6 'धर्मनिरपेक्ष राज्य' से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. 'धर्मनिरपेक्ष' का अर्थ है कि राज्यों में कोई भी धर्म कार्यालयों में प्रयोग नहीं होगा तथा लोगों को अपने धर्म के प्रचार की स्वतन्त्रता होगी।

प्र.7 भारत एक अद्भुत भौगोलिक इकाई क्यों है?

उ. अपनी प्राकृतिक सीमाओं मुख्यतः उत्तर में हिमालय तथा दक्षिण में हिन्द महासागर के कारण भारत एक भौगोलिक इकाई है।

प्र.8 आप कैसे कह सकते हैं कि भारत में राजनैनिक एकता है?

उ. पहले मुगलों ने तथा फिर अंग्रेजों ने भारत को राजनैतिक एकता के सूत्र में बाँधा। स्वतन्त्रता के पश्चात् सम्पूर्ण भारत को उसी प्रकार के प्रशासन, कानून तथा संविधान द्वारा संचालन किया गया। सभी राजकीय राज्य भारतीय केन्द्र में मिल गए।

प्र.9 भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उ. भारत के विभिन्न भागों मं रहने वाले लोगों की संस्कृति एक ही है। विभिन्न धार्मिक मतों के होने के पश्चात्

भी हमारे सांस्कृतिक मूल्य जैसे - बड़ों का आदर करना, अतिथियों का सम्मान करना, परिवार में प्यार व सम्मान आज भी वही है।

प्र.10 धर्म तथा जातिगत भिन्नता हमारे समाज को कैसे हानि पहुँचाती हैं?

उ. धार्मिक और जातिगत भिन्नता हमारे समाज में सामुदायिक परेशानी का कारण बन जाती है और देश की एकता खतरे में पड़ जाती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :-

प्र.1 'भारत में विविधता में एकता है' इस कथन को समझाइए।

उ. भारत विविधताओं का देश है। यह एक देश है जिसमें विभिन्न प्रकार के भू-भाग; जैसे - पहाड़, पठार और मैदान हैं। प्रत्येक स्थान की जलवायु भी भिन्न-भिन्न है। जलवायु के अंतर के कारण विभिन्न क्षेत्रों की प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीवन भी भिन्न-भिन्न प्रकार के हैं। भौतिक भिन्नता के साथ-साथ हमें अन्य क्षेत्रों में भी भिन्नता दिखाई देती है; जैसे - परिवार की बनावट, आर्थिक क्रियाएँ, भाषाएँ, धर्म, जाति इत्यादि परन्तु इतनी भिन्नता होते हुये भी भारत के लोगों में एकता है। भारत की संस्कृति एक है जिसने हमें एक सूत्र में बांधा हुआ है।

प्र.2 भारत में पाई जाने वाली विभिन्नता को बताइए।

उ. भारत में पाई जाने वाली विभिन्नता है :-

अ. परिवार की संरचना में भिन्नता :- परिवार दो प्रकार के होते हैं - संयुक्त परिवार तथा एकाकी परिवार। संयुक्त परिवार में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, चचेरे भाई-बहन एक साथ रहते हैं। जबकि एकाकी परिवार में माता-पिता तथा अविवाहित बच्चे एक साथ रहते हैं।

ब. आर्थिक भिन्नता :- यहाँ कुछ लोग गरीब हैं और कुछ अमीर हैं। स्वतन्त्रता से लेकर आज तक हमारी सरकार ने गरीबी उन्मूलन के कई कार्यक्रम चलाए हैं।

स. भाषा की भिन्नता :- विभिन्न राज्यों में लोग विभिन्न भाषाएँ बोलते हैं।

द. धर्म और जाति की भिन्नता :- भारत में अद्भुत भिन्नता यहाँ के असंख्य धर्मो तथा लोगों के विश्वासों में झलकती है। जिनमें से कुछ भारत में पैदा हुये हैं तथा कुछ विदेशियों द्वारा बाहर से लाये गए हैं। हमारे संविधान के निर्माण कर्त्ताओं ने घोषणा की थी कि हमारा देश एक धर्म निरपेक्ष देश होगा।

प्र.3 विभिन्न प्रकार की आर्थिक विभिन्नताओं को विस्तारपूर्वक उदाहरण देकर समझाइए।

उ. भारत में आर्थिक भिन्नता बहुत अधिक है यहाँ कुछ लोग बहुत अमीर हैं तथा कुछ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जो लोग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं को करते हैं वे उन लोगों से गरीब है जो तृतीय श्रेणी की सेवाएँ प्रदान करते हैं। आर्थिक असमानता भी सामाजिक समस्याओं का एक कारण है। स्वतंत्रता से लेकर आज तक हमारी सरकार ने गरीबी उन्मूलन के कई कार्यक्रम चलाए हैं जिससे हमारे देश के गरीब लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

प्र.4 संयुक्त परिवार के लाभ तथा हानियों को बताइये।

उ. संयुक्त परिवार के लाभ :-

अ. संयुक्त परिवार में परिवार के सभी सदस्य साथ मिलकर खुशियाँ तथा दुखः बाँटते हैं। जिससे सुरक्षा की भावना का विकास होता है।

ब. कृषि कार्य के लिये संयुक्त परिवार उपयुक्त है।

संयुक्त परिवार की हानियाँ :-

अ. कभी-कभी संयुक्त परिवार में संयुक्त जायदाद होने के कारण सदस्यों के बीच मनमुटाव व झगड़े हो जाते हैं।

ब. बड़े शहरों में रहने की भी एक समस्या है। एकाकी परिवार छोटे घरों में आसानी से रह सकते हैं।

स. संयुक्त परिवार में प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वयं के निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र नहीं होता।

द. संयुक्त परिवार में घर के सभी कार्यशील व्यक्ति घर चलाने के लिए समान रूप से पैसा खर्च नहीं करते। जो घर के लोगों के लिये असंतोष का कारण बनते हैं।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. *नेहरू* ने यह सूत्र दिया 'अनेकता में एकता'।
2. भारत में दो प्रमुख धार्मिक समुदाय *हिन्दू* और *इस्लाम* हैं।
3. 8वें अध्याय के अनुसार भारतीय संविधान में *18* भाषाओं को मान्यता दी गई है।
4. भारत की *शक्ति* को यहाँ की विविधता का मुख्य स्त्रोत माना गया है।
5. हमारे प्राचीन साहित्यों में संपूर्ण भारत को *भारतवर्ष* के रूप में मान्यता दी गई है।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. हिन्दू भारत सरकार का अधिकारिक धर्म है। (✗)
2. भारत में अत्याधिक आर्थिक असमानता है। (✓)
3. प्रारंभ में, वर्षा तथा जाति प्रणाली व्यवसायों के अनुरुप विभाजित थी। (✓)
4. भारत धर्म के आधार पर कई राज्यों में विभाजित था। (✗)
5. भारत के अधिकांश लोग द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी की आर्थिक क्रियाओं में लगे हैं। (✗)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. संयुक्त परिवार प्रणाली के लिए कौन-सा कथन सत्य है :-

अ. संयुक्त परिवार में बूढ़े लोग सुरक्षित होते हैं। (✓)
ब. संयुक्त परिवार में व्यक्ति स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते। ( )
ग. संयुक्त परिवार में सभी सदस्य मिलकर घर का खर्च चलाते हैं। ( )
घ. बड़े शहरों में संयुक्त परिवार के लिए घर एक बड़ी समस्या है।। ( )

2. भारत में कौन-से प्रदेश मेंहिंदी मुख्य भाषा नहीं है :-

अ. उत्तर प्रदेश ( ) ब. तमिलनाडु (✓)
स. उत्तराखंड ( ) द. मध्य प्रदेश ( )

3. इनमें से कौन-सा धर्म भारत में उत्पन्न नहीं हुआ है :-

अ. हिंदू ( ) ब. बौद्ध ( )
स. सिख ( ) द. इस्लाम (✓)

4. जाति प्रथा प्रणाली भारत में प्रचलित है :-

अ. ईसाइयों में ( ) ब. बौद्धों में ( )
स. हिंदुओं में (✓) द. सिखों में ( )

5. कौन-सा कथन भारत के लिए सत्य नहीं है :-

अ. भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। ( )
ब. सभी भारतीयों की मातृ-भाषा हिंदी है; अतः वे हिंदी बोलते हैं। (✓)
स. भारत के लोग विभिन्न धर्मो को मानते हैं। ( )
द. प्राचीनकाल से भारत एक भौगोलिक इर्का है। ( )

6. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा संविधान के आठवें अध्याय में नहीं सम्मिलित है :-

अ. नेपाली ( ) ब. सिंधी ( )
स. पारसी (✓) द. संस्कृत ( )

7. निम्नलिखित में कौन-सी प्राथमिक आर्थिक क्रिया है :-

अ. कृषि (✓) ब. मछली उद्योग ( )
स. वन से संबंधित ( ) द. उपर्युक्त सभी ( )

8. स्वतंत्रता के पश्चात् भारत के राज्यों का विभाजन हुआ था :-

अ. धार्मिक आधार पर ( ) ब. भाषा के आधार पर (✓)

स. जाति के आधार पर ( ) द. संस्कृति के आधार पर ( )

2 विविधता और भिन्नता

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिये :-

प्र.1 आप पक्षपात से क्या समझते हैं? पक्षपात के मुख्य कारण क्या है?

उ. पक्षपात का अर्थ है - दूसरे लोगों के लिये नकारात्मक सोच। हम उन लोगों के लिये पक्षपात करते हैं जो हमसे भिन्न दिखते हैं। हम कई बातों या चीजों के लिये पक्षपात करते हैं। लोगों के धार्मिक विश्वास त्वचा का रंग किस क्षेत्र से आये हैं, कैसा उच्चारण है तथा कैसा कपड़े पहनते हैं आदि कारणों से हम पक्षपात करते हैं।

प्र.2 जातिगत भेदभाव से आप क्या समझते हैं? यह किस देश में प्रचलित है?

उ. उच्च जाति और निम्न जाति के आधार पर भेदभाव जातिगत भेदभाव कहलाता है। यह प्रथा भारत में प्रचलित है।

प्र.3 हम stereotype कैसे बनते हैं? उदाहरण देकर बताओ।

उ. जब हम किसी व्यक्ति का कोई प्रतिरूप बना लेते हैं तो हम **stereotype** बनाते हैं; जैसे - शहरी और ग्रामीण लोगों के बीच कुछ साधारण चीजों को लेकर विभिन्नता ढूंढना।

प्र.4 भेदभाव के मुख्य कारण क्या है?

उ. भेदभाव के कई कारण हो सकते हैं; जैसे - एक धर्म तथा भाषा बोलने वाले लोग दूसरे धर्म तथा भाषा बोलने वालों के लिये भेदभाव करते हैं। दो लोगों की अलग-अलग पृष्ठभूमि भी भेदभाव का कारण हो सकती है। जाति भी भेदभाव का एक मुख्य कारण होती है।

प्र.5 जातिगत सीढ़ी से आप क्या समझते हैं?

उ. लोगों का एक समूह वर्ग जातिगत सीढ़ी पर ऊपर या नीचे स्वतः आ जाता है जो लोग स्वयं को इस सीढ़ी पर सबसे ऊपर रखते हैं, उच्च जाति के तथा दूसरों से श्रेष्ठ कहलाते हैं। वह समुदाय जो सीढ़ी के सबसे निचले स्थान पर होता है वह बेकार समझा जाता है तथा उन्हें अछूत कहा जाता है।

प्र.6 हमारे संविधान की प्रस्तावना में समानता के विषय में क्या कहा गया है?

उ. संविधान निर्माताओं ने कहा कि अनेकता का आदर करके ही समानता को लाया जा सकता है। उन्होने महसूस किया कि लोगों को अपने धर्म का पालन करने, अपनी भाषा बोलने, अपने त्यौहार मनाने तथा अपने विचार स्वतन्त्र रूप से प्रकट करने का अधिकार दिया जाये।

प्र.7 लिंग के आधार पर भेदभाव से आपका क्या अभिप्राय है?

उ. कुछ परिवारों में लड़कियों को लड़कों से तुच्छ समझा जाता है क्योंकि यह आम राय है कि स्त्रियाँ पुरूषों से कम शक्तिशाली होती हैं अतः वे उन कार्यों को नहीं कर सकती जिन्हें पुरूष कर सकते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 पक्षपात तथा भेदभाव के उत्पन्न होने के क्या कारण है?

उ. पक्षपात लोगों के धार्मिक विश्वास, त्वचा का रंग, किस क्षेत्र से आये हैं, केसा उच्चारण है तथा कपड़ कैसे पहनते हैं। अक्सर हमारे पक्षपात इतने सुदृढ होते हैं कि हम उन लोगों से मित्रता नहीं करना चाहते हैं। यूरोप और अमेरिका में श्वेत लोगो अफ्रीका तथा एशिया के अश्वेत लोगों के लिये पक्षपातपूर्ण व्यवहार करते हैं। भेदभाव कई प्रकार से हो सकता है :-

क. कार्यो में दूसरों को नीचा दिखाना।

ख. कुछ कार्यों को करने से लोगों को रोकना या अनुमति न देना, विरोध करना।

ग. अपने पड़ोस के कुछ स्थानों में उन्हें रहने से रोकना या अनुमति न देना, विरोध करना।

घ. उन्हें सामाजिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने से रोकना।

ड. उन्हें एक ही हैंडपंप या कुएँ से पानी लेने से रोकना।

च. उन्हें एक ही कप या गिलास में चाय या पानी पीने से रोकना।

भेदभाव के कई कारण हो सकते हैं; जैसे - एक धर्म तथा भाषा बोलने वाले लोग दूसरे धर्म तथा भाषा बोलने वालो के लिये भेदभाव करते हैं। दो लोगों की अलग-अलग पृष्ठभूमि भी भेदभाव का कारण हो सकती है, जाति भी भेदभाव का एक मुख्य कारण होती है।

प्र.2 पूर्वानुमान तथा भेदभाव के क्या हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं?

उ. कुछ लोग सोचते हैं कि ग्रामीण लोग सीधे-साधे, ईमानदार परन्तु गंदे, अशिक्षित और अंधविश्वासी होते हैं, जबकि शहरी लोग पैसे प्रिय, आलसी और चालाक होते हैं। ग्रामीण तथा शहरी लोगों के लिये ऐसे विचार पक्षपात को बढ़ाते हैं। यूरोप तथा अमेरिका के श्वेत लोग अफ्रीका तथा एशिया के अश्वेत लोगों के लिये पक्षपातपूर्ण व्यवहार रखते हैं।

प्र.3 भारतीय समाज में कौन-कौन से प्रकार के भेदभाव दिखाई देते हैं? हमारे संविधान में इस भेदभाव को दूर करने के लिए कौन से नियम बनाए गए हैं?

उ. हमारे समाज में कई प्रकार के भेदभाव हो सकता है :-

क. कार्य में दूसरो को नीचा दिखाना।

ख. कुछ कार्यो को करने से लोगों को रोकना या अनुमति न देना, विरोध करना।

ग. अपने पड़ोस के कुछ स्थानों में उन्हें रहने से रोकना।

घ. उन्हें सामाजिक तथा धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने से रोकना।

ड. उन्हें एक ही हैडपंप या कुएँ से पानी लेने से रोकना।

च. उन्हें एक ही कप या गिलास में चाय या पानी पीने से रोकना।

संविधान की रचना :- इस असमानता को दूर करने के लिये बनाई अस्पृश्यता को अपराधा घोषित किया गया तथा लोगों को अपना कार्य चयन करने के लिये स्वतन्त्र अधिकार दिया गया। सरकारी नौकरी को प्रत्येक के लिये उपलब्ध करवाया गया।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. दूसरे लोगों के लिए नकारात्मक छवि *पक्षपात* कहलाती है।

2. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, पूर्वानुमान *सामाजिक भिन्नता* के रूप में व्याप्त है।

3. जब हम लोगों का एक प्रतिरूप बना लेते हैं तो ***stereotype*** कहलाता है।

4. निम्न वर्ग या अछूत वर्ग के लोगों को जातिगत सीढ़ी पर सबसे *नीचे* रखा जाता है।

5. बहुत से *दलितों* ने मिलकर एक साथ मंदिर में प्रवेश किया।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. असमानता भेदभाव को बढ़ाती है। (✓)

2. छूआछूत या स्पृश्यता का व्यवहार कानूनन अपराध है। (✓)

3. डा0 भीमराव अंबेडकर ब्राह्मण थे। (✗)

4. धार्मिक भेदभाव सामुदायिक आतंक फैलाता है। (✓)

5. भारतीय समाज में प्रत्येक जाति को समानाधिकार दिए गए हैं। (✗)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. डा0 भीमराव अंबेडकर को बचपन में भेदीाव का सामना किस आधार पर करना पड़ा :-

अ. धर्म ( ) ब. भाषा ( )

स. जाति (✓) द. कोई नहीं ( )

2. धार्मिक तथा भाषागत भेदभाव भारत में पक्षपातपूर्ण नहीं है क्योंकि लोग यहाँ विभिन्न भाषाएँ तथा विभिन्न धर्मो को मानने वाले :-

अ. हमारे जैसा दिखते हैं। ( ) ब. हमारी तरह बोलते हैं। ( )

स. हमारी तरह सोचते हैं। ( ) द. इन सभी गुणों से भरपूर हैं। (✓)

3. भेदभाव के विषय में कौन-सा कथन सत्य नहीं है :-

अ. भेदभाव दूसरे लोगों को अपने कार्यो द्वारा नीचा दिखाने से होता है। (✓)

ब. कट्टर धार्मिक नियमों के पाल से भी भेदभाव होत ा है। ( )

स. कमजोर वर्ग के अधिकारो की सुरक्षा करने से भी भेदभाव होता है। ( )

द. अस्पृश्य लोगों को मंदिर जाने से रोकने पर भी भेदभाव होता है। ( )

4. बैलगाड़ी वालों ने भीमराव अंबेडकर को ले जाने से मना कर दिया क्योंकि :-

अ. वे लोग पूरा किराया नहीं दे रहे थे। ( )

ब. स्टेशन मास्टर ने गाड़ी वाले पर दबाव नहीं डाला था। ( )

स. गाड़ी वाला सूर्यास्त के पश्चात् गाड़ी नहीं चलाता था। ( )

द. गाड़ी वाले ने यह सुन लिया था कि वे लोग अछूत हैं। (✓)

5. भेदभाव को दूर करने के लिए कौन-सा कथन उपयुक्त नहीं है :-

अ. लड़कियों को शिक्षा में समान अधिकार देने चाहिए। ( )

ब. लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए। ( )

स. लड़कियों को दूसरे जाति में विवाह की अनुमति होनी चाहिए। (✓)

द. उन्हें पैतृक संपत्ति में समान अधिकार मिलने चाहिए। ( )

3 हमारी सरकार तथा इसके कार्य

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 सरकार से आप क्या समझते हैं?

उ. सरकार राज्य का एक प्रशासन तंत्र है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके द्वारा राज्यों के प्रशासन के लियें शासन पद्यति का निर्माण किया जाता है।

प्र.2 सरकार का मुख्य कार्य क्या है?

उ. सरकार का मुख्य कार्य शांति तथा सुरक्षा स्थापित करना तथा विदेशी आक्रमणों से राज्य की सुरक्षा करना है।

प्र.3 सरकार के चार महत्वपूर्ण जन कल्याण के कार्य बताइए?

उ. सरकार के कई प्रकार के जन कल्याण कार्य; जैसे - विद्धयालय तथा विश्वविद्धयालय खुलवाना, अस्पताल खुलवाना तथा सड़के बनवाना, पीने के स्वच्छ जल की व्यवस्था, बिजली तथा अन्य सुविधा प्रदान करना तथा समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा करना इत्यादि हैं।

प्र.4 सरकार किन मुख्य स्तरों पर विभाजित होती है?

उ. सरकार मुख्य तीन स्तरों पर कार्य करती है :- स्थानीय स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर।

प्र.5 लोकतंत्र तथा राजतंत्र में क्या अन्तर है?

उ. लोकतंत्र में सरकार को शक्ति लोगों द्वारा दी जाती है। वे चुनाव द्वारा इस कार्य को करते हैं, जिसमें वे किसी निश्चित व्यक्ति को वोट देकर चुनते हैं, जो सरकार चलाता है। राजतंत्र अर्थात् राजा या रानी के हाथ में निर्णय क्षमता होती है तथा वे ही सरकार चलाते हैं। राजतंत्र साधारणतः पैत्रक होता है।

प्र.6 सार्वजनिक चुनावों में नागरिक का मताधिकार सेआपका क्या अभिप्राय है?

उ. किसी भी देश के सभी व्यस्क नागरिक वोट दे सकते हैं। लोकतंत्र में नियमित चुनाव होते हैं। लोग इन चुनावों

में अपने प्रतिनिधि चुनने तथा चयनित करने के लिये भाग लेते हैं।

प्र.7 लोकतांत्रिक सरकार कैसे कार्य करती है?

उ. लोकतांत्रिक सरकार स्थनिय स्तर पर राज्य स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है। स्थानिय स्तर का अर्थ है - अपने गाँव में शहर में या क्षेत्र में, राज्य स्तर का अर्थ है पूरे राज्य में और राष्ट्रीय स्तर का अर्थ पूरे देश से सम्बन्धित है।

प्र.8 लोकतांत्रिक सरकार के तीन आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?

उ. लोकतंत्र के मुख्य तत्व हैं - लोगों की भागीदारी, समानता और न्याय।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखिए :-

प्र.1 लोकतांत्रिक सरकार के महत्वपूर्ण लक्षण कौन-कौन से हैं?

उ. भारत एक लोकतंत्र है। यह उपलब्धि भारतीयों के लम्बे तथा लगातार संघर्ष का परिणाम है। लोकतंत्र का मुख्य गुण है कि लोग अपना प्रतिनिधि स्वयं चुनते हैं और हम कह सकते हैं कि लोग अपने द्वारा बनाए गये नियमों का स्वयं पालन करते हैं। देश को लोकतांत्रिक तब ही कहा जा सकता है जब देश के सभी व्यस्क नागरिक (जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है) वोट दे सकते हैं।

प्र.2 सरकार के विभिन्न कार्य विस्तारपूर्वक बताइए।

उ. सरकार बहुत से कार्य करती है। सरकार का मुख्य कार्य शान्ति तथा सुरक्षा स्थापित करना तथा विदेशी आक्रमणों से राज्य की सुरक्षा करना है। इसके अतिरिक्त सरकार के कई प्रकार के जन कल्याण कार्य; जैसे - विद्धालय तथा विश्वविद्धालय खुलवान अस्पताल खुलवाना तथा सड़कें बनवाना, पीने के स्वच्छ जल की व्यवस्था, बिजली तथा अन्य सुविधा प्रदान करना तथा समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा करना भूकंप आदि प्रकृति आपदा के समय दुःखी और पीड़ित लोगों के लिये राहत कार्य करे।

प्र.3 किस प्रकार लोकतान्त्रिक सरकार जनता को समानता तथा न्याय का विश्वास दिलाती है?

उ. सरकार कानून बनाती है तथा देश में रहने वाला प्रत्येक नागरिक उनका पालन करता है। सरकार ने अपने नागरिकों को कुछ मौलिक अधिकार भी दिए हैं। किसी कारणवश यदि कोई व्यक्ति ऐसा सोचता है कि उसके मौलिक अधिकार का किसी दूसरे नागरिक या सरकार ने हनन किया है या आदर नहीं किया है तो वह न्यायालय या कचहरी में जाकर अपील कर सकता है कि कानून का सही ढंग से पालन नहीं हुआ है। तब न्यायालय उसे निर्देश दे सकता है कि उसे क्या करना है।

प्र.4 लोकतान्त्रिक सरकार में लोगों की भागीदारी एक मुख्य तत्व क्यों है?

उ. लोकतंत्र में नियमित चुनाव होते हैं। लोग इन चुनावों में अपने प्रतिनिधि चुनने तथा चयनित करने के लिये भाग लेते हैं। ये प्रतिनिधि लोगों की ओर से निर्णय लेते हैं। हम वोट देने के साथ-साथ सरकार बनाने की क्रिया में अन्य तरीके से भी भाग ले सकते हैं। लोग सरकार की कार्य प्रणाली में रूचि लेकर भागीदार बन सकते हैं या उसका विरोध करके वे ऐसा कर सकते हैं। यदि लोग सरकार के किसी निर्णय से सहमत नहीं हैं, तो वो अपना असंतोष सामूहिक रैली द्वारा व्यक्त कर सकते हैं। कभी-कभी सरकार को जनता के अनुसार अपने निर्णय भी बदलने पड़ते हैं।

प्र.ग नीचे लिखे कथनों को पढ़िए उसके सामने दिए खानों को देखिए, पहचानिए कि वे किस स्तर के हैं? उपयुक्त खाने में सही (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. केन्द्र, 2. राज्य, 3. केन्द्र, 4. स्थानीय, 5. स्थानीय, 6. केन्द्र, 7. राज्य।

4 पंचायती राज और ग्रामीण प्रशासन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 ग्राम सभा का गठन कैसे होता है?

उ. गाँव के सभी व्यस्क स्त्रियाँ और पुरूष जिनकी आयु 18 वर्ष या इससे अधिक हो ग्राम सभा के सदस्य हो

सकते हैं।

प्र.2 ग्राम पंचायत का गठन कैसे होता है?

उ. ग्राम सभा के सदस्य गुप्त मतदान की प्रक्रिया से ग्राम पंचायत के सदस्यों का निर्वाचन करते हैं।

प्र.3 ग्राम पंचायत का मुखिया कौन होता है तथा उसकी नियुक्ति कैसे होती है?

उ. ग्राम सभा अपने अध्यक्ष का चुनाव करती है जिसे 'प्रधान' या 'सरपंच' कहते हैं।

प्र.4 ग्राम पंचायत की आय के मुख्य साधन कौन-से हैं?

उ. ग्राम पंचायत की आय के निम्नलिखित स्त्रोत हैं :-

क. गृह तथा दुकानों से कर एकत्रित करना।

ख. सरकार से प्राप्त अनुदान।

ग. अभिधारकों द्वारा देयकर या लगान।

घ. पंचायत के स्वामित्व की भूमि और कृषि से आय।

ड. कारोबार या व्यापार कर।

प्र.5 पटवारी का मुख्य कार्य क्या हैं?

उ. भूमि की नाप तथा उसका रिकार्ड रखना पटवारी का मुख्य कार्य होता है। उसे लेखपाल भी कहते हैं। प्रत्येक पटवारी कुछ गाँवों के लिये कार्य करता है। पटवारी का काम किसानों से लगान एकत्र करना भी होता है।

प्र.6 ग्रामीण प्रशासन में पुलिस का क्या योगदान है?

उ. प्रत्येक पुलिस स्टेशन का अपना क्षेत्र होता है जो उसके अधीन होता है। उस क्षेत्र के रहने वाले लोग मुकदमें, चोरी, लड़ाई, दुर्घटनाओं इत्यादि की रिपोर्ट वहीं दर्ज करवाते हैं। यह पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह मामले की छानबीन, निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार कार्यवाही करे।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 जिला पंचायत के मुख्य कार्यो को विस्तार पूर्वक बताइए।

उ. ग्राम पंचायत के कुछ महत्वपूर्ण कार्य हैं :-

क. गाँव की सड़कों का निर्माण, पानी, बिजली, सफाई, स्वास्थ की सुविधा उपलब्ध करवाना।

ख. गाँव में कुँआ, तलाबों तथा विद्यालयों का निर्माण करवाना।

ग. गाँव की सम्पत्ति की खरीद व बिक्री का लेखा-जोखा रखना।

घ. जन्म और मृत्यु के अभिलेखों को रखना।

ड. वनों का संरक्षण तथा नए पेड़ लगाना।

च. प्रौढ़-शिक्षा के केन्द्र का प्रारंभ करवाना।

छ. गाँव में मेलों तथा त्यौहार का आयोजन करना।

ज. स्वास्थ केन्द्रो तथा डिस्पेंसरी खुलवाना।

झ. पुस्तकालय खुलवाना।

ञ. गाँवों में खेलों का आयोजन करवाना।

प्र.2 ब्लाक समिति तथा जिला परिषद् का निर्माण कैसे होता है? इसके मुख्य कार्य कौन-कौन से हैं?

उ. ब्लाक समिति के सदस्य प्रत्यक्ष रूप से नहीं चुने जाते। प्रधान तथा ग्राम पंचायत के पंचों द्वारा अपने ब्लाक के अन्तर्गत ब्लाक समिति के सदस्यों का चुनाव करते हैं।

जिला परिषद् अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन करती है। अध्यक्ष इसकी सभाओं की अध्यक्षता करता है। सरकार जिला परिषद् का प्रधान नियुक्त करता है जो जिला परिषद् का स्थायी कर्मचारी होता है।

ब्लाक समिति के कार्य :- इसका एक मुख्य कार्य सरकार से ब्लाक के विकास कार्यो के लिये वित्तिय सहायता

का प्रबंध करवाना है। ब्लाक समिति ब्लाक की पंचायत को विशेषज्ञो की सेवाएँ भी उपलब्ध करवाती है; जैसे - कृषि विशेषज्ञ, पशुचिकित्सक इत्यादि।

जिला परिषद् के कार्य :- इसका मुख्य कार्य ग्राम पंचायत तथा ब्लाक समिति की सहायता करना है। यह विभिन्न विकास कार्यक्रमों के लिये योजना बनाती है।

प्र.3 न्याय पंचायत से आप क्या समझते हैं? इसका मुख्य कार्य क्या है?

उ. साधारणतः तीन और चार गाँवो के लिये न्याय पंचायत होती है। प्रत्येक गाँव पंचायत कुछ प्रतिनिधियों की नियुक्ति न्याय-पंचायत के लिये करती है।

न्याय पंचायत केवल छोटे मुकदमे, जैसे - छोटी-मोटी चोरी, जुआ खेलना, किसी को चोट पहुँचाना इत्यादि मामूली दीवानी और फोजदारी के मामलों को निपटाती है। यह एक सौ रूपये तक जुर्माना लगा सकती है। न्याय पंचायत इस प्रकार के मुकदमें दोनों पक्षों में समझौता करवाकर भी सुलझाती है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. ग्राम सभा सभी *व्यस्को* की बैठक या जनसभा है जो ग्राम पंचायत के अधिनस्थ क्षेत्र में रहते हैं।
2. भारत में पंचायती राज प्रणाली का उच्चतम स्तर *जिला परिषद्* है।
3. *राज्य* सरकार द्वारा पंचायत के विभिन्न स्तरों को वित्तीय सहायता दी जाती है।
4. गाँव की भूमि का अभिलेख रखने का कार्य *पटवारी* का होता है।
5. जिला स्तर पर सर्वोच्च लगान अधिकारी *खसरा रिकार्ड* होता है।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. गाँव के सभी वयस्क लोग ग्राम पंचायत के सदस्य होते हैं। (✗)
2. पटवारी तथा लेखपाल सरकारी कर्मचारी है। (✓)
3. ग्राम प्रधान की नियुक्ति ब्लाक विकास अधिकारी द्वारा होती है। (✗)
4. न्याय पंचायत किसी व्यक्ति को जेल भी भेज सकती है। (✓)
5. ब्लाक समिति के सदस्य प्रत्यक्ष रूप से नहीं चुने जाते। (✓)
6. प्रत्येक गाँव एक पुलिस स्टेशन के प्रशासन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। (✗)

5 शहरी प्रशासन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 नगर पालिका तथा नगर निगम में क्या अन्तर है?

उ. नगरों में स्थानीय स्वशासन सरकार के विभागों को नगर पालिका या नगर निगम कहा जाता है। नगर पालिका छोटे शहरों में कार्य करती है जबकि नगर निगम बड़े शहरों में कार्य करती है।

प्र.2 ऐसे छह नगरो के नाम लिखिये जहाँ नगर निगम कार्य करते हैं?

उ. छह नगर जहाँ नगर निगम कार्य करते हैं वो हैं - दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबद, बंगलुरु।

प्र.3 सभासद कौन होते हैं? उनका चुनाव कैसे होता है?

उ. नगर विभिन्न वार्डो या उपनगरों में विभाजित होते हैं। प्रत्येक वार्ड में रहने वाले 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोग अपने क्षेत्र में एक प्रतिनिधि चुनते हैं। विभिन्न वार्डो से चुने हुए प्रतिनिधि 'सभासद' कहलाते हैं।

प्र.4 नगर पालिका की आय के मुख्य स्त्रोत कौन-कौन से हैं?

उ. नगर पालिका की आय के मुख्य स्त्रोत हैं - संपत्ति कर, जल कर, तथा मनोरंजन कर आदि।

प्र.5 उन विभागों के नाम बताइए जिनमें नगर-पालिका का कार्य विभाजित होता है?

उ. शहर के कार्य विभिन्न विभागों में बँटें होते हैं। उदाहरण के लिये - जल विभाग, कूड़ा एकत्र करने वाला विभाग, नालियों की सफाई विभाग, सड़क अनुरक्षण विभाग इत्यादि।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 नगर पालिका के मुख्य कार्यों को बताइए।

उ. नगर पालिका के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं :-

क. जन सुविधाएँ; जैसे - स्वच्छ पेयजल, बिजली इत्यादि दिलाना।

ख. अच्छी और चौड़ी सड़के, फ्लाई ओवर तथा पुल का निर्माण तथा उसका अनुरक्षण।

ग. नगर की जल निकास व्यवस्था करवाना। इसके लिये उचित नालियों और सीवर प्रणाली का निर्माण करवाना।

घ. बच्चों की शिक्षा के लिये विद्यालय खुलवाना।

ड. कब्रगाहो तथा शवदाह स्थलों का अनुरक्षण।

च. जन्म तथा मृत्यु का ब्यौरा रखना।

छ. लोगों की महामारियों से सुरक्ष करवाना।

प्र.2 जिलाधीश के मुख्य कार्य कौन-कौन से हैं?

उ. जिलाधीश के मुख्य कार्य हैं :-

क. जिले में न्याय व्यवस्था बनाए रखना।

ख. जिला जेल के प्रशासन का निरीक्षण करना।

ग. भूमि का लगान वसूलना।

घ. जज के कार्य का निरीक्षण तथा सहायता करना।

ड. जनसुविधा के लिये समान तथा सेवा उपलब्ध करवाना।

च. जिलों के सामान्य विकास के लिये योजनाएँ बनाना तथा कार्य को विभिन्न स्तरों में विभाजित करना।

छ. पंचायती राज और स्थानिय विभागों के कार्य का निरीक्षण करना तथा जाँचना।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. निगमायुक्त की निम्नतम आयु सीमा *18* वर्ष होती है।

2. सभासद के चुनाव के लिए नगर को विभिन्न *वार्डों* में बाँटा जाता है।

3. नगर निगम के अधीक्षक को *मेयर* कहा जाता है।

4. जिले की पुलिस का सर्वोच्च अधिकारी *सुपरिटेंडेट ऑफ पुलिस* कहलाता है।

5. नगर पालिका का प्रशासनिक अधिकारी *निगमायुक्त* कहलाता है।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. निगमायुक्त की नियुक्ति जिलाधीश करता है। (✗)

2. नगर पालिका नगरवासियों के लिए निःशुल्क पेय जल उपलब्ध करती है। (✓)

3. नगर पालिका के कार्य विभिन्न विभागों में विभाजित होते हैं। (✓)

4. नगर पालिका का शासन अधिकारी जनता द्वारा चुना जाता छै। (✗)

5. नगर पालिका के अधीक्षक या मेयर को नगर की जनता चुनती है। (✗)

6 ग्रामीण जीविका

प्र.क निम्नलिलिखत प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 भारत को गाँव तथा किसानों का देश क्यों कहा जाता है?

उ. भारत गाँवों का देश है। भारत की लगभग 75 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में रहती है इसलिये भारत को गाँवों और किसानों का देश कहा जाता है।

प्र.2 भूमिहीन किसान तथा कृषि मजदूर से आपका क्या अभिप्रायः है?

उ. वे किसान जिनकी अपनी भूमि नहीं होती तथा वे दूसरों की भूमि पर कार्य करते हैं भूमिहीन किसान या कृषि मजदूर कहलाते हैं।

प्र.3 कुछ ऋतुओं में किसान गाँवों से शहरों की ओर क्यों प्रत्यार्पण करते हैं?

उ. पूरे वर्ष कार्य न होने के कारण अधिकतर लोग गाँव से शहरों की ओर लंबी दूरी की यात्रा करके कार्य क खोज में भटक रहे हैं। यह प्रत्यार्पण उन ऋतुओं में होता है जब कोई फसल नहीं उगाई जाती।

प्र.4 गाँव के लोगों की पाँच द्वितीय आर्थिक क्रियाओं के नाम लिखिए।

उ. लौहार, बढ़ई, जुलाहा, दर्जी, दुकानदार, कुम्हार।

प्र.5 गाँव के लोगों की तृतीय स्तर की आर्थिक क्रियाओं के नाम लिखिये।

उ. गाँव के लोगों की तृतीय स्तर की आर्थिक क्रियायें हैं - नाई, धोबी तथा मोची इत्यादि।

प्र.6 मछुआरों के लिये मानसून ऋतु क्षीण ऋतु क्यों होती है?

उ. मानसून में लगभग 4 महीनों के लिये मछुआरे समुद्र में नहीं जा पाते क्योंकि इस ऋतु में मछलियों की संख्या में वृद्धि होती है। इसी कारण यह ऋतु क्षीण ऋतु कहलाती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 विभिन्न प्रकार के किसानों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. गाँवों में विभिन्न प्रकार के किसान होते हैं। वह किसान जिनकी अपनी भूमि 5 हैक्टेयर से अधिक है उन्हें 'बड़े किसान', वे किसान जिनकी भूमि 2 से 5 हैक्टेयर के बीच है उन्हें 'मध्यम श्रेणी के किसान' तथा वे किसान जिनकी भूमि 2 हैक्टेयर से कम है 'छोटे किसान' कहलाते हैं। जिन किसानों की अपनी भूमि नहीं होती वे दूसरे किसानों की भूमि पर कार्य करते हैं उन्हें भूमिहीन किसान या कृषि मजदूर कहा जाता है।

प्र.2 ग्रामीण ऋणग्रस्तता के क्या कारण हैं?

उ. अधिकतर छोटे किसानों या भूमिहीन किसानों को कृषि से संबंधित सामान; जैसे - बीज, खाद, कीटनाशक तथा अपने परिवार के सदस्यों की आवश्यकता की पूर्ति के लिये कर्जा लेने की आवश्यकता पड़ती है। कभी-कभी अपने बच्चों की शादी के खर्चो को वहन करने या किसी धार्मिक कार्य की पूर्ति के लिये किसान कर्ज लेते हैं। अधिकतर किसान स्थानीय ऋणदाताओं से ऋण इस शर्त पर लेते हैं कि जब इसकी फसल कट जायेगी तो ऋण चुका देगें पर फसल यदि किसी भी कारणवश नष्ट हो जाती है तो किसान और अधिक ऋणग्रस्त हो जाता है।

प्र.3 मछुआरों के गाँव तथा उनकी मछली पकड़ने संबंधी क्रियाओं को विस्तार पूर्वक बताइए?

उ. समुद्र तटीय क्षेत्रों में, मछली पकड़ने वाले गाँव होते हैं। इन गाँवों के लोग मछलियों को पकड़कर और बेचकर जीविका चलाते हैं। इन गाँवों में घर समुद्र के पास होते हैं। लगभग रात के 2 बजे लोग मछली पकड़ने के लिये निकलते हैं और लगभग 7 बजे समुद्र तट पर आते हैं और महिलाये मछली खरीदने और बेचने के लिये एकत्रित होती हैं। यह क्रिया मानसून में लगभग 4 महीनों के लिये नहीं होती क्योंकि इस समय मछलियों की वृद्धि होती है। ये समय मछुआरों के लिये बड़ा कष्ट पूर्ण होता है। उन्हें ऋण लेकर गुजारा करना पड़ता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. भारत की लगभग *75* प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में रहती है।
2. *मोची* जूतों को बनाता तथा ठीक करता है।
3. अध्यापन *द्वीतीय* आर्थिक क्रिया है।
4. *लुहार* लोहे के औजार तथा यंत्र बनाता है।
5. कुछ मछुआरों ने अपनी *किश्तियों* में इंजन लगा लिए हैं जिससे कि वे समुद्र में दूर तक मछली पकड़ने के लिए जा सकें।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. सभी भारतीय किसान ऋणग्रस्त हैं। (✗)

2. लोग साधारणतः गाँवों से शहरों की ओर जीविकोपार्जन के लिए पलायन कर रहे हैं। (✓)
3. मछली पकड़ने वाले गाँव अधिकतर समुद्र के निकट बसे हैं। (✓)
4. तूफान के समय मछुआरे अधिक मछली पकड़ते हैं। (✗)
5. वर्षा ऋतु किसानों के लिए अच्छी तथा मछुआरों के लिए बुरी होती है। (✓)
6. मध्य भारत में, कई ग्रामीण अपनी जीविका वन्य उत्पाद एकत्रित करके कमाते हैं। (✗)

7 शहरी जीविका

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 शहरी लोगों के मुख्य व्यवसाय क्या हैं?

उ. शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के लोग भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्य या व्यवसाय करते हैं। कारखाना, कर्मचारी, दुकानदार, व्यापारी, दक्ष लोग; जैसे - अध्यापक, डाक्टर, वकील तथा क्लर्क इत्यादि। वहाँ अन्य लोग भी रहते हैं जो दैनिक वेतन प्राप्त करते हैं; जैसे - मजदूर, रिक्शा चालक, टैंपो ड्राइवर, टैक्सी ड्राइवर, सब्जी बेचने वाला, सड़क के किनारे चाय बेचने वाला और घरेलू नौकर।

प्र.2 फेरी वालों के मुख्य व्यवसाय क्या हैं?

उ. सब्जी बेचने वाला, सड़क के किनारे चाय बेचने वाला, विभिन्न प्रकार के खाद्य-पदार्थ बेचने वाला और घरेलू नौकर।

प्र.3 अधिक संख्या में फेरी वाले क्यों अनुपयोगी हैं? फेरी वालों के लिए एक अलग स्थान की आवश्यकता क्यों है?

उ. भारत में शहरी क्षेत्रों में लगभग 1 करोड़ फेरी वाले हैं। इन लोगों को सड़क पर यातायात तथा पैदल चलने वालों के लिये अवरोधक समझा जाता था। फेरी वालों के लिये स्थान-स्थान निश्चित कर दिया गया है जिसमें घूमने वाले विक्रेता स्वतन्त्रता से घूम सकते हैं।

प्र.4 अस्थायी कर्मचारियों के लिये फैक्ट्री में क्या समस्याएँ होती है?

उ. अस्थायी कर्मचारियों को रोजगार तभी मिलता है जब फैक्ट्री में काम अधिक होता है या किसी विशेष ऋतु में। इन कर्मचारियों की कोई सुरक्षा नहीं होती यदि कर्मचारी अपने वेतन या कार्य स्थिति के विषय में शिकायत करते हैं तो उन्हें नौकरी छोड़ने का आदेश दे दिया जाता है। उनसे अधिक घंटे तक कार्य करवाने की आशा की जाती है। इन्हें वेतन भी कम दिया जाता है।

प्र.5 शहरी लोगों के पाँच कुशलतापूर्ण कार्य बताइए।

उ. शहरी लोगों के पाँच कुशलतापूर्ण कार्य हैं - अध्यापक, डाक्टर, वकील, प्रबंधक, इंजीनियर।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 फेरी वाले कौन-कौन से कार्य करते हैं?

उ. फेरी वाले कभी सामान बेचते हैं या कभी मरम्मत करते हैं या कभी अन्य सेवाऐं प्रदान करते हैं। वे स्वयं कार्य करते हैं तथा उन्हें कोई कार्य नहीं देता। उनकी दुकानें अस्थाई होती है। वो डंडों पर तिरपाल लगा कर दुकान खोल लेते हैं या ठेले पर गली-गली घूम कर अपना सामान बेचते हैं। सड़कों पर सामान बेचने वाले अधिकांश सामान अपने घर पर तैयार करते हैं।

प्र.2 अस्थायी तथा स्थायी कर्मचारियों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। अस्थायी लोगों की मुख्य समस्याएँ क्या हैं?

उ. अस्थायी कर्मचारी वो होते हैं जो दैनिक वेतन के आधार पर काम करते हैं। इन्हें तब रखा जाता है जब फैक्ट्री में अधिक काम होता है। इन कर्मचारियों की कोई सुरक्षा नहीं होती। यदि कर्मचारी अपने वेतन या कार्य स्थिति के विषय में शिकायत करते हैं तो उन्हें नौकरी छोड़ने का आदेश दे दिया जाता है। उनसे अधिक घंटे तक कार्य करवाने की आशा की जाती है।

स्थायी कर्मचारियों वे होते हैं जिन्हें लगातार वेतन और अन्य सुविधाए दी जाती है, स्थायी कर्मचारी होने के नाते इन्हें अन्य प्रकार के लाभ; जैसे - भविष्य निधि सुविधा, सेवानिवृत्य होने पर पेंशन तथा निशुल्क चिकित्सा सेवाए भी दी जाती हैं। इन्हें रविवार तथा अन्य सरकारी अवकाश भी दिये जाते हैं। इन्हें आकस्मिक अवकाश तथा वार्षिक अवकाश भी दिया जाता है। इन्हें मैडिकल अवकाश भी मिलता है।

प्र.3 स्थायी कर्मचारियों को क्या-क्या लाभ दिए जाते हैं?

उ. स्थायी कर्मचारियों को लगातार वेतन और अन्य सुविधायें दी जाती है; जैसे - भविष्य निधि सुविधा, सेवा निवृत्य होने पर पेंशन तथा निशुल्क चिकित्सा सेवाएँ भी दी जाती है। इन्हें रविवार तथा अन्य सरकारी अवकाश भी दिये जाते हैं। इन्हें आकस्मिक अवकाश तथा वार्षिक अवकाश भी दिये जाते हैं। इन्हें मेडिकल अवकाश भी मिलता है।

प्र.4 गाँवों से शहरों की ओर प्रस्थान से क्या-क्या लाभ और हानियाँ होती हैं?

उ. इस प्रस्थापन के कारण शहरों में घरों की समस्या होती है। अधिकतर लोग झोपड़ियों में या सड़क के किनारे जीवन बिताते हैं। परन्तु इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को फायदा भी होता है। ग्रामीण लोग शहरों में कार्य करके अपनी बचत को गाँव में रह रहे अपने परिवार को भेजकर उनका पालन-पोषण करते हैं तथा उन्हें भुखमरी से बचा सकते हैं। दूसरी ओर शहरी लोग भी ग्रामीण लोगों की सहायता से अपना व्यापार बढ़ा सकते हैं।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. अहमदाबाद शहर का सर्वे करने के पश्चात् पाया गया कि शहर की कुल जनसंख्या का *12* प्रतिशत भाग सड़कों तथा गलियों में कार्य करता है।
2. हमारे देश में लगभग *1* करोड़ फेरी वाले हैं।
3. शहरी बाजारों में बड़ी-बड़ी दुकानों या शोरूम में *रेडीमेड* कपड़े बिकते हैं।
4. गाँवों से शहरों की ओर प्रस्थान के कारण शहरों में *घरों* की समस्या हो गई है।
5. शहरी लोग *ग्रामीण* लोगों की सहायता से अपने व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं।

प्र.घ सही वाक्य पर (✓) तथा गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. अधिकांश फेरी वालों की अपनी स्थायी दुकानें हैं। (✗)
2. कुछ फैक्ट्रियों में अस्थायी कर्मचारी भी कार्य करते हैं। (✓)
3. सभी बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियाँ सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। (✗)
4. फेरी वाले यातायात अवरूद्ध करते हैं। (✓)
5. शहरों में जनसंख्या अत्याधिक हो गई है; अतः लोग शहरों से गाँव की ओर प्रस्थान कर रहें हैं। (✗)
6. अस्थायी कर्मचारी तथा दैनिक वेतन वाले कर्मचारी दुःखपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। (✗)

प्र.ड सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ.

1. भारत में 'मिलियन प्लस' शहरों की संख्या :-

अ. 5000 ( ) ब. 27 (✓)

स. 3000 ( ) द. 4 ( )

2. अधिकतर शहरी लोग लगे हैं :-

अ. प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में ( ) ब. द्वितीय आर्थिक क्रियाओं में ( )

स. सेवाएँ उपलब्ध कराने में ( ) द. द्वितीय आर्थिक क्रियाएँ तथा सेवाएँ प्रदान करने में (✓)

3. भारत के बड़े शहरों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि :-

अ. दूसरे देशों से लोग भारत के शहरों में आ रहे हैं। ( )

ब. शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में जन्मदर ऊँची है। ( )

स. गाँव से कई लोग पास के शहरों में प्रस्थान कर रहे हैं। (✓)

द. शहरों में रहने की उचित व्यवस्था है। ( )

4. इनमें से कौन-सा सामान साधारणतः फेरी वालों द्वारा नहीं बेचा जाता :-

अ. सब्जियाँ और फल ( ) ब. छोटी आवश्यक वस्तुएँ ( )

स. खाने का सामान ( ) द. महँगी आरामदायक वस्तुएँ (✓)

5. फेरी वाले यातायात में बाधक होते हैं। इस समस्या के सर्वोत्तम उपाय हैं :-

अ. फेरी वालों पर कानून की पाबंदी लगाना। ( )

ब. फेरी वालों के लिए अलग स्थान बनाना ( )

स. बाजार में फेरी वालों के लिए स्थायी दुकानें बनवाना (✓)

द. उन्हें शहरों के बाहरी हिस्सों में स्थानांतरित करना। ( )